Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 18 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 32 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

धीरज होने से दरिद्रता भी शोभा देती है, धुले हुए होने से जीर्ण वस्त्र भी अच्छे लगते हैं।

चाणक्यनीति

फिल्में भूल सकते हैं लेकिन गाने हमेशा...

SHARE

सेंसेक्स	:	72,426.64
निफ्टी	:	22,040.70

SARAFA

सोना	:	5,880
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट, 9 की मौत

CHENNAI : राज्य के विरुधुनगर में शनिवार को पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट होने से 9 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शहर के वेम्बकोट्टई इलाका स्थित पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट के बाद भारी तबाही का मंजर सामने आया है। हादसे में फैक्टरी में काम करने वाले 9 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, विस्फोट इतना जबर्दस्त था कि फैक्टरी परिसर एवं आसपास की इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मौके पर राहत कार्य शुरू किया जो अभी तक जारी है।

किसान विरोधी है मोदी सरकार : खड़गे

NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार किसान विरोधी है। यह सरकार किसान हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। खड़गे ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि कल आंदोलन कर रहे एक किसान की मौत हो गई और तीन किसान रबर बुलेट लगने से आंखों की रोशनी खो बैठे हैं। मोदी सरकार किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दिलाने के लिए वचनबद्ध है। हम किसानों को उनका हक दिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि 'दिल्ली चलो' आंदोलन में हिस्सा लेने गुरदासपुर से आए एक किसान का शंभू बॉर्डर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तीन किसानों को रबर बुलेट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'दंगल' फेम अभिनेत्री सुहानी का निधन

NEW DELHI : बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की सुपरहिट फिल्म "दंगल" में बबीता फोगाट के बचपन का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सुहानी भटनागर का शनिवार को निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली। सुहानी महज 19 साल की थीं। सुहानी का कुछ दिन पहले एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। इस वजह से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें दी जाने वाली दवाओं का उनके शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस रिएक्शन के कारण सुहानी के शरीर में पानी जमा होने लगा था। सुहानी के निधन पर मनोरंजन जगत भी दुख व्यक्त कर रहा है।

अब मौसम की मिलेगी सटीक जानकारी, सैटेलाइट इनसैट-3डी लॉन्च

19 मिनट 13 सेकंड में पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में पहुंचा, 10 साल तक भेजेगा जानकारी

AGENCY NEW DELHI : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को 10 साल तक मौसम की सटीक जानकारी देने वाले सैटेलाइट इनसैट-3डी को लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से शाम 5.35 बजे लॉन्च किया गया। सैटेलाइट की लॉन्चिंग जीएसएलवी एमके-2 रॉकेट से हुई। ये 19 मिनट 13 सेकंड में जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) यानी पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में पहुंचा। 1 जनवरी 2024 को पीएसएलवी-सी54/एक्सपोसैट मिशन की लॉन्चिंग के बाद 2024 में इसरो का यह दूसरा मिशन है। यह इनसैट-3डी सीरीज की 7वीं उड़ान होगी। इस सीरीज का आखिरी सैटेलाइट इनसैट-3डीआर8 सितंबर 2016 को लॉन्च किया गया था। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक,10 नवंबर 2023 से इनसैट-3डी के वाइब्रेशन टेस्ट शुरू हो गए थे। यह 6-चैनल इमेजर और 19-चैनल साउंडर के जरिए मौसम से जुड़ी जानकारी देगा। साथ ही सर्च और रेस्क्यू के लिए जमीनी डेटा और मैसेज रिले करेगा।

क्या करेगा इनसैट-3डी

2274 किलोग्राम वजनी सैटेलाइट एक बार चालू होने के बाद अर्थ साइंस, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी), मौसम पूर्वानुमान केंद्र और भारतीय राष्ट्रीय केंद्र के तहत विभिन्न विभागों को सेवा प्रदान करेगा। 51.7 मीटर लंबा रॉकेट इमेजर पेलोड, साउंडर पेलोड, डेटा रिले ट्रांसपोंडर और सैटेलाइट एडेड सर्च एंड रेस्क्यू ट्रांसपोंडर ले जाएगा। जिनका उपयोग बादल, कोहरे, वर्षा, बर्फ और उसकी गहराई, आग, धुआं, भूमि और समंदरों पर स्टडी के लिए किया जाएगा।

● सैटेलाइट की लॉन्चिंग जीएसएलवी एमके-2 रॉकेट से हुई

एजेंसियों पर निर्भरता कम

इनसैट-3डीआर से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने में मदद मिल रही है। यह सैटेलाइट 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई से हर 26 मिनट में पृथ्वी की तस्वीरें खींच रहा है। साथ ही रेडिएशन, समुद्री सतह के तापमान, बर्फ की सतह, कोहरे की भी जानकारी देता है। यह जमीन से 70 किमी तक ऊंचाई तक टेंपरेचर नाप रहा है। इसने विदेशी एजेंसियों पर भारत के मौसम विभाग की निर्भरता कम की है। इनसैट सीरीज का आखिरी सैटेलाइट इनसैट-3डीआर था।

झारखंड में कैबिनेट विस्तार के बाद फूट, 12 एमएलए नाराज

अब तक दूर नहीं हुआ कांग्रेस का मतभेद, आठ विधायक गए दिल्ली

PHOTON NEWS RANCHI : चंपाई सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार होने के बाद से ही झारखंड कांग्रेस के 12 विधायक नाराज चल रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान लगातार उन्हें मनाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन अभी तक बात नहीं बन पायी है। शनिवार को भी कांग्रेस के 8 विधायकों ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मुलाकात की और अपनी बात रखी। वहीं चार विधायक नदारद रहे। पार्टी के अंदर चल रहा विवाद जब दूर नहीं हुआ तो विधायक बसंत सोरेन ने मोर्चा संभाला और नाराज विधायकों से मुलाकात की। ये बैठक रांची के बिरसा चौक स्थित होटल रासो में साढ़े तीन घंटे तक हुई। बता दें कि नाराज 8 विधायक दिल्ली कूच कर गये। वो अपनी बात आलाकमान के पास रखेंगे। प्राप्त सूचना के मुताबिक सभी विधायक रात के 8:35 बजे रांची एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हुए।

● बिरसा चौक स्थित होटल रासो में साढ़े तीन घंटे तक चली विधायकों की बैठक

● आठ विधायकों ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मुलाकात कर अपनी बात रखी

● विधायक बसंत सोरेन ने मोर्चा संभाला और नाराज विधायकों से मुलाकात

● आठ विधायकों ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मुलाकात कर अपनी बात रखी

नाराज विधायक बोले- जनता के बीच कैसे जाएंगे

नाराज विधायकों ने एक स्वर में कैबिनेट में शामिल हो रहे मंत्रियों को रिपीट नहीं करने की बात कही है। कई विधायक अपने लिए मंत्री पद की भी मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि ऐसे मंत्री जिन्होंने अब तक बेहतर प्रदर्शन नहीं किया, उन्हें मौका दे दिया गया। चंपई सरकार में नए चेहरों को मंत्रिमंडल में मौका मिलना चाहिए, ताकि वह अपनी योग्यता साबित कर सकें। नाराज विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्हें जनता के बीच जाना है। ऐसे में अगर काम बेहतर नहीं होगा तो वह कैसे जनता का सामना करेंगे। विधायकों की नाराजगी दूर करने की यहां भी खूब कोशिश हुई।

ये विधायक हैं नाराज

नाराज विधायकों में राजेश कच्छप, जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, डॉ. इरफान अंसारी, उमाशंकर अकेला, सोना राम सिंकू, भूषण बारा, नमन विक्सल कोंगड़ी, रामचंद्र सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, अंबा प्रसाद, दीपिका सिंह पांडेय, पूर्णिमा नीरज सिंह शामिल हैं।

परिवार में कुछ शंका थी, दूर करने का प्रयास किया गया : बसंत

हेमंत सोरेन के भाई और चंपई सरकार के मंत्री बसंत सोरेन नाराज विधायकों से मिलने पहुंचे, लेकिन बात नहीं बनी। हालांकि बसंत सोरेन ने कहा- परिवार में कुछ शंका थी, उसे दूर करने का प्रयास किया गया है। नाराज विधायकों से मिल कर बाहर निकले बसंत सोरेन ने कहा कि विधायकों की आशंकाओं को दूर किया गया। परिवार एकजुट पहले भी था और अब भी है। ये विधायक दिल्ली जा रहे हैं। विधायकों की सारी बातों को सुना गया है। उसे दूर कर लिया गया। सभी विधायकों का दिल्ली में आलाकमान से मिलने का कार्यक्रम पहले से निर्धारित है। इसलिए वह जा रहे हैं। परिवार एकजुट है।

उनका कहना है कि चयनित मंत्रियों ने पहले कोई काम नहीं किया है। ऐसे में उनकी जगह किसी और को मौका दिया जाए। इससे पहले शुक्रवार को भी नाराज विधायकों की प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष से लंबी वार्ता हुई लेकिन बात नहीं बनीं।

एक ही परिवार के चार लोगों का शव बरामद

रेल पटरी में कुछ-कुछ दूरी पर पड़े थे शव

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल करती पुलिस।

PHOTON NEWS CHAIBASA : राज्य के पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के नुरदा गांव के टुंगूवासा में रेल पटरी पर शनिवार को एक ही परिवार के चार लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। लोगों ने शुक्रवार आधी रात बाद करीब 2:30 चक्रधरपुर रेल मंडल के केंदपोसी तालाबुरु डाउन लाइन पर यह हृदय विदारक दृश्य देखा। रेलवे अधिकारियों ने सूचना मिलते ही ट्रेनों का संचालन रोक दिया। चारों शव एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर अलग-अलग स्थान पर मिले। जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि इन लोगों ने आत्महत्या की या इनकी हत्या हुई है। अधिकारियों ने कहा कि इनमें एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे के शव क्षत-विक्षत हालत में रेल पटरी पर मिले। चौथा शव बंधे हुए बोरे में मिला। जांच में स्थानीय थाना क्षेत्र की पुलिस की मदद भी ली जा रही है।

- आत्महत्या-हत्या की जांच कर रही पुलिस
- गांव के लोगों पर हत्या का शक
- हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंकने का शक
- पूर्व में डायन बिसाही के नाम पर झगड़ा करने का भी आरोप

भाजपा अधिवेशन में मोदी है तो मुमकिन है के नारे

पीएम ने खड़े होकर सबका अभिवादन किया

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली के भारत मंडपम में बीजेपी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन चल रहा है। इस कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शॉल पहनाकर मोदी का स्वागत किया। पीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा- हर बूथ पर पार्टी को 370 वोट बढ़ाने होंगे। 100 दिनों का जनसंपर्क अभियान चलाना है। भाजपा के पिछले 10 साल के कामों का भी प्रचार करना होगा। उधर जेपी नड्डा ने कहा- मोदी की गारंटी पर देश को भरोसा हुआ है। भाजपा की 17 प्रदेशों में सरकार है। हमने राजस्थान-छत्तीसगढ़ जीता है। इस बार बंगाल में भी जीतेंगे।

पूर्वी सिंहभूम के हनुमान मंदिर में आपत्तिजनक वस्तु रखने पर बवाल

CHAIBASA : पूर्वी सिंहभूम के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ हनुमान वाटिका मंदिर परिसर में कल यानी 16 फरवरी की रात को एक चिट्ठी के साथ आपत्तिजनक वस्तु रख दिया गया। पुजारी जब सुबह मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने उस आपत्तिजनक वस्तु और साथ में टूटी-फूटी हिंदी में लिखा एक पत्र देखा। मामले की जानकारी पुजारी ने आसपास के लोगों को दी। यह जानकारी आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते बवाल शुरू हो गया। घटना की सूचना पाकर विभिन्न हिंदू संगठन के लोग मंदिर परिसर में जमा हुए। फिर झंडा बैनर के साथ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला और नरसिंहगढ़ और धालभूमगढ़ में तमाम बाजार और दुकानों को बंद करा दिया।

विसर्जन जुलूस में पथराव मामले में एफआइआर

18 नामजद व 500 अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने मामला किया दर्ज, 25 हिरासत में

CRIME REPORTER RANCHI : नगड़ी में सरस्वती पूजा के मूर्ति विसर्जन करने जा रहे जुलूस पर हुई पथराव की घटना को लेकर शनिवार को 18 नामजद और 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। यह मामला अंचल अधिकारी के बयान पर दर्ज किया गया है। दर्ज मामले में एक धार्मिक स्थल के समीप अचानक हुए पत्थरबाजी के बाद दो गुटो में जमकर झड़प हुई। इसमें लगभग छह लोग घायल हुए है, जिसमें दो पुलिसकर्मी शामिल है। इसी क्रम में शनिवार को इलाके में रैप के जवानों के साथ ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो, एसडीओ उत्कर्ष कुमार, बीडीओ, सीओ फलैग मार्च निकाला। अधिकारी और जवानों ने फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से शांति बनाये रखने की अपील की। पूरे क्षेत्र में पुलिस के जवान तैनात है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूरे इलाके में धारा 144 लागू है। मामले में 25 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुरुप कार्रवाई की जायेगी। पूरे इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

- अंचल अधिकारी के बयान पर दर्ज किया गया मामला
- फ्लैग मार्च निकालकर लोगों से शांति बनाये रखने की गयी अपील
- शुक्रवार को पथराव के बाद दो पक्षों में थी झड़प

स्वदेशी विमानों, हेलीकॉप्टरों, मिसाइलों और रक्षा प्लेटफार्मों का हुआ अद्भुत प्रदर्शन

भारत-पाक बॉर्डर पर इंडियन एयरफोर्स ने दिखाई ताकत

AGENCY JAISALMER : वायु सेना ने शनिवार की शाम भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक पोखरण फायरिंग रेंज में 'वायुशक्ति' अभ्यास करके अपनी युद्धक तथा प्रहार क्षमताओं का प्रदर्शन किया। लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों से करीब दो घंटे तक कई तरह की मिसाइलें और गोला-बारूद दागने से बिलकुल युद्ध जैसा माहौल बन गया। फ्रांसीसी विमान राफेल और स्वदेशी प्रचंड हेलीकॉप्टर ने पहली बार देश के भीतर किसी युद्धाभ्यास में हिस्सा लेकर अपनी हवाई ताकत दिखाई। सतह से हवा में मार करने वाली हथियार प्रणाली 'समर' का भी पहली बार इस अभ्यास में इस्तेमाल किया गया।

● पोखरण फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास करके भारत ने दिखाई आसमानी 'वायुशक्ति'

● करीब दो घंटे तक कई मिसाइलें और गोला-बारूद दागने से बना युद्ध जैसा माहौल

तीनों इवेंट में 33 हवाई प्रदर्शन किए

राष्ट्रगान के साथ शुरू हुए हाईवोल्टेज हवाई युद्धाभ्यास 'वायुशक्ति' को तीन हिस्सों डे इवेंट, डस्ट इवेंट और नाइट इवेंट में बांटा गया था। तीनों इवेंट में कुल मिलाकर 33 हवाई प्रदर्शन किए गए। डे इवेंट में सूर्यास्त से पहले 23 जबरदस्त आसमानी करतब हुए, जिसमें फ्लैग टुपिंग, सुपरसोनिक रन, हवा से हवा में मिसाइल फायरिंग की गई। इस अभ्यास में सेना की बंदूकों को भी एयरलिफ्ट किया गया था।

हवा में मार करने वाली मिसाइलों में फ्रांसीसी मीका मिसाइल दागी

पोखरण फायरिंग रेंज में करीब दो घंटे तक चले युद्धाभ्यास के लिए एक से ढाई किमी. के दायरे में दुश्मन के प्रतीकात्मक रसद केंद्र, आतंकी ठिकाने, हवाई पट्टी, टैंक और तोपखाना प्रणाली, ब्रिज, ड्रोन, तेल डिपो, कमांड सेंटर बनाए गए थे। भारत के लड़ाकू विमान राफेल, सुखोई-30, जगुआर, तेजस, मिग-29 ने इन पर लगभग 40-50 टन आयुध गिराकर दुश्मन के सभी ठिकानों को सटीकता के साथ नष्ट कर दिया। लगातार बम के धमाकों और मिसाइलों की गर्जना ने लगभग युद्ध जैसा माहौल पैदा कर दिया। एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने राकेट दागकर दुश्मन के एक ठिकाने को पूरी तरह खत्म करने का प्रदर्शन किया। स्वदेशी एलसीए तेजस ने आर-73 मिसाइल से दुश्मन की राडार प्रणाली को नष्ट किया। हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों में राफेल से फ्रांसीसी मीका मिसाइल दागी। इसके अलावा दो सुखोई विमानों ने लगातार बमबारी करके दुश्मन के इलाके को धुआं-धुआं करके नेस्तनाबूत किया। इस दौरान सेना के रुद्र हेलीकॉप्टर ने दुश्मन के रिफ्यूलिंग सेंटर को पूरी तरह तबाह किया। परिवहन विमान सी-17 ने पैराशूट के जरिए अग्रिम इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों को रसद सामग्री पहुंचाने का प्रदर्शन किया। सुपर हरक्यूलिस सी-130जे ने छोटी हवाई पट्टी पर उतरकर अपने गरुड़ कमांडो को दुश्मन के इलाके में उतारने और मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर सुरक्षित अपने वायु क्षेत्र में लौटने का साहसी प्रदर्शन किया।

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में गृह विभाग के अपर सचिव को नोटिस

RANCHI : झारखंड में राज्यसभा चुनाव-2016 में हॉर्स ट्रेडिंग मामले में गृह विभाग के अपर सचिव को नोटिस भेजा गया है। जगन्नाथपुर थाना में दर्ज मामले में अनुसंधानकर्ता की ओर से साक्ष्य की कमी बताते क्लोजर रिपोर्ट एसीबी की अदालत में दाखिल किए जाने मामले में गृह विभाग के अपर सचिव अविनाश चंद्र ठाकुर को एसीबी कोर्ट ने नोटिस जारी कर 16 मार्च को अदालत में उपस्थित होने का निर्देश जारी किया गया है। मामले के अनुसंधानकर्ता ने जनवरी 2024 में क्लोजर रिपोर्ट दायर करते हुए इस केस को बंद करने का आग्रह एसीबी कोर्ट से किया है। इसके आलोक में अदालत ने शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है। बता दें कि हॉर्स ट्रेडिंग मामले में जगन्नाथपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आरोपी एडीजी अनुराग गुप्ता पर चल रही विभागीय जांच सितंबर 2021 में पूरी हो गई थी।

बीजेपी में जाने के सवाल पर कमलनाथ का इंकार नहीं

बाप-बेटे का भाजपा में जाना लगभग तय

AGENCY BHOPAL : मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने को लेकर अटकलें तेज हैं। इस बीच कमलनाथ, नकुलनाथ के साथ दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर कमलनाथ ने बीजेपी में जाने के मीडिया के सवाल पर इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि आप सभी उत्साहित क्यों हो रहे हैं? ऐसा कुछ होता है तो मैं आप सभी को सूचित करूंगा' पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ दोनों का भाजपा में जाना लगभग तय ही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- 'ये खबरें निराधार हैं। क्या आप सपने में भी सोच सकते हैं कि इंदिरा जी का तीसरा बेटा कांग्रेस छोड़ सकता है। वहीं पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि कमलनाथ के भाजपा में जाने की उम्मीद ही नहीं करनी चाहिए। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने दैनिक भास्कर से कहा कि 'मुझे कुछ नहीं पता।

'गैरसैंण' गहराई में स्थित एक समतल मैदान

घुमक्कड़ की पाती प्रकृति ने हमारे लिए बहुत से रहस्य रख छोड़े हैं। खूबसूरत नजारे और उनसे जुड़ी बातों को अगर नजदीक से देखने का प्रयास किया जाय तो समझ आएगा कि ये जितना ही रोमांचक होता है उतना ही दुरूह। आइए जानें हिमालय में बसे एक ऐसे ही अप्रतिम जगह गैरसैंण के बारे में... हिमालयी राज्य की एक और प्रमुख पहचान गैरसैंण की वजह से भी है जिसे प्रदेश की स्थाई राजधानी बनाए जाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। पर कई तरह के राजनीतिक कारणों से मामला अभी भी अधर में लटका हुआ है। हालांकि इसका भौगोलिक महत्व बहुत ज्यादा है। दरअसल, गैरसैंण शब्द दो स्थानीय बोली के शब्दों से मिलकर बना है, गैर तथा सैंण। 'गैर' इस क्षेत्र में कुमाऊनी तथा गढ़वाली दोनों भाषाओं में गहरे स्थान को कहते हैं तथा 'सैंण' शब्द मैदानी भू-भाग का पर्याय है यानि इसका तात्पर्य गहराई में स्थित समतल मैदान है। इस मैदानी तथा प्रकृति के सबसे सुन्दरत भू-भाग को समूचे उत्तराखंड के बीचों-बीच स्थित एक सुविधा सम्पन्न क्षेत्र माना जाता है और राज्य के मध्य में होने के कारण वर्षों से चले आ रहे पृथक उत्तराखंड राज्य की स्थाई राजधानी के रूप में स्वीकार किया जाता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

गैरसैंण का मैदानी भूभागों के बीचों-बीच स्थित होना इसका मुख्य बिन्दु है, जो पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए नितांत आवश्यक भी है। मेरा भी निजीतौर पर यही मानना है कि अगर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून की बजाय गैरसैंण होती तो राज्य के हालात कुछ और होते। लेकिन ऐसा हो नहीं सका जिसका खामियाजा यहां दूरदराज के क्षेत्रों में रह रहे लोगों को आज भी भुगतना पड़ रहा है।

गांव के गांव किस तरह खाली हो रहे हैं, किस तरह से अच्छे खासे गांव घोस्ट विलेज में बदल गए हैं, वर्तमान में किसी से छुपा नहीं है। पलायन की जो भयावह स्थिति सामने आ रही है वह चौंकाने वाली है। स्थिति यह है कि पूरे राज्य की एक तिहाई जनसंख्या महज दो समतल भूभाग वाले जिलों में आकर बस गई है। गैरसैंण के अलावा गोपेश्वर भी यहां की प्रमुख जगहों में आता है। यह चमोली जिले का मुख्यालय है और सारी की सारी प्रशासनिक गतिविधियां यहीं से संचालित होती है। परन्तु इस शहर की पहचान इसके आस-पास स्थित मंदिरों की वजह से ज्यादा है। गोपेश्वर का प्रमुख आकर्षण पुराना शिव मंदिर, वैतामी कुंड को माना जा सकता है। पहली बार 2009 में मेरा यहां आना हुआ था। उस समय पर्यटन विभाग की वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली परियोजना का मूल्यांकन करना था। विभाग का कार्यालय एक किराए के भवन में चल रहा था। उस समय सीमित मगर आसपास ठहरने के लिए कई तरह की सुविधाएं मौजूद थी। मुझे ज्यादा दिन रुकना था इसलिए किराए पर एक कमरा ही ले लिया था जो मुझे महज तीन हजार महीने के हिसाब से मिल गया था। लेकिन तब से लेकर अब तक काफी कुछ बदल चुका है। इस जगह ने अपना अच्छा खासा विस्तार ले लिए है। इस बार की यात्रा में मैं पहले की तुलना में काफी अंतर देख रहा हूं। सही मायने में एक ही जगह को दो बार देखने पर बीच में समय का एक अंतर आता है और समय का यही अंतर कल और आज के मध्य फर्क दशार्ता है। यह अंतर मैंने रुद्रप्रयाग में भी देखा था और अब चमोली में भी देख रहा हूं।

केदारनाथ की यात्रा जैसी भी रही हो पर वापसी बहुत ही आत्मिक अनुभव वाला रहा। नवोदय विद्यालय जाखधर से नीचे उतरने के क्रम में ही मुझे पता चल गया था कि यहां से गुप्तकाशी तकरीबन आठ और उखीमठ इक्कीस किमी की दूरी पर है। इस जगह पर यानी जाखधर आते वक़्त अगस्तमुनि और उखीमठ होकर ही तो आया था। मैंने महसूस किया कि आने में जो साइकिल ऊंचाई पर चढ़ाने की मुश्किल थी अब वह लौटने के वक़्त खत्म हो गई है और साइकिल बिना पैडल मारे भी बीस किमी की रफ्तार से नीचे उतर रही है।

पल भर के लिए लगा कि मैं हवा पर सवार उड़ा जा रहा हूं लेकिन साथ ही साथ दुर्गम रास्तों की दुश्वारियां भी थी। जरा सा भी नियंत्रण डगमगाता तो जान पर बन आती। इसलिए स्पीड को मैंने साइकिल का ब्रेक लगाकर नियंत्रित किया और कुछ ही मिनटों में वापस गुप्तकाशी और उसके बाद उखीमठ पहुंच गया।

गुप्तकाशी पहुंचकर लगा कि जब आ ही गए हैं तो क्यों ना एक बार मंदिर का भी भ्रमण कर ही लिया जाए। हालांकि चढ़ाई को देखकर मन थोड़ा हिचकिचाया भी लेकिन थोड़ी सी हिम्मत जुटाई तो मंदिर पहुंच गए। मंदिर के बाहर हर मंदिरों की ही तरह धर्म कर्म और पूजा पाठ करने-कराने को लेकर तमाम तरह के पंडित मौजूद थे। जानकारी के लिए बता दूं कि केदारनाथ के पाट खुलते समय भगवान की डोली इस मंदिर की परिक्रमा करके ही आगे बढ़ती है।

गुप्तकाशी के मुख्य मंदिर के अंदर शिवलिंग स्थापित है साथ में ही केदारनाथ की छोटी प्रतिकृति भी विराजित है। मंदिर के सामने एक कुंड बना है जिसमें अलग-अलग दो जल धाराएं गिरती हैं। इस जगह पर बाईं धारा से यमुनोत्री और दाईं धारा से गंगोत्री का जल आता है।

मुख्य मंदिर के साथ में ही अर्धनारीश्वर का मंदिर भी है। पौराणिक मान्यता है कि भगवान शिव ने पांडवों को यहां अर्धनारीश्वर के रूप में दर्शन दिया था। मैं इस जगह पर तकरीबन दो घंटे तक रुका। शिव के विविध रूपों का दर्शन किया और अपनी साइकिल आगे बढ़ा दिया।

मेरा अगला पड़ाव अब उखीमठ था। उखीमठ, मंदिर का वर्तमान स्वरूप 11वीं शताब्दी का माना जाता है। यह स्थान कई हिन्दू देवी-देवताओं के लिए समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्री कृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध और बाणासुर के बेटी उषा का विवाह इसी मंदिर में संपन्न हुआ था। शीतकाल में पंचकेदार में से दो केदार, श्री केदारनाथ और श्री मध्यमहेश्वर की डोली यहीं रखी जाती है और पूजा होती है। राजा मान्धाता की तपस्या से प्रसन्न होकर भोलेनाथ शिव लिंग रूप में यहां स्थापित हुए थे। वह नवम्बर का महीना था इसलिए केदारनाथ और श्री मध्यमहेश्वर का दर्शन संभव था। मंदिर परिसर में कई छोटे-छोटे अन्य मंदिर बने हैं। मैंने मंदिर के दर्शन किये और वहां से आगे बढ़ा तो पाया कि पीपलकोटी जाने के लिए मेरे सामने दो रास्ते हैं। एक वापस रुद्रप्रयाग से होकर दूसरा चोपता से होकर। मैंने दूसरा विकल्प यानी कि चोपता वाला रास्ता चुना क्योंकि इस जगह के बारे में अभी तक सिर्फ मैंने सुना था, कभी देखना नहीं हो पाया था।

इस चुनाव के साथ इस बात का भी ख्याल आया कि जब चोपता आना ही था तो कुछ दोस्तों को भी अपने साथ ही ले लिया होता। लेकिन जो हुआ अच्छा हुआ, अकेले घूमने से सिर्फ घुमक्कड़ी ही नहीं इंसान जीवन जीना भी साथ-साथ सीखता है। मैं चाहता था कि लोग घूमने के साथ-साथ जीवन जीना भी सीखे। इस लिहाज से वह एक सही फैसला था।

कविता

निखिल सिंह
प्रयागराज

रिक्शावाला

सोचा कुछ लिखूं
उनके लिए
जो रिक्शा चलाते हुए
सिर्फ पैसे देखते है
भार नहीं।
ढ़ोते है साहबों को
गालियां भी सुनते हैं साहबों की
बस सपने नहीं देख सकते
उनके जैसा।
रोटियां तो मिलती हैं
रूखी सूखी सी
रहते है झुग्गियों में
और सोते हैं बेफिक्र
ढ़ोते है मखमल वालों को
पर पहनते है चिथडन-उतारन।
पेट का क्या है
वो तो आदतन पिचक गया है
रहने का क्या
रिक्शा ही उनका महल है
कड़कती ठंड हो
या चिलचिलाती धूप
बरसते बादल हो
या तूफानी मौसम
हर हाल वो मारता रहता पैडल
पहुंचाता सबको उसकी मंजिल तक
खुद जिसका न मंजिल है न सफर।

पर फिर
मैंने सोचा कि
उनके लिए क्यूं लिखूं ?
वो तो पढ़ते ही नहीं है
अनपढ़ हैं
गवार ही तो है
सब के सब!

व्यंग्य ■ बर्बरीक

तुमको याद रखेंगे गुरु

दिलीप कुमार

आइए महसूस कीजिये पब्लिसिटी के ताप को, मैं फिल्मवालों की गली में
ले चलूंगा आपको
तो ख़्वातीनो हजरात मायानगरी की इस चमक-दमक से भरी दुनिया की सैर में आपका खैर मकदम है।

इस रुपहली और मायावी दुनिया का एक बेफिक्र फलसफा है 'बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा'।

जी यकीनन होगा। हर हाल में नाम होना ही चाहिए भले ही बजरिये बदनामी हो।

तो इस रुपहली और मायावी दुनिया की सबसे मायावी कस्तूरी को 'पब्लिसिटी' कहते हैं।

तो हुआ यूं कि एक फरवरी को भारत में वित्त मंत्री साहिबा ने संसद में बजट पेश किया जिसमें उन्होंने 9-14 वर्ष की किशोरियों के लिए सर्वाइकल कैंसर के टीकों के लिए सरकार की नेकनीयत योजना के बारे में बताया। जनता ने इसे सुना और सराहा भी और योजना के डीटेल की प्रतीक्षा होने लगी।

मगर यही बात एक पार्ट टाइम सिने अदाकारा ने अपनी पब्लिसिटी के लिए लपक ली।

जनता अभी सरकार की योजना को ठीक से समझ पाती कि सर्वाइकल कैंसर से पूनम पांडे नाम की सिने तारिका की मौत की खबर सबसे अविश्वसनीय आभासी प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर बेहद विश्वसनीय तरीके से पोस्ट कर दी गई।

पूनम पांडे तीस की वय पार कर चुकी एक सिनेमा की तारिका हैं जिन्होंने एक दो फिल्मों में काम किया जो अश्लीलता की उच्च कोटि के उपमेय व उपमान वाले चलचित्र थे। उन्होंने पब्लिसिटी के हर हथकंडे पहले भी अपनाए थे पर उन्हें कुछ खास सफलता नहीं मिली थी।

पूनम पांडे नामक सिने तारिका ने कुछ वर्ष पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के विश्वकप जीतने पर भी खिलाड़ियों के सामने अपने हुस्नोजमाल के भोंडे प्रदर्शन की बात मीडिया में कही थी। गनीमत ये है कि भारत देश में स्त्री को लेकर लोगों में आदर का भाव अभी बचा हुआ है सो पूनम पांडे का वो हथकंडा भी बेकार गया था, अलबत्ता आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। हथकंडों से सुर्खियों में आने के मामले में अभी भी भारत मे राखी सावंत की बादशाहत बरकरार थी,

सो पूनम पांडे नामक सिने तारिका ने सर्वाइकल कैंसर जैसे मुद्दे को लपक लिया। पूनम पांडे के सर्वाइकल कैंसर से अकाल मृत्यु की खबर वहीं से शाया हुई जहां से पूनम पांडे अपनी पब्लिसिटी की तमाम खबरें पोस्ट किया करती थीं।

मृत्यु किसी की भी हो, सदैव दुखद ही होती है और भारत में तो मृत्यु हो जाने पर दुश्मन को भी क्षमा कर दिए जाने की परंपरा रही है।

फिर एक युवती की मृत्यु तो और भी दुखदाई होती है, उनके प्रशंसकों के लिए ये एक सदमा था। दुनिया भर से उनकी अकाल मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट की जाने लगी। करीब 24 घण्टे से अधिक समय तक अपनी मृत्यु का उत्सव करवाने के बाद पूनम पांडे जीवित रूप में अचानक सकुशल प्रकट हुईं।

इस मृत्यु के तमाशे पर पूनम पांडे ने बहुत ज्यादा पब्लिसिटी बटोरी। जब वह प्रकट हुईं तब लोगों को पता चला कि ये एक पब्लिसिटी स्टंट था । उनके पैंतरे देखकर उनकी आदर्श राखी सांवत भी अवाक रह गईं। अपनी समझ के अनुसार
राखी सावंत ने कहा-

'मुंबई में ऐसा कोई श्मशान घाट नहीं है जिसमें पूनम पांडे को जलाया या दफनाया जा सके। क्योंकि पूनम बहुत हॉट हैं।'

राखी सावंत ने अपनी छवि के अनुरूप मृत्यु पर भी अपना ज्ञान बघारा। उन्हें कब्रिस्तान और श्मशान घाट में फर्क नहीं पता, गौरतलब है कि राखी सावंत ने कुछ समय पहले ही एक मुस्लिम युवक से निकाह करने से पूर्व इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया था, लेकिन पब्लिसिटी के लिए कोई भी हथकंडा अपनाने वाली राखी सावंत अपनी रुचि से सनातन, इस्लाम और कभी कभार क्रिश्चियन धर्म में आवाजाही करती रहती हैं।

पब्लिसिटी के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली राखी सावंत ने सार्वजनिक तौर पर 'राखी का स्वयंवर' नामक रियल्टी टीवी शो में घोषणा की थी कि वह उस टीवी शो के विजेता से विवाह करेंगी।

ये टीवी शो भारतीय मूल के एक कनाडाई युवक ने जीता था । शो के समाप्ति के समय दुनिया के सामने राखी ने गाजे बाजे के साथ उस युवक के साथ विवाह करने की घोषणा की थी।

मगर कुछ समय बाद राखी मुकर गई। उसने रियल्टी शो की रियल्टी की धज्जियां उड़ाते हुए अपने विवाह के वादे को 'पब्लिसिटी स्टंट' करार देते हुए विवाह से मना कर दिया।

हालांकि कुछ वर्ष पूर्व राखी सावंत ने आदिल नामक एक युवक से विवाह किया। अब भी जब-तब राखी सावंत मीडिया में अपने वैवाहिक जीवन की विवादित खबरें खुद पोस्ट करती रहती हैं। किसी दिन पति के जुल्मोसितम की बात करके कैमरे पर बिलख बिलख कर रोती हैं तो कभी हंसती खेलती अपनी खुशहाल गृहस्थी की बात करती हैं, तो कभी-कभी 'डोमेस्टिक वायलेंस' की पीड़िता होने की बात भी करती हैं।

'राखी का स्वयंवर' रियल्टी टीवी शो में वादा करके तय किये गए लड़के से विवाह करने की बात से पलट जाने की घटना को मीडिया और जनता ने बहुत सीरियसली लिया था। तो अब आज ये आलम है कि राखी सावंत सच में अगर अपनी पीड़ा बयान करती हैं तो मीडिया का बड़ा हिस्सा उसे 'पब्लिसिटी स्टंट' बताता है और जनता उसे मान भी लेती है।

पूनम पांडे ने भी राखी सावंत की राह चुनी और समय - समय पर खूब पब्लिसिटी स्टंट किये। पूनम पांडे ने कभी भारतीय क्रिकेट टीम की जीत पर इंस्टाग्राम पर अर्धनग्न तस्वीरें पोस्ट की तो कभी यूट्यूब पर अपने नहान कक्ष की आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट कीं और उन तस्वीरों के साथ उलजुलूल कैप्शन भी दिए।

एक बात पूनम पांडे की भी राखी सावंत की तरह उनके जीवन मे कामन रही कि उन्होंने भी ढेर सारी बेसिर पैर के पब्लिसिटी स्टंट करने के बावजूद खुद को विवाहित जीवन में 'डोमेस्टिक वायलेंस' का शिकार बताया राखी सावंत की तरह।

ये और बात है कि उनके इस बात को भी अब लोग पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं क्योंकि जो अपनी मृत्यु की झूठी खबर फैलाकर 48 घण्टे तक उस पर आई प्रतिक्रियाओं का आनन्द ले सकता है। उसे कोई क्या पीड़ा दे सकता है, ये बात आसानी से लोगों के गले नहीं उतर रही। पूनम पांडे की जब चौतरफा आलोचना हुई तब उन्होंने अपने बचाव में कहा कि उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ये सब किया था। मुंबई की सिने एसोसिएशन इस बात से बेहद नाराज हुई। उस संस्था ने कानूनी कार्यवाही के लिए पुलिस से सम्पर्क किया है।

पूनम पांडे के भोथरे लॉजिक का अनुसरण किया जाए तो कल को विजय माल्या कह सकते हैं कि, उन्होंने बैंकों से फ्राड इसलिये किया था ताकि लोगों को 'फाइनेंसियल लिटरेसी' के लिए जागरूक किया जा सके।

गौरतलब है कि पूनम पांडे को भले ही फिल्मों में कोई खास पहचान न मिली हो और सोशल मीडिया पर किसी भी हद तक जाकर पब्लिसिटी स्टंट करती रही हों लेकिन निजी जीवन में वह बेहद तेज,जुझारू और कामयाब महिला हैं। एक प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार सौ करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाले बोल्ड कंटेट के व्यापार की वह मालकिन हैं। व्यापार कैसा भी हो, नैतिक-अनैतिक मगर होता कानूनी तरीके से ही है। इसी तरह से राखी सावंत ने भी गरीबी से उठकर अपने को एक सफल महिला के तौर पर स्थापित किया है ।

अब तो इस कड़ी में उर्फी जावेद भी हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व अपनी झूठी गिरफ्तारी का वीडियो प्रसारित कर दिया था बाद में पुलिस सच में उन्हें गिरफ्तार करने के लिए खोजने लगी तो वह अंडरग्राउंड हो गईं।

कहते हैं जीवन एक मेला है मगर सोशल मीडिया पर चमक बिखेरने के लिए पूनम पांडे, राखी सावंत, उर्फी जावेद जैसी यश प्रार्थीनियों ने मनुष्य की संवेदना का तमाशा बना कर रख दिया है। सिर्फ 'हमीं दिखें' के मोह पर उस्ताद शायर नजीर बनारसी साहब फरमा गए हैं -

'तेरी मौजूदगी में तेरी दुनिया कौन देखेगा
तुझे मेले में सब देखेंगे तो मेला कौन देखेगा'।

वैसे पब्लिसिटी स्टंट के इस खेल में पूनम पांडे ने मृत्यु का खेला करके राखी सावंत को पीछे छोड़ दिया है और अब राखी सावंत मन ही मन कलप कर पूनम पांडे से कह रही होंगी -

'तुमको याद रखेंगे गुरु'।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

एसएसपी ने की पांच इंस्पेक्टर की पोस्टिंग, अभय सिन्हा बने गोंदा थाना प्रभारी

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा।

RANCHI : एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शनिवार को पांच इंस्पेक्टर की पोस्टिंग की है, इससे संबंधित अधिसूचना एसपी कार्यालय के द्वारा जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के मुताबिक, जयप्रकाश राणा को मांडर अंचल निरीक्षक बनाया गया, फागु होरो को बेडो अंचल निरीक्षक, इम्तियाज अहसन को यातायात थाना प्रभारी लालपुर, अजय कुमार को यातायात थाना प्रभारी कोतवाली और अभय कुमार सिन्हा को गोंदा थाना प्रभारी बनाया गया।

यौन अपराध अनुसंधान के लिए सीआइडी आयोजित करायेगा प्रशिक्षण

RANCHI : महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले यौन अपराध से संबंधित अनुसंधान के लिए सीआईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करायेगा। यौन अपराध से संबंधित अनुसंधान में सहयोग देने के लिए चयनित महिला पुलिस पदाधिकारी और महिला पुलिस कर्मियों का चार सप्ताह का प्रशिक्षण अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार में 19 फरवरी से शुरू किया जायेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन रविवार को जस्टिस एसएन प्रसाद के जरिये किया जायेगा। इस दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह, सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता सहित अन्य कई पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान का रिकॉर्ड उपलब्ध कराएं : डीसी

RANCHI : रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने 14 फरवरी को ओलावृष्टि से किसानों को हुए फसल क्षति से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का निर्देश सभी अंचल अधिकारी को दिया। उन्होंने शनिवार को कहा कि ओलावृष्टि से किसानों को हुए फसल क्षति से संबंधित रिकॉर्ड जल्द उपलब्ध कराया जाये, ताकि किसानों को सही समय पर मुआवजा दिया जा सके। डीसी ने इसे लेकर निर्देश देते हुए कहा कि अपने-अपने अंचल क्षेत्र में एक सहायता डेस्क बनाकर ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का आवेदन दिया जाये। इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर उप समाहर्ता भूमि सुधार, सदर - बुंडू रांची के माध्यम से 20 फरवरी तक भेजने को कहा है।

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करना होगा लक्ष्य : मंत्री बन्ना गुप्ता

RANCHI : स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने शनिवार को नेपाल हॉउस स्थित विभागीय कार्यालय कक्ष में कार्यभार संभाला। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनका लक्ष्य होगा। इसके अलावा दूसरी पारी में आधारभूत संरचना दुरुस्त हो, मैन पावर की कमी ना हो, ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले और महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस रखा जायेगा। इस मौके पर विधानन्द शर्मा पंकज, माधवी मिश्रा, लतीत शुक्ला, एड्स कण्ट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक पवन कुमार, धुर्व प्रसाद, सीमा उदयपुरिया, एमडी एनएचएम अलोक त्रिवेदी, जय किशोर प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

दो पक्षों के बीच झड़प के बाद फायरिंग, मामला दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : मोरहाबादी मैदान स्थित रुइन हाउस बार के बाहर दो पक्षों के बीच झड़प के बाद फायरिंग की घटना हुई है। यह घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। गोलीबारी की घटना को लेकर बरियातू थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करायी गयी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रुइन बार एंड रेस्टोरेंट में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गयी। हालांकि इस फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी,लेकिन कुछ देर के लिए मौके पर भगदड़ मच गई।

घटना के बाद पहुंची पुलिस। ● फोटोन न्यूज

रेस्टोरेंट में जन्मदिन मनाने आये थे धनबाद से युवक

बताया जाता है कि धनबाद से कुछ युवक अपना जन्मदिन मनाने रेस्टोरेंट में आये थे। उसी रेस्टोरेंट में रांची के कांके रोड के कुछ युवक पहले से मौजूद थे। पार्टी के दौरान ही दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मामला पहले गाली-गलौज से शुरू हुआ, जिसके बाद नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। इस बीच बार में मौजूद बाउंसर ने दोनों पक्षों को समझाया और बार से बाहर कर दिया। लेकिन बाहर आते ही दोनों पक्ष आपस में भिड़ गये। इसी बीच कांके रोड के एक युवक, जिसका नाम अमित सिंह बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने लाइसेंसी हथियार से फायरिंग कर दी। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। मामले की सूचना पाकर जब तक बरियातू पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक एक पक्ष के लोग जिन्होंने फायरिंग की थी, वे मौके से भाग चुके थे। पुलिस ने रेस्टोरेंट के बाहर से एक खोखा भी

37 करोड़ के लिए रुका 11 मंत्रियों के लिए बन रहे बंगलों का काम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची स्मार्ट सिटी के एडीबी एरिया में बन रहे 11 मंत्रियों के बंगलों का काम पूरा हो चुका है। करीब 37 करोड़ फंड रिलीज नहीं होने के कारण इंटीरियर फिनिशिंग का काम रुका हुआ है। जुडको ने बताया कि यह राशि स्वीकृत होने के बाद अधूरे काम पूरे होंगे। इसके बाद कैबिनेट इन बंगलों को मंत्रियों को आवंटित करेगा। उम्मीद है कि जुडको अप्रैल के अंत या मई तक यह बंगले कैबिनेट को हैंडओवर करेगा।

11 कैबिनेट मंत्रियों के लिए 69.90 करोड़ रुपये में बंगले बनाए जा रहे थे लेकिन अब निर्माण का अनुमानित खर्च 114.47 करोड़ रुपये पहुंच गया है। मंत्री बंगलों में मॉड्यूलर किचन और लिफ्ट समेत कई सुविधाएं बढ़ाई गई है, इसी वजह से खर्च बढ़ा है। 12 फरवरी को हुई चम्पाई सोरेन कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई है।

जुडको के निर्देशन में बन रहे मंत्री बंगलों में अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। बंगलों में ग्राउंड फ्लोर पर दो बेडरूम और पहले तल्ले पर तीन बेडरूम हैं। इसके अलावा एक बड़ा सा ड्राइंग रूम, डाइनिंग और मिनिस्टर रूम समेत कई कमरे हैं। बंगलों में स्मार्ट किचन भी है, जहां मॉड्यूलर और स्मार्ट किचन में भोजन बनेगा। पूरे बंगले का निर्माण कुछ इस तरह किया गया है कि इसमें मंत्रियों के परिवार के साथ उनके ऑफिस स्टाफ की सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। खास बात यह है कि स्मार्ट सिटी में ये सभी 11 बंगले एक कतार में हैं। ऐसे में एक कैंपस में प्रवेश करने के साथ ही सभी 11 मंत्रियों से मुलाकात हो सकती है।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने बापू वाटिका के समक्ष तीसरे दिन भी रखा उपवास

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष तीसरे दिन शनिवार को खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद के नेतृत्व में उपवास कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मौके पर खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा हेमंत सोरेन को जिस प्रकार केंद्र की भाजपा सरकार के जरिये जांच के सहारे प्रताड़ित किया जा रहा है। इसी कारण हम लोग सभी प्रखंडों, पंचायतों मे न्याय यात्रा निकाल कर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की ओर से जांच एजेंसियों के सहारे साजिश के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को जेल भेजे जाने के विरोध में उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जो तीसरे दिन भी जारी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मनमानी का हम लगातार विरोध करेंगे। हेमन्त सोरेन को राजनीति कारणों से प्रताड़ना झेलना पड़ रहा है। जनता इसका जवाब चुनाव में देगी।

ईडी कोर्ट ने बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद को भेजा न्यायिक हिरासत में

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संबंधित 8.5 एकड़ बड़गाईं अंचल की जमीन दखल के मामले में बड़गाईं अंचल के राजस्व निरीक्षक (हल्का कर्मचारी) भानु प्रताप प्रसाद की रिमांड अवधि खत्म होने पर शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने पूछताछ पूरी होने की बात कहते हुए ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत से भानु को जेल भेजने का आग्रह किया। इसके बाद कोर्ट ने भानु को 22 फरवरी तक के लिए न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया।

इससे पूर्व तीन बार चार-चार दिन की रिमांड लेने के बाद कुल 12 दिन रिमांड पर लेकर ईडी भानु से पूछताछ कर चुकी है। पेशी से पहले ईडी ने भानु का मेडिकल कराया।

भानू प्रताप को ले जाती ईडी की टीम। ● फोटोन न्यूज

ईडी की अब तक की जांच में यह पता चला है कि भानु प्रताप ने बरियातू में 8.5 एकड़ जमीन सहित अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने में हेमंत सोरेन की सहायता की है। पूछताछ में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं। भानु प्रताप पहले से ही बरियातू की सेना की जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद है। ईडी ने भानु को पांच फरवरी को इस मामले में गिरफ्तार किया था।

ईडी हेमंत सोरेन और भानु प्रताप को आमने-सामने बैठा कर पूछताछ कर रही है। क्योंकि, भानु प्रताप के आवास से ही बरामद दस्तावेज और उसके मोबाइल से

राज्य के सभी जिलों में 600 मतदान केंद्रों का सोशल ऑडिट कराएगा चुनाव आयोग

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों का सोशल ऑडिट कराने का फैसला किया है। इसके तहत राज्य के सभी 24 जिलों में स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा। मतदान केंद्रों पर उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं पर जिला स्तर से भेजी गयी रिपोर्ट की जमीनी हकीकत का आकलन करने की जिम्मेदारी थर्ड पार्टी को दी गयी है।

चुनाव आयोग के निर्देश पर होने वाले सोशल ऑडिट की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग के सोशल ऑडिट यूनिट को दी गयी है, जो राज्य के सभी 24 जिलों के 600 मतदान केंद्रों का दौरा कर वहां की जमीनी हकीकत से रूबरू होगी। सोशल ऑडिट टीम न सिर्फ मतदान केंद्रों का दौरा करेगी, बल्कि जिला स्तर से प्राप्त रिपोर्ट की भी जांच करेगी। निरीक्षण टीम मतदान केंद्र पर स्थानीय बीएलओ और मतदाताओं से भी बात करेगी और करीब 14 बिंदुओं पर रिपोर्ट चुनाव आयोग को सौंपेगी।

सोशल ऑडिट के दौरान टीम द्वारा मतदान केंद्रों की वास्तविक स्थिति, गांव के दो किलोमीटर के अंदर मतदान केंद्र है या नहीं, रैंप, पेयजल, बिजली आपूर्ति, शौचालय, टेबल-कुर्सी, शिशु गृह, स्थायी शेड, लाइट और पंखा आदि बुनियादी सुविधाओं का आकलन किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि सोशल ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद यह देखा जायेगा कि जिलों से आयी रिपोर्ट के अनुरूप मतदान केंद्रों पर व्यवस्था की गयी है या नहीं। व्यवस्था में कमी पाए जाने पर समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और समुचित कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी के दुरूपयोग के खिलाफ झामुमो ने की न्याय यात्रा शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो कांके प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी के नेतृत्व में सैकड़ो झामुमो कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कांके प्रखंड के ऊरगुद्दू पंचायत से न्याय यात्रा की शुरूआत की। मौके पर मौजूद प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी ने कहा कि न्याय यात्रा निकालने का मकसद झामुमो के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा के इशारों पर केंद्रीय एजेंसी द्वारा झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है, इसलिए जनता के बीच जाकर मामले से अवगत कराने के साथ साथ जनता को राज्य सरकार द्वारा जनहित में चलाए जा रहे विकास योजनाओं की जानकारी देना भी है।

न्याय यात्रा में शामिल झामुमो कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी ने आगे बताया कि केन्द्र सरकार 2024 के चुनाव में शाम-दाम-दंड-भेद का उपयोग कर किसी भी तरह सत्ता पर कब्जा जमाए रखना चाहती है। जिस जिस राज्य में विपक्ष की सरकार है उन सरकारों को केन्द्रीच एजेन्सियों द्वारा परेशान किया जा रहा है। दिल्ली, बिहार और झारखंड इसका उदाहरण है, जबकि भाजपा के कई सांसद और विधायक आकंठ भ्रष्टाचार में डुबे हुए हैं। चुंकि ये लोग भाजपा के विधायक हैं, इसलिए इन पर केन्द्रीय जांच एजेन्सी कोई कार्रवाई नही कर रही है। विपक्षी पार्टियां लगातार इस अन्यायपूर्ण कार्रवाई का विरोध सड़क से सदन तक कर रही है। झारखंड में भी झामुमो इस अन्याय के खिलाफ कमर कस चुकी है और इसी की कडी है न्याय यात्रा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन सचिव रंथू उरांव, सज्जाद अंसारी, रामसेवक महतो, जैनुल अंसारी, मोइन अंसारी, मोतीलाल उरांव, फैलेंद्र मुंडा, सुनीता देवी, रीता देवी, मुस्ताक अंसारी, शिव महतो, शहाबुद्दीन अंसारी, मोहम्मद चांद, जीतलाल पहन, रविचंद्र पहन, के साथ साथ सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

झाप्रसे संघ का विदाई सह अभिनंदन समारोह का आयोजन

RANCHI : झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ (झासा) की ओर से शनिवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। बीते साल राज्य प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए पदाधिकारियों के सम्मान में विदाई सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत होने वाले पदाधिकारियों का स्वागत-सह-सम्मान भी किया गया। साथ ही उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को रेखांकित करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित की गई। जिन पदाधिकारियों को विदाई देते हुए सम्मानित किया गया उनमें राम कुमार सिंह, संजय कुमार, अशोक कुमार खेतान, अभय कुमार सिंहा, सलन भुइयां, रंजना मिश्रा, राकेश रोशन, रंजीत कुमार सिंहा, सरिता दास, विलसन भेंगरा, अशोक कुमार शाह, डॉक्टर संजय सिंह, सुरेंद्र कुमार वर्मा, इंद्रदेव मंडल, अभिषेक श्रीवास्तव, राजेश रंजन वर्मा, नरेंद्र प्रसाद गुप्ता, नंद किशोर गुप्ता और अरविंद मिश्रा शामिल हैं। झारखंड प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक

लिटिल एंजल्स हाई स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

PHOTON NEWS RANCHI : लिटिल एंजल्स हाई स्कूल में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें पिछले सत्र के सफल शैक्षणिक टॉपर्स को, विभिन्न प्रतियोगिता में सफल छात्राओ को मोमेंटो, सर्टिफिकेट आदि से सममानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गान से किया गया। समरोह में स्कूली बच्चों द्वारा एक से बढ़ एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वहीं बतौर मुख्य अतिथि स्कूल के निदेशक मसूद कच्छी के द्वारा सभी कक्षाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल के बोर्ड टॉपर्स को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

समारोह में उपस्थित विजयी प्रतिभागी। ● फोटोन न्यूज

मुख्य अतिथि मसूद कच्छी ने कहा कि उपलब्धि हासिल करने वालों की वास्तविक सफलता सिर्फ यह नहीं है कि उन्होंने क्या हासिल किया है, बल्कि यह भी है कि उन्होंने दूसरों पर इसका क्या प्रभाव डाला है। मसूद कच्छी ने आगे कहा कि मनुष्य के जीवन में जितना महत्त्व भोजन का है, उससे अधिक महत्त्व शिक्षा का है। शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है। इंसान की बुद्धि का विकास शिक्षा अर्जित करने से ही होता है। शिक्षा मानव जीवन की एक महत्त्वपूर्ण इकाई है। शिक्षा न हो तो मनुष्य के जीवन की कल्पना भी मुश्किल है।

वहीं स्कूल में आए कई गार्जियन ने कहा कि स्कूल द्वारा किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्कूल और उसके छात्र सदैव चमकते रहेंगे। स्कूल की मेहनत और लगन सभी से अच्छा है। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत स्कूल परिवार ने किया। स्कूल के निदेशक मसूद कच्छी ने शीर्ष रैंक पाने वालों छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि असली प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं, बल्कि अपने आप से है। हर बार खुद से बेहतर बनने का प्रयास करते रहना चाहिए। मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल रानी तबस्सुम, उदित नारायण, टीचर शुशिला, समेत स्कूल परिवार से जुड़े सभी लोग उपस्थित थे।

टेस्ट मैच के लिए दोनों टीमें 20 को पहुंचेगी रांची, छह आईपीएस व कई डीएसपी होंगे तैनात

23 को रांची में भारत-इंग्लैंड के बीच होगा मुकाबला

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच 23 फरवरी से टेस्ट मैच शुरू होने वाला हैं। इसे लेकर रांची पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों टीमें 20 फरवरी को ही रांची पहुंचेगी। 21 को स्टेडियम में अभ्यास करेगी। इस दौरान खिलाड़ियों की होटल से लेकर स्टेडियम तक कि सुरक्षा का खाका तैयार किया जा रहा है। इस बार खिलाड़ियों की तीन लेयर में सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। एयरपोर्ट, होटल और स्टेडियम के लिए 15 सौ से

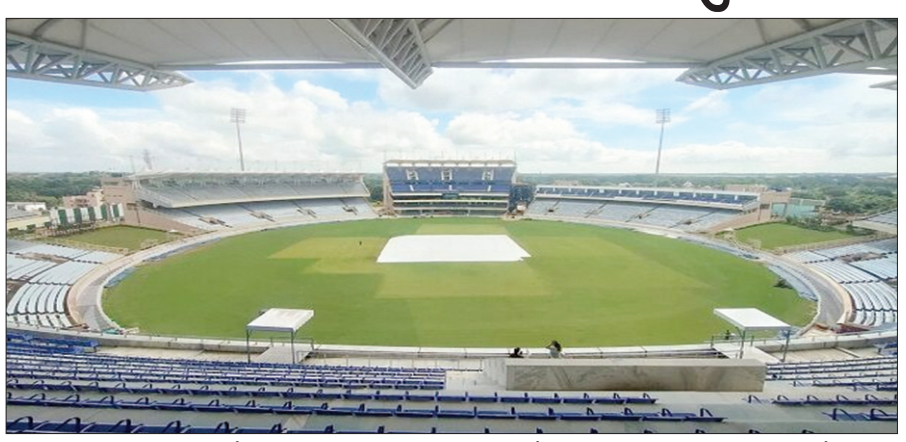

अधिक पुलिसफोर्स की तैनाती की जाएगी।

मैच के दौरान छह आईपीएस, 10 से ज्यादा डीएसपी और 1500 से ज्यादा पुलिस बल सुरक्षा व्यस्था संभालेंगे। ट्रैफिक रुट में किस तरह का बदलाव होगा, पार्किंग और होटल के बाहर किस तरह की सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा सभी बातों पर निर्णय लिया जा रहा है, जिस होटल में भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी ठहरेंगे उसकी सुरक्षा का जिम्मा डीएसपी स्तर के अधिकारी के जिम्मे होगा।

कांग्रेस के नाराज विधायक तैयार कर रहे रणनीति, बसंत सोरेन पहुंचे मनाने

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस के नाराज विधायक बिरसा चौक स्थित होटल रासो में शनिवार को आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इनमें विधायक दीपिका सिंह पांडेय, अंबा प्रसाद, डॉ इरफान अंसारी, राजेश कच्छप, भूषण बारा, उमाशंकर अकेला, सोना राम सिंकू, कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह सहित अन्य शामिल हैं। इस बीच मंत्री बसंत सोरेन नाराज विधायकों को मनाने पहुंचे हैं।

कांग्रेस के नाराज विधायक व मंत्री बसंत सोरेन। ● फोटोन न्यूज

विधायक सोना राम सिंकू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश प्रभारी के साथ हुई बैठक में कोई हल नहीं निकला। हल तो निकालना पड़ेगा। यदि हाईकमान चाहेगा तो वह कुछ भी संभव है। पहले भी चारों मंत्रियों को हटाने की बात चल रही थी। नए चेहरे को लेकर बात हुई थी लेकिन अचानक से 16 फरवरी को पुराने लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया। विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि सारी बातें हम लोग मीडिया के सामने पहले ही रख चुके हैं। हमारे सभी साथी इकट्ठा हुए हैं। हम लोग एक साथ बाहर जायेंगे। पहले दिल्ली उसके बाद कहीं और जाने की तैयारी है।

विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि हम सभी बैठकर मंथन कर रहे हैं। अपनी भावना से पार्टी की राष्ट्रीय नेतृत्व को अवगत कराएंगे। आलाकमान का 16 फरवरी को निर्देश था कि हम सभी शपथ ग्रहण समारोह में जाएं।

BRIEF NEWS

आमो ओडिशा नवीन ओडिशा जागरूकता शिविर आयोजित

ROURKELA : बिसरा ब्लॉक अंतर्गत बडाबंबुआ ग्राम पंचायत में आज पंचायत स्तरीय जागरूकता शिविर में₹आमो ओडिशा, नवीन ओडिशा₹ आयोजित किया गया। बिसरा ब्लॉक अध्यक्ष फुलमनी केरकेटा, जराईकेला पंचायत समिति सदस्य सोमनाथ राहा, बड़ाबंबुआ पंचायत समिति सदस्य यमुना ओराम, भालूलाता पंचायत समिति सदस्य सुनीता मिंज, बड़ाबंबुआ पंचायत की सरपंच जानबी नायक, जराईकेला पंचायत समिति सदस्य झाली बरवा, जरीकला पंचायत के सरपंच सुरेश ओराम, उडुसु पंचायत के सरपंच दुलारी स्कस्का, बिसरा पंचायत के सरपंच सूरज नायक व अन्य उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

श्रम मंत्री ने की मजदूरो से मुलाकात, योजनाओं का लाभ लेने को कहा

ROURKELA : राउरकेला के बंडामुंडा में अन्य निर्धारित कार्यक्रमों का दौरा करते समय दोपहर के भोजन के समय कुछ मजदूरों से श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने मुलाकात की। उन्हो?ने मजदूरों से उनके श्रम कार्ड, नवीनीकरण/उपयोग की स्थिति और अन्य लाभों के बारे में पूछताछ और बातचीत किए एवं उनसे कहे हमारे श्रम विभाग के अन्य कार्यक्रमों से लाभ उठाने/पहुंचने के हकदार हैं। इन सभी योजना का लाभ श्रमिको को लेना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा दिए जा विभिन्न योजनाएं श्रमिको के लिए किए है।

सड़क दुर्घटना में चालक की मौत

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के लहुनीपाड़ा पुलिस सीमा के अंतर्गत दलमकुचा घाटी में कार और ट्रक की भीषण टक्कर हुई। इस दुर्घटना में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस से कार चालक को बणई अस्पताल ले जाया गया। मृतक ट्रक चालक का नाम पता नही चल पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

लोहरदगा में दो लाभार्थियों को मिला ट्रैक्टर

LOHARDAGA : मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने शनिवार को दो लाभुकों सुनेश्वर भुईंया और सानू भुईंया के बीच ट्रैक्टर का वितरण किया। दोनों लाभुक पेशरार प्रखण्ड के मक्का के रहने वाले हैं। दोनों लाभुकों को उपायुक्त ने वाहन की चाभी व वाहन के दस्तावेज सौंपे। इस मौके पर आईटीडीए परियोजना निदेशक सुजाता कुजूर और कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

गिरिडीह में हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

GIRIDIH : गांवा थाना पुलिस ने चिहुटिया गांव में मुकेश कुमार को लोडेड देशी पिस्तौल के साथ दबोचा है। वह गांव में मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी पर हमला करने के इंतजार में खड़ा था। एसपी दीपक कुमार शर्मा ने शनिवार को बताया कि आरोपित मुकेश की किसी व्यक्ति से दुश्मनी थी। संभवतः उसे मारने के लिए वह गांव चिहुटिया में खड़ा था। हालांकि, ये स्पष्ट नहीं हुआ है।

हजारीबाग में चलती बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

HAZARIBAGH : हजारीबाग-बड़कागांव मार्ग के फतहा के पास शनिवार दोपहर चलती यात्री बस में आग लग गई। अमन बस टंडवा से हजारीबाग की तरफ जा रही थी। इस बीच हजारीबाग-बड़कागांव रोड के फतहा कुन्दरीमोड़ के पास बस धधक उठी। ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत बस रोकी और सवार सभी यात्रियों को नीचे उतारा। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता 11 साइबर अपराधी गिरफ्तार

41 मोबाईल, 36 सिम, तीन एटीएम कार्ड सहित कई सामान बरामद

PHOTON NEWS BOKARO : जिले के चास थाना क्षेत्र के चिरा चास स्थित एक मकान में छापेमारी कर पुलिस ने 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, तीन लोग भागने में सफल हो गए।

डीएसपी के मुताबिक घर में छुपकर मोबाइल फोन से साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। इन साइबर ठगों के पास से पुलिस ने एण्ड्रॉयड तथा कीपैड मोबाईल 41 पीस, एयरटेल तथा जिओ का सिम 36 पीस, लॉटरी के कूपन 04 बंडल, विभिन्न कंपनी के चार्जर 15 पीस, एटीएम कार्ड 03 पीस, रजिस्टर 02 पीस, कॉपी 17 पीस, स्पीडपोस्ट का बारकोड 01 पैकेट, मुहर 18 पीस, स्टाम्प पेड 03 पीस बरामद किया है।

मीडिया को जानकारी देते डीएसपी सदर प्रवीण। ● फोटोन न्यूज

गिरफ्तार अपराधियों में सबसे अधिक बिहार के शामिल हैं। डीएसपी सदर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि एसपी के निर्देश पर छापेमारी दल का गठन किया गया तथा चिरा चास स्थित जवाहर सिंह के मकान में तलाशी ली गई। इस दौरान जवाहर सिंह के मकान के ऊपरी तल्ले में चौदह लोग मोबाईल के माध्यम से ठगी करते पकड़े गए। तीन व्यक्ति भागने में सफल रहे। आरोपितों से पूछताछ करने पर पता चला कि सभी लोग बिहार के विभिन्न जिलों से आकर संगठित रूप से जाली दस्तावेज से मोबाईल सिम खरीदकर ठगी का काम पिछले दो वर्षों से कर रहे थे।

एक ही रात दो घरों में चोरी, दो में असफल प्रयास

PALAMU : हरिहरगंज थाना क्षेत्र के भगत तेंदुआ गांव में शुक्रवार की रात एक साथ दो घरों में चोरी की वारदात हुई, जबकि दो घर में चोरी का असफल प्रयास किया गया। भुक्तभोगियों ने 27 हजार नगद सहित एक थान गहने चोरी होने की जानकारी दी है। मामले में शनिवार को भुक्तभोगियों ने हरिहरगंज थाना में प्राथमिक दर्ज करने के लिए आवेदन दिया। जानकारी के अनुसार गांव के अनोज विश्वकर्मा के घर का ताला तोड़कर 25 हजार नगद सहित एक थान जेवरात, लक्ष्मण प्रजापति के घर से 2 हजार नगद की चोरी हुई है, जबकि मेन रोड़ स्थित सिद्धेश्वर साव के गोदाम का ताला तोड़कर अंदर घुसने का असफल प्रयास किया। वही सनोज विश्वकर्मा के घर में चोरी का सफल प्रयास किया। वही लक्ष्मण प्रजापति के घर चोरी करने गए चोरों की आवाज सुनकर परिजन जग गए और हल्ला मचाने पर चोर भाग गए।

निहार हत्याकांड में दो युवक धराए, पुलिस कर रही पूछताछ

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के सेक्टर 20 स्थित हिलटॉप मार्केट में शुक्रवार की शाम निहार रंजन उर्फ टूटू आचार्य की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी केबल सिंह और अशोक प्रसाद से पुलिस पूछताछ कर रही है। हालांकि शुरूआती जांच से यह माना जा रहा है कि हत्या व्यावसायिक कारणों से हुई है। पुलिस को अभी तक हत्या में प्रयुक्त हथियार नहीं मिला है।

सूचना के मुताबक शुक्रवार की शाम भुजाली के हमले में बरटोली इलाके के 42 वर्षीय निहार रंजन आचार्य की मौत हो गयी थी। वह पुरानी गाड़ी खरीदने-बेचने का काम करता था। हालांकि पुलिस ने हत्या करने वाले

दोनों युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। कल शाम दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर मारपीट हो गया। आनन-फानन में आरोपी केबल सिंह ने भुजाली मार कर निहार के शरीर को जगह-जगह क्षत-विक्षत कर दिया गया। निहार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत इस्पात जनरल अस्पताल लाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जोनल डीएसपी पुष्पलता निन्जी ने कहा कि जांच के बाद हत्या के कारण का पता चलेगा।

फंदे पर लटकता मिला पंचायती राज के जेई का शव, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले के रजरप्पा सीसीएल क्वार्टर में कनीय अभियंता सुधांशु कुमार का शव फंदे पर लटकता हुआ मिला। सुधांशु कुमार गोला प्रखंड में पंचायती राज विभाग में कार्यरत थे। वे रजरप्पा से ही प्रतिदिन गोला स्थित कार्यालय जाते थे। पुलिस फिलहाल इसे आत्महत्या मान रही है लेकिन जांच के बाद ही वस्तु स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

इस मामले की पुष्टि करते हुए रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार की रात से ही सुधांशु अपने परिजनों का फोन भी नहीं रिसीव कर रहे थे। शनिवार को जब काफी देर तक उन्होंने दरवाजा नहीं खोला तो आसपास के लोगों को संदेह हुआ। सुधांशु के परिजनों ने रजरप्पा पुलिस को इस बात की सूचना दी। पुलिस जब रजरप्पा प्रोजेक्ट 1 बी /2 क्वार्टर

जांच-पड़ताल करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

पहुंची तो वहां फंदे से लटकता हुआ शव मिला। 16 फरवरी को वह ड्यूटी से आने के बाद क्वार्टर में ही थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है।

सीडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि जिस क्वार्टर में कनीय अभियंता का शव बरामद हुआ है, वह क्वार्टर रजरप्पा के टाउनशिप में कार्यरत बड़कीपोना निवासी किरण महतो रजरप्पा के नाम पर आवंटित है। मृतक के परिजन समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

घटना की सूचना मिलने पर बीडीओ संजय कुमार सांडिल्य घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना पर दुःख प्रकट किया और कहा कि जेई सुधांशु पर काम का किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं था। वे क्षेत्र में एक अच्छे अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे।

घर में लगी आग, आठ लाख के जेवरात व नकद जलकर राख

DHANBAD : सदर थाना क्षेत्र के भेलाटांड निवासी राजेश कुमार के घर में शनिवार की दोपहर अचानक आग लग गई। इससे घर में शादी के लिए रखे जेवरात, नगदी, कपड़ा समेत करीब आठ लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना के संबंध में राजेश कुमार की मां बेला देवी ने बताया कि आग कैसे लगी इसका अभी पता नहीं चल सका है। उन्होंने बताया कि अचानक घर से धुआं उठने लगा। जबतक कुछ समझ पाते तबतक आग पूरे घर में फैल चुकी थी। इसके बाद घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई, लेकिन जबतक अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचती तबतक घर का सामना जलकर राख हो चुका था। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी की शादी है। इसके लिए बाजार से खरीददारी कर सात लाख रुपये का गहना और एक लाख रुपया नगदी घर की आलमारी में रखा था। इस आग में सबकुछ जलकर खाक हो गया।

मारपीट से आहत छात्र ने की खुदकुशी परिजनों का शव के साथ थाने में प्रदर्शन

PHOTON NEWS DHANBAD : मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए मारपीट से आहत 10वीं के एक छात्र ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने शनिवार को सरायढेला थाना के मुख्य द्वार पर शव के साथ प्रदर्शन कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

घटना के संबंध में बताया जा रहा कि सरायढेला थाना क्षेत्र के कूचाकुली में शुक्रवार की रात मूर्ति विसर्जन के दौरान स्थानीय 10वीं के छात्र राजकुमार महतो से किसी बात को लेकर वहीं के करीब दो दर्जन युवकों ने उसके साथ मारपीट कर दी। जिसके बाद घटना से आहत हुए छात्र ने घर पहुंच कर देर रात अपने कमरे में फंदे से झूल कर अपनी जान दे दी। घटना के संबंध में मृतक के पिता किशोर दास ने बताया कि

थाने पर प्रदर्शन करते परिजन। ● फोटोन न्यूज

पूर्व में भी उन लड़कों के द्वारा उनके बेटे से मारपीट की गई थी। शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे मूर्ति विसर्जन के दौरान उन्ही लड़को ने एक बार फिर से लाठी डंडे और रॉड से उनके पुत्र को पीटा गया। जिससे आहत होकर उनके पुत्र ने आत्महत्या कर ली।

वहीं शनिवार सुबह मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों ने पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर सीधे सरायढेला थाना पहुंचे और थाना के मुख्य गेट को घेर कर शव के साथ प्रदर्श करने लगे। परिजनों ने स्थानीय लोगों ने पुलिस से मांग कर रहे थे कि आरोपित युवकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी ही। जिसके बाद सरायढेला पुलिस से उचित कार्रवाई का का आश्वासन मिलने के बाद लोगों ने थाना से भीड़ को हटाया।

कांग्रेस ने सड़क किनारे करवाई बीजेपी व बीजेडी की अनोखी शादी

सड़क किनारे शादी करवाते कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : सड़क पर चली शादी में दूल्हा-दुल्हन मुकुट पहनकर सड़क के किनारे बैठे और मंत्रोच्चारण करते हुए ब्राह्मण ने विवाह कराई। दूल्हा-दुल्हन पक्ष पास-पास खड़े रहे। इस शादी को देखने के लिए सड़क के किनारे लोगों की भीड़ लगी रही। ऐसा नजारा शनिवार को राउरकेला के उदितनगर अंबेडकर चौक के पास देखने को मिला।

यह कोई पारंपरिक शादी नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल का विवाह समारोह था। कांग्रेस ने आरोप लगाया है ओडिशा में बीजेपी और बीजेडी के बीच अघोषित पार्टनरशिप में चल रही सरकार। ये दोनों समूह प्रेम संबंध में हैं। इसीलिए नैतिकता और सामाजिक मूल्यों के लिए राउरकेला कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी और बीजेडी की शादी करवाई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इससे सामाजिक मूल्य कायम रहेंगे।

दयाल स्टील प्लांट के लैब टेक्नीशियन की मौत पर बवाल, फैक्टरी का गेट किया जाम

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोठार स्थित दयाल स्टील प्लांट के टेक्नीशियन की मौत के बाद बवाल मचा है। मृतक के परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर दयाल स्टील के गेट को जाम कर दिया है। वे लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं। प्लांट प्रबंधन ने मृतक के परिजनों पर गलत बयानबाजी करने का आरोप लगाया है।

प्लांट के पदाधिकारी ने कहा कि छोटेलाल महतो लैब में बतौर केमिस्ट काम करता था। आठ दिन पहले उसने अपने इंचार्ज को तबीयत खराब होने की सूचना दी और घर चला गया। इसके बाद उसका कहां इलाज हुआ और उसके परिजन उसे लेकर कहां गए, प्लांट प्रबंधन को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। शनिवार की सुबह अचानक छोटेलाल महतो के शव को प्लांट के गेट पर रख दिया गया और मुआवजे की मांग की

प्लांट के गेट पर जुटे परिजन व ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

जाने लगी। इस पूरे प्रकरण की सूचना रामगढ़ थाने को दी गई है।

मृतक के परिवार के भरण पोषण के लिए हो रहा आंदोलन

मृतक छोटेलाल महतो पारडीह कैथा का रहने वाला था। उसकी पांच संतानें हैं। उसके परिवार का भरण पोषण कैसे होगा, इसी को लेकर गांव वाले आक्रोश में हैं। दयाल स्टील के गेट पर बवाल कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि 25 वर्षों तक छोटेलाल महतो लैब टेक्नीशियन के रूप में इस प्लांट में काम करता रहा। जब वह बीमार पड़ा तो इसकी सही जानकारी परिजनों को नहीं मिली। प्लांट प्रबंधन को उसे सबसे पहले अस्पताल में भर्ती करना चाहिए था लेकिन उसे सही इलाज के लिए नहीं भेजा गया।

मृतक की पत्नी कलावती देवी ने कहा कि उनकी चार बेटी और एक बेटा है। यदि प्लांट प्रबंधन उनके परिजनों के बारे में नहीं सोचेगा तो पूरा परिवार बर्बाद हो जाएगा। जिस समय उसके पति बीमार पड़े उस वक्त भी प्रबंधन की ओर से उन्हें सही सूचना नहीं दी गई।

शराब के नशे में पति ने गला दबाकर की पत्नी की हत्या

PHOTON NEWS DUMKA : शराब के नशे में पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और एक दिन तक शव को घर के अंदर ही छुपाकर रख दिया था। शनिवार को आस-पड़ोस के ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत मसानजोर थाना की पुलिस को सूचित किया। मसानजोर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। यह घटना मसानजोर के दरवारपुर गांव में हुई। घटना के बाद आरोपित पति सनथ मुर्मू फरार हो गया है।

जानकारी के अनुसार मकू मरांडी मसानजोर के नाराटोला गांव में अपने मौसी के साथ रहा करती थी। उसकी दो शादी हुई थी। पहले पति ने उसे छोड़ दिया था। उसने सनथ मुर्मू के साथ दूस री

शादी रचायी थी। दम्पति मजदूरी करते थे। हाल ही में दोनों पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान से मजदूरी कर दम्पति घर लौटे थे। महिला को चार माह का एक संतान भी है। बताया जाता है कि शुक्रवार को दिन में ही शराब के नशे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। पति ने आवेश में आकर अपनी पति की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को एक कमरे में बंद कर रख दिया था। दूसरे दिन आस-पड़ोस के लोगों को घटना की जानकारी मिली। पुलिस आरोपित पति की तलाश करने में जुट गयी है।

खूंटी में पीएम विश्वकर्मा योजना पर सेमिनार सह जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

योजना की सफलता के लिए मिलकर प्रयास करने की जरूरत : अनिकेत सचान

PHOTON NEWS KHUNTI : भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय के एमएसएमई-विकास कार्यालय कन्या मध्य विद्यालय, खूंटी के सभागार में शनिवार को पीएम विश्वकर्मा योजना पर सेमिनार सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को योजना से मिलने वाले लाभ, पात्रता एवं आवेदन की प्रकिया इत्यादि के बारे में जानकारी देना एवं जागरुक बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनिकेत सचान, अनुमंडल पदाधिकारी, खूंटी एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 17 सितम्बर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डिजिटली शुभारंभ किया गया था।

इस योजना को प्रारंभ करने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को आर्थिक सहायता एवं उन्नत उपकरण प्रदान करते हुए उनके व्यवसाय में बढ़ोतरी कराना है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने कें लिए सभी को

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मिलकर एक साथ प्रयास करने की आवश्यकता है।

उन्होंने 18 पारंपरिक विधाओं में कार्य करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों से इस योजना का लाभ लेने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंजीकरण कराने का आह्वान किया। इंद्रजीत यादव, आईईडीएस, संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूप-रेखा से अवगत कराते हुए बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक विद्याओं में कार्य करने वाले कारीगर और शिल्पकार सम्मिलित हैं। कारपेंटर, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, हथौड़ा और टूलकिट बनाने वाले, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, डलिया, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, गुड़िया और खिलौने बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, मछली का जाल बनाने वाले इसका लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को पांच से सात दिन का प्रशिक्षण और पांच सौ रुपये प्रतिदिन की दर से स्टाइपेंड देय होगा तथा प्रशिक्षण उपरान्त टूल किट के लिए 15 हजार रूपए ई-वाउचर के रूप में प्राप्त होंगे। प्रथम चरण में एक लाख रुपये द्वितीय चरण में दो लाख रूपए तक का कोलेटरल फ्री ऋण (पांच प्रतिशत ब्याज की दर से) की व्यवस्था की गई है।

प्रशिक्षण प्राप्त करने पर पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दौरान

खूंटी के कृषि विज्ञान केंद्र में बागवानी के प्रति किसानों को किया जागरूक

KHUNTI : कृषि विज्ञान केंद्र दियांकेल में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर एनएचबी के कार्यक्रम और कृषि योजनाओं को लेकर शनिवार को सैकड़ों किसानों की मौजूदगी में किसान जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बागवानी उप निदेशक सीपी गांधी, अशोक कुमार और एसएस पूर्ति ने किसानों को झारखंड राज्य में बागवानी को बढ़ावा देने और किसान समुदाय की आय दुगुनी ने विषय पर जानकारी साझा की। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ राजन चौधरी ने प्रगतिशील किसानों को कम लागत में ज्यादा अनाज उपज करने के तरीकों को

विस्तृत तरीके से बताया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण किसान जानकारी के अभाव और ज्यादा उपज की उम्मीद में रासायनिक उर्वरक का उपयोग अंधाधुंध कर रहे हैं। साथ ही किसानों को खेती में जैविक और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर जोर दिया। प्रखंड प्रमुख रोहित सुरीन ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से खेती करके प्रखंड क्षेत्र के किसान आय दोगुनी कर सकते हैं। इस मौके पर उप प्रमुख संतोष कर सहित अन्य मौजूद थे।

सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर), झारखंड के सहायक प्रबंधक सत्येंद्र कुमार ने इस योजना में रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया, पात्रता एवं मिलने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान राजीव रंजन, महाप्रबंधक,जिला उद्योग केंद्र, खूंटी, बबन कुमार सिंह, श्रम अधीक्षक, सनत कुमार दूबे, एलडीएम, खूंटी अतीन टोपनो, डीईसी, जिला उद्योग केंद्र, खूंटी ने भी विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में सीएससी की ओर से एक ह्वऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशनह्व शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें कई पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों का इस योजना के तहत पंजीकरण किया गया।

सम्राट बोले-सासाराम में दो लुटेरे घूम रहे थे

राहुल को बिठाकर तेजस्वी के गाड़ी चलाने पर सुशील मोदी ने कहा-बेरोजगार हैं तो ड्राइवर बन गए

एजेंसी

पटना । सासाराम में शुक्रवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी के कहने पर उन्होंने जीप चलाई और बगल में कांग्रेस सांसद बैठे थे। इसे लेकर बीजेपी ने तंज कसा है।प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सासाराम में कल दो लुटेरे जीप में घूम रहे थे। एक ने देश को लूटा, दूसरे ने प्रदेश को। वहीं बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने इसे लेकर तेजस्वी पर तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- बेरोजगार हो गए हैं तो ड्राइवर बन गए।पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि राहुल गांधी किसानों के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं और एमएसपी पर कानूनी गारंटी देने

का झूठा वादा कर रहे हैं। राहुल गांधी को बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी क्यों नहीं दी?उन्होंने कहा कि कानूनी गारंटी के सवाल पर यूपीए सरकार ने संसद में कहा था कि यह व्यावहारिक नहीं है और यदि ऐसा किया गया तो अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। राहुल गांधी को सत्ता में रहने के समय किसानों और उनकी उपज के समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी देने की याद क्यों नहीं आती?सुशील कुमार मोदी ने बिहार में राहुल गांधी की यात्रा को फ्लाप शो बताया और कहा कि सासाराम में पांच हजार लोग भी वंशवादी पार्टी के दो

राजकुमारों को देखने-सुनने नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस की गाड़ी राजद ही चला रहा है। राहुल की जीप चला कर तेजस्वी यादव यही जताना चाहते हैं। बेरोजगार होने पर उन्हें कांग्रेस का ड्राइवर बनाना ही बेहतर लग रहा है।वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में कल दो लुटेरे घूम रहे थे। तेजस्वी और उनके परिवार ने बिहार को लूटने का काम किया है। राहुल गांधी और उनके परिवार ने देश को लूटने का काम किया है।शुक्रवार को सासाराम में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रोड शो हुआ। जिसमें तेजस्वी ने 4 किमी तक जीप चलाई। इस दौरान राहुल उनकी बगल वाली सीट पर बैठे थे। बैक सीट पर कांग्रेस की सीनियर लीडर और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार भी बैठी थीं। जमुहार से सासाराम शहर के पहले रढ जैन कॉलेज तक करीब 4 किमी तेजस्वी यादव ने गाड़ी चलाई। शहर का भीड़भाड़ वाला इलाका आने से पहले उन्होंने ड्राइविंग छोड़ दी।कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज बिहार के सासाराम में है। इस यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव राहुल गांधी को बिठाकर जीप चलाते नजर आए। लेकिन इसकी स्क्रिप्ट राहुल गांधी ने पहले ही तैयार कर रखी थी। एक वीडियो सामने आया है जिसमें न्याय यात्रा शुरू होने से पहले तेजस्वी जैसे ही पहुंचे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने उनसे बात की।

संक्षिप्त डायरी

गाड़ी चलाना बंद करेंगे तो देश बंद हो जाएगा

भागलपुर । भागलपुर में वाहन चालकों की दो दिवसीय हड़ताल का छिटपुट असर रहा। देशव्यापी हड़ताल व ग्रामीण भारत बैंड के आह्वान पर मजदूर किसान संगठनों ने भागलपुर स्टेशन परिसर से जुलूस-प्रदर्शन निकाला। जो मुख्य बाजार खलीफाबाग चौक, घंटाघर चौक, बड़ी पोस्ट ऑफिस और कचहरी चौक के रास्ते वकालत खाना होते कलेक्ट्रेट पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हिट-एंड-रन कानून वापस लेने को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। भारत सरकार ने किसान, मजदूरों पर हमले के बाद अब परिवहन क्षेत्र को और खासकर चालकों को निशाना बनाया है। हिट-एंड-रन कानून का लागू होना चालकों की हत्या का प्रमाण है। यह निजी सार्वजनिक व्यावसायिक सभी तरह के वाहन चालकों पर समान रूप से लागू होगा। दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल के जरिए हम लोग सरकार को बताने जा रहे हैं कि हम ही देश चलाते हैं। हम गाड़ी चलाना बंद करेंगे तो देश बंद हो जाएगा।

उपाध्यक्ष आशा देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास

पटना । जिला परिषद अध्यक्ष कुमारी स्तुति के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली उपाध्यक्ष आशा देवी की ही कुर्सी चली गई। शुक्रवार को उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 23, जबकि विरोध में 21 सदस्यों ने मतदान किया। प्रस्ताव पास हो गया और उपाध्यक्ष को कुर्सी गंवानी पड़ी। विकास भवन में आयोजित विशेष बैठक में सभी 44 सदस्य पहुंचे। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह डीडीसी तनय सुल्तानिया ने सदस्यों से बैठक के संचालन के लिए पीठासीन पदाधिकारी बनाने का अनुरोध किया। लेकिन, सबसे बुजुर्ग सदस्य पर सहमति नहीं बनी। तब पालीगंज के सदस्य राम नारायण प्रसाद को पीठासीन पदाधिकारी चुना गया। दोनों पक्ष को बोलने का मौका दिया गया। इसके बाद वोटिंग हुई। पीठासीन पदाधिकारी ने 23 सदस्यों के समर्थन से प्रस्ताव पारित होने की घोषणा की।10 फरवरी को अध्यक्ष स्तुति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 19 सदस्यों ने मतदान किया था। दो सदस्यों के वोट रद्द हो गए थे। जिनके वोट रद्द हुए थे उन्हें अध्यक्ष गुट अपना मान रहा था। लेकिन, उन दोनों ने शुक्रवार को उपाध्यक्ष के पक्ष यानी अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। उधर अध्यक्ष गुट ने गुरुवार की रात गोलबंदी कर अपने सदस्यों को टूटने से बचा लिया। मामला लगभग बराबरी का था। अध्यक्ष गुट का एक भी सदस्य पाला बदलता तो प्रस्ताव पास नहीं हो पाता।उपाध्यक्ष आशा देवी के हटने के बाद अब इस पद पर चुनाव होगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त ने बैठक की रिपोर्ट पंचायती राज विभाग को भेजी है। विभाग और राज्य निर्वाचन आयोग से नई उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए तारीख तय करने का अनुरोध किया गया है।

लूटपाट की कोशिश करने वाले अपराधी गिरफ्तार

समस्तीपुर। मुसरीघरारी पुलिस ने गुरुवार रात पिकअप से इलेट्रॉनिक सामान लूटने के मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान फतेहपुर गांव के रूपेश कुमार, विकास कुमार, नवनीत कुमार, राहुल कुमार, अभिनव कुमार व मिथिलेश कुमार के रूप में की गई है। गिरफ्तार बदमाशों की मेडिकल जांच देर शाम सदर अस्पताल में कराने के बाद जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।गुरुवार रात करीब एक बजे फतेहपुर गांव के पास एक पिकअप सामान अनलोड करने के लिए पटना से समस्तीपुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान उक्त बदमाशों ने पिकअप पर लोड सामान लूटने का प्रयास किया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। बताया गया है कि बदमाश कार से पिकअप का पीछा कर रहे थे। पुलिस ने उक्त कार को भी बरामद कर लिया है।घटना को लेकर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है।मुसरीघरारी थानाध्यक्ष फैजुल अंसारी ने बताया कि पुलिस ने 24 घंटे के अंदर बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। सभी बदमाश एक ही गांव के हैं। सभी ने लूटपाट करने के लिए नया गिरोह बनाया था। सभी को स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

गोलीबारी में घायल से मिलने पहुंचे मांझी:

एजेंसी

गया । गया जिले के इमामगंज विधानसभा के विधायक सह हम सेक्युलर के संरक्षक सह बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी आज मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल पहुंचे और पीड़ितों से मिलकर संत्वना दी।गुरुवार की रात डुमरिया प्रखंड के सिंघौता गांव में गोलीबारी की घटना में गंभीर अवस्था में घायल सुरेंद्र प्रसाद की पत्नी कूलन देवी की गोली लगने से मौत हो गई थी। इसको लेकर सत्येंद्र प्रसाद और उनके बेटे से मिलने मांझी पहुंचे। उन्होंने जल्द दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मदद का आश्वासन भी दिया।इमामगंज विधानसभा के डुमरिया के सिघौंता गांव में गुरुवार को दस की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें सतेन्द्र प्रसाद और उनकी पत्नी कूलन देवी को गोली लगी थी। जिसमें कूलन देवी की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि इस घटना में सत्येंद्र प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे।जीतन राम मांझी ने कहा कि घटना दुःखद है। हमारे इमामगंज विधानसभा के डुमरिया के सिघौंता गांव में अपराधियों ने गोलीबारी की है। अपराधियों की गोलीबारी से गांव के दंपती को गोली लगी जिसमें कूलन देवी की मौत हो गई। जबकि सतेन्द्र प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। पूर्व सीएम ने कहा गांव के दबंगों ने जमीन विवाद में सुरेंद्र प्रसाद को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। उनके परिवार को भी निशाना बनाया। मामले को लेकर डीएम एसएसपी से दोषियों पर ठोस कार्रवाई करने की मांग की। प्रशासनिक स्तर पर जो भी मदद होगी वह की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

निजी आईटीआई में पढ़ाई की होगी जांच

एजेंसी

पटना । राज्य में निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) का भौतिक सत्यापन होगा और वहां नियमित पढ़ाई के लिए मुख्यालय स्तर से टीम बनाकर जांच कराई जाएगी। यह निर्देश उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को श्रम संसाधन विभाग की समीक्षात्मक बैठक में दिया।डिप्टी सीएम ने कहा कि स्वच्छ छवि वाले श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को प्रखंडों में रिक्त पदों पर अतिरिक्त प्रभार दिया जाए। उनको श्रम

अधीक्षक का भी प्रभार दिया जाए। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर भी अच्छे पदाधिकारियों की पोस्टिंग करने और प्रतिनियुक्ति रद्द करने की बात कही, जिससे युवाओं को रोजगार से जोड़ने, श्रमिकों एवं कामगारों को उचित मजदूरी और विभागीय योजनाओं का लाभ तेजी से दिया जा सके। विजय सिन्हा ने सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में टूल्स की खरीद की जांच कराने और सुविधाओं मुहैया कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं और श्रमिकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिले, यही लक्ष्य है। बैठक में प्रधान सचिव डॉ. बी. राजेन्दर ने कहा कि सभी स्तरों पर युवाओं और श्रमिकों के लिए कार्य किया जा रहा है। सभी आईटीआईमें अनुदेशकों और विभाग के अन्य रिक्त पदों पर बहाली की प्रक्रिया जारी है, जिसे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

कार से प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

एजेंसी

पूर्णिया। पूर्णिया में कार से भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की खेप बरामद की गई है। पुलिस ने इस खेप के साथ कटिहार के एक तस्कर को भी पकड़ा है। तस्कर प्रतिबंधित कफ सिरप की इस खेप को सहरसा से पूर्णिया लेकर आ रहे थे। पुलिस ने कार से 14 कार्टन में 1620 बोतल कफ सिरप बरामद किया है। पकड़े गए तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तार तस्कर की पहचान कटिहार जिले के हरिगंज के रहने वाले डोमन साह के बेटे प्रदीप कुमार साह (35) के रूप में हुई है।के नगर थाना अध्यक्ष नवदीप गुप्ता ने कहा कि पुलिस को

गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बाहर से प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी कर पूर्णिया ला रहे हैं। इसी के बाद एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर के. नगर थाना क्षेत्र के पूर्णिया-सहरसा ठल-107 बनभाग चौक से लगे मुस्कान होटल के समीप सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाकर वाहन जांच की गई। जांच के क्रम में गश्ती दल ने कार चालक को रुकने का इशारा किया। जिसके बाद कार चला रहे तस्कर ने कार साइड में लगाकर भागने की कोशिश की। हालांकि भागने के क्रम में पुलिस ने इस तस्कर को पकड़ लिया।तलाशी के क्रम में सहरसा से पूर्णिया आ रही सफेद रंग की कार से कोरेक्स कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। पुलिस ने कार से 14 कार्टन में 1620 बोतल (100``) कफ सिरप बरामद किया है। साथ ही कार को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार कार चालक से पूछताछ की जा रही है।

20 फरवरी को विधानसभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन

एजेंसी

नालंदा । वित्त अनुदानित संबद्ध डिग्री महाविद्यालय की पूर्ववत मान्यता बहाल रखते हुए बकाया अनुदान का एकमुश्त भुगतान व अनुदान प्रक्रिया में बदलाव कर नियमित वेतनमान दिए जाने सहित 4 सूत्री मांगों को लेकर राज्य के 222 अनुदानित संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के लगभग 25 हजार शिक्षाकर्मी 20 फरवरी को विधान सभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के प्रधान संयोजक डॉ. शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा, राज्य संयोजक प्रो. राजीव रंजन, राज्य मीडिया प्रभारी प्रो. अरुण गौतम, पाटलिपुत्र

विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. रामनरेश प्रसाद राज्य समिति के सदस्य प्रो. श्रवण कुमार, डॉ. पितृ कुमार, डॉ. मनीन्द्र कुमार, प्रो. सत्येन्द्र कुमार ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि बिहार राज्य शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी समन्वय समिति, पटना के आह्वान पर संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मी सामूहिक अवकाश पर रहते हुए धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे।समन्वय समिति की चार सूत्री मांगों में महासचिव, एआईफुक्टो आदि के वेतन पर रोक संबंधी उच्च शिक्षा निदेशक की ओर से हस्ताक्षरित आदेशों को निरस्त करने, वित्त अनुदानित संबद्ध डिग्री महाविद्यालय, इण्टर कालेज और माध्यमिक विद्यालय को पूर्ववत मान्यता बहाल रखते हुए बकाए अनुदान का एकमुश्त भुगतान, अनुदान प्रक्रिया में बदलाव कर नियमित वेतनमान मिले, वेतन निर्धारण कोषांग की ओर से वेतन पर्ची निर्गत नहीं होने पर शिक्षकों, कर्मचारियों के वेतन में 25 प्रतिशत कटौती के आदेश को अविलंब वापस लेने और पूर्व की कटौती की राशि वापस करने का आदेश विश्वविद्यालयों को देने, विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों में यूजीसी की ओर से घोषित चाईल्ड केयर लीव, एमफिल और पीएचडी, इन्क्रीमेंट की सुविधा लागू करते हुए वर्षों से लंबित तमाम बकाए और प्रोन्नति को शीघ्र पूरा करने और समय से वेतन व पेंशन के भुगतान की दिशा में कारगर कदम उठाए जाने की मांग शामिल है।

चालक के शरीर के आर-पार हुआ रॉड निकाला

पटना । पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल इलाके में सर्विस लेन पर गुरुवार की रात एक कार थार ने साइकिल सवार कामाख्या प्रसाद को रौंद दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद थार डिवाइडर को तोड़ते हुए फुटपाथ पर चढ़ गई। इस दौरान डिवाइडर के लोहे का रॉड थार के अगले शीशे से अंदर चली गया और चालक हर्ष उर्फ गोलू के कंधे से होकर आरपार हो गया।पुलिस ने थार की तलाशी ली तो उसमें दो बोतल पूरी और एक आधी बोतल शराब मिली। पाटलिपुत्र थानेदार राजकिशोर कुमार ने बताया कि आधी बोतल शराब मिलने का मतलब है कि चालक समेत अन्य दो-तीन लोगों ने शराब पी रखी थी। ये लोग दानापुर से निकले और कहां जा रहे थे, इस बाबत हर्ष से पूरी

जानकारी नहीं ली जा सकी है। वह अभी कुछ बोलने की हालत में नहीं है। हर्ष जमीन का कारोबारी है। मखदुमपुर के रहने वाले कामाख्या प्रसाद के बेटे अमरजीत के बयान पर इन लोगों के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाकर मार देने का केस दर्ज किया गया है। साथ ही गाड़ी में शराब बरामद होने पर उत्पाद अधिनियम की धाराओं में भी केस दर्ज किया गया है। थार हर्ष की है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन करने में जुटी है।

अपराधियों का नया तरीका, गाड़ी का तोड़ रहें शीशा

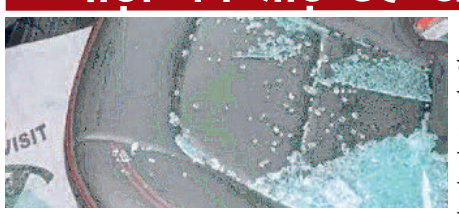

एजेंसी

पटना। पटना में चोरों ने प्रॉपर्टी डीलर राहुल कुमार की कार का शीशा तोड़कर बैग उड़ा लिया। उस बैग में राहुल का 10 करोड़ का रजिस्ट्री और एग्रिमेंट का पेपर रखा हुआ था। घटना गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के अनीसाबाद मोड़ के पास आईसीआईसीआई बैंक के सामने हुई। राहुल जानीपुर थाना के हुलासचक का रहने वाले हैं।राहुल इस घटना के तुरत बाद गर्दनीबाग थाना पहुंचा और मामला दर्ज कराया। गर्दनीबाग के थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस बदमाशों का सुराग लगाने के लिए घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। ताकि कुछ सुराग मिल सके।कब और कैसे हुई घटना राहुल ने बताया कि जरूरी काम से कार को बैंक के पास पार्क कर चला गया। सीट पर बैग रखा हुआ था। उसमें किसान से जमीन का कराया गया एग्रिमेंट पेपर, ग्राहक को बेची गई जमीन का रजिस्ट्री पेपर के अलावा कई बैंक के चेकबुक और अन्य अहम कागजात थे। काम खत्म करके जब गाड़ी के पास पहुंचा तो देखा कि कार का शीशा टूटा है और सीट पर रखा बैग गायब है। पटना में पिछले 3 दिनों में यह तीसरी घटना है।

गेम में 8 लाख हारा उधार देने वाले दोस्त का मर्डर

एजेंसी

लखीसराय। लखीसराय में ऑनलाइन गेम की लत में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त की जान ले ली। दोनों के बीच 8 लाख रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। घटना 13 फरवरी की देर रात की है। आज इस मामले में पूरा खुलासा हुआ है।पुलिस के अनुसार हत्याकांड के मुख्य आरोपी समेत 3 लोग पकड़े गए हैं। सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। लखीसराय एसपी पंकज कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि जिसकी हत्या हुई, उसे दूसरी जगह ले जाकर पहले शराब पिलाई गई थी। फिर हत्यारे उसके घर चले गए। नशे में आ जाने के बाद गमछे से गला दबाया। लेकिन, गमछे से काम नहीं बना तो मोबाइल चार्जर के तार से गला दबा दिया।हत्यारे इतने ही पर नहीं रुके, उसे पंखे से लटका भी

दिया। ताकि मामले को आत्महत्या बताया जा सके। यह सब उसके अपने ही घर में हुआ। मृतक के पिता झारखंड पुलिस में दरोगा हैं। 14 फरवरी की सुबह युवक का अपने घर में पंखे से लटका शव मिला था, इसके बाद इलाके में हंगामा हो गया था।एसपी के अनुसार घटना सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के कटेहर गांव की है। बीते 13 फरवरी की रात प्रेमनाथ उर्फ मुन्ना (25) की हत्या उसके ही दोस्तों ने गला दबाकर कर दी थी। फिर शव को पंखे से लटका दिया। 14 फरवरी की सुबह मामले की जानकारी मिली थी। पुलिस ने इस मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करते हुए घटना में शामिल मृतक के तीन दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में इस्तेमाल वायर और

शराब की बोतलें भी बरामद कर ली हैं।एसपी पंकज कुमार ने बताया कि इस हत्याकांड की जांच के लिए एडिशनल एसपी राकेश कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने जब मामले की तफ्तीश शुरू की तो मृतक प्रेमनाथ उर्फ मुन्ना के दोस्तों पर ही शक की सूई गई। फिर पुलिस ने तीन दोस्तों शशांक कुमार, सागर पटेल एवं सोहित राज को हिरासत में ले लिया। कड़ी पूछताछ की तो तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। सभी की उम्र 25 साल के आसपास की है।एसपी ने बताया कि शशांक कुमार ऑनलाइन गेमिंग में करीब 10 लाख रुपए हार गया था। इसमें उसने अपने दोस्त प्रेमनाथ उर्फ मुन्ना से लगभग 8 लाख रुपए कर्ज के तौर पर लिए थे। सभी रुपए वह हार गया था।इधर, प्रेमनाथ लगातार अपने रुपए मांग रहा था।प्रेमनाथ ने अपने बाकी साथियों को भी शशांक को रुपए देने से मना कर दिया था। इसी बात से शशांक गुस्से में था।उसने अपने दो दोस्तों सागर पटेल और सोहित राज के साथ मिलकर प्रेमनाथ उर्फ मुन्ना की हत्या की साजिश रच डाली। 13 फरवरी की रात प्रेमनाथ के ही घर के पड़ोस में पार्टी का आयोजन किया गया। सभी दोस्तों ने शराब पी। प्रेमनाथ को ज्यादा शराब पिलाई गई।उस दिन प्रेमनाथ के घर के बगल में एक श्राद्ध कार्यक्रम था। घर के सभी लोग वहीं गए थे। इधर, सभी दोस्त वापस प्रेम के घर आए। उसे उसके कमरे में ले गए। वहीं पहले गमछे से गला दबाने की कोशिश की। प्रेम बहुत नशे में था, इसलिए विरोध नहीं कर सका।दोस्तों को जब लगा कि गमछे से गला घोंटने पर भी उसकी जान नहीं निकली, तो उन्होंने मोबाइल चार्जर के केबल से उसका गला घोंट दिया।

बंधन से मुक्ति

उच्च मूल्य के बेनामी दान चुनावी लोकतंत्र और शासन को कमजोर करते हैं क्योंकि वे दानदाताओं और लाभार्थियों के बीच प्रतिदान की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। चुनावी बांड योजना (ईबीएस) को रद्द करके सुप्रीम कोर्ट ने इस बीमारी को चिन्हित किया है और लोकतंत्र व राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता को मजबूती प्रदान किया है। ईबीएस के तहत कोई भी चुनावी बांड खरीद सकता था और उसे भुनाने के लिए राजनीतिक दलों को दान कर सकता था। अदालत ने पाया कि यह पूरी योजना संविधान, खासतौर पर मतदाताओं के सूचना के अधिकार, का उल्लंघन करती है। उसने कंपनी अधिनियम में उस संशोधन को भी स्पष्ट रूप से मनमाना पाया गया, जिसके तहत कंपनियों द्वारा अपने लाभ और हानि वाले खातों में चंदा पाने वाले राजनीतिक दलों का खुलासा किए बिना उन्हें अपने मुनाफे के 7.5 फीसदी की सीमा से परे जाकर चंदा देने का प्रावधान किया गया है। उसने 2019 से दिए गए दान के विवरण का खुलासा करना भी अनिवार्य कर दिया है। यह फैसला मतदाताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और चुनावों की शुद्धता को बनाए रखने के लिए अदालत द्वारा दिए गए फैसलों की लंबी श्रृंखला में एक कड़ी है। इसके पहले के हस्तक्षेपों की वजह से मतपत्र पर उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प को शामिल किया गया, जनप्रतिनिधियों को आपराधिक अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने पर तत्काल अयोग्य घोषित होने से मिली सुरक्षा को हटा दिया गया, उम्मीदवारों के लिए अपने चुनावी हलफनामे में संपत्ति एवं आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा अनिवार्य किया गया और आपराधिक अपराधों में शामिल सांसदों व विधायकों के लिए त्वरित सुनवाई सुनिश्चित हुई। अदालत का तर्क निरपवाद है। उसने पाया कि ईबीएस का प्राथमिक औचित्य - बैंकिंग चैनलों के जरिए दान की इजाजत देकर राजनीतिक या चुनावी फंडिंग में ह्यकाले धनह्न के इस्तेमाल पर अंकुश लगाना - आनुपातिकता की कसौटी पर खरा उतरने में विफल रहा, क्योंकि यह मतदाताओं के जानने के अधिकार को सीमित करने का कम से कम प्रतिबंधात्मक उपाय तो नहीं था। अदालत ने तार्किक तरीके से अज्ञात कॉरपोरेट दान और दानकताओं के हितों के अनुरूप नीतिगत निर्णयों की संभावना के बीच के संबंध को रेखांकित किया है। यह फैसला वर्षों पहले निर्धारित किए गए उस सिद्धांत का स्वाभाविक अनुसरण है कि अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मतदाताओं की अभिव्यक्ति की आजादी उम्मीदवार की पृष्ठभूमि की जानकारी के बिना अधूरी होगी। इस सिद्धांत को अब आगे बढ़ाकर उन कॉरपोरेट दानदाताओं पर से पर्दा हटाने तक ले जाया गया है जो एहसान के बदले में सत्ताधारी पार्टियों को फंडिंग कर रहे हैं। इस फैसले से भले ही धनबल के जरिए शासन पर दानदाताओं की पकड़ को कम करने में मदद मिल सकती है, लेकिन एक सवाल यह उठता है कि क्या इस योजना की वैधता पहले तय की नहीं जा सकती थी या नियमित आधार पर इस बांड को जारी करने पर रोक नहीं लगाई जा सकती थी।

दबंग हाथों में नेतृत्व

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुनाव में, शुरूआती रुझानों में रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबिआंतो के पक्ष में 57 फीसदी से ज्यादा वोट के संकेत के बाद वह विजेता के रूप में उभरते दिख रहे हैं। वह एक ऐसे जनरल रहे हैं जो पूर्वी तिमोर, आचेह, और पश्चिम पापुआ में सेना की हिंसक कार्रवाइयों से जुड़े हुए थे। उनकी संभावित जीत निरंतरता के लिए वोट का इशारा करती है, क्योंकि उन्हें उनके पूर्ववर्ती, लोकप्रिय जोको विडोडो ने मशाल थमायी थी। इससे यह लगता है कि अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक टकराव में गुट-निरपेक्ष बने रहने और एक नया राजधानी शहर, नुसंतारा, बनाने की योजना से जुड़ी विडोडो की नीतियां पहले की तरह आगे बढ़ायी जायेंगी। हालांकि अगले कुछ हफ्तों तक पूरे नतीजों की उम्मीद नहीं है, लेकिन त्वरित मतगणनाओं या सरकार-अनुमोदित मतदान नमूनों से ऐसा लगता है कि वह खासकर युवा मतदाताओं का समर्थन हासिल करने में सफल रहे। हो सकता है कि युवा मतदाता सोशल मीडिया में उनकी छवि में किये गये पूर्ण बदलाव से प्रभावित हुए हों। टिकटॉक वगैरह पर वह अल्पज्ञात अतीत और संदिग्ध मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले 72-वर्षीय दबंग नेता से ज्यादा एक दोस्ताना दादाजी की तरह नजर आये। एक तरह से, उनका राजनीतिक कैरियर वापस अपनी जगह पर आ गया है, क्योंकि उनकी संभावित जीत विडोडो के साथ प्रतिद्वंद्विता की कड़वी यादों को मिटा देगी, जिनसे वह 2014 और 2019 में राष्ट्रपति पद की दौड़ में पिछड़ गये थे। वर्ष 2019 के बाद दोनों के सुलहकारी कदमों ने सुबिआंतो के लिए राजनीतिक उद्धार व नवीनीकरण का मार्ग प्रशस्त किया, और वह विडोडो के प्रतिद्वंद्वी से उनके भरोसेमंद सहायक और रक्षा मंत्री में बदल गये। इस सदी के शुरू होने के समय, गरीबों की जिंदगी पर असर डालने वाली विकासात्मक उन्नति की अपार संभावना के साथ एशिया की ग्रेट टाइगर अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में इंडोनेशिया ने उम्मीदें बनाये रखीं। लेकिन सुहार्तो के तानाशाही युग के अवशेषों के साथ, लोकलुभावन राजनीतिक नेतृत्व के लगातार बने रहने से वे लोग आजिज आ गये हैं जिन्हें लोकतंत्र की जड़ें गहरी होने की उम्मीद थी। उदाहरण के लिए, सुबिआंतो पहले से ही लोकलुभावन नीतियों, जैसे इस्लामी अतिवादियों के प्रति समर्थन और चीनी व ईसाई जैसे जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यकों को नीचा दिखाने, के लिए जाने जाते हैं।

हिंसक किसान आंदोलन के निहितार्थ

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

सरकारें किसानों के बहुत सारे लोन समय-समय पर माफ करती भी रहती हैं। पर सारे लोन माफ करना नामुमकिन ही है। क्या पैसा पेड़ों में लगा है जिसे सरकार तोड़ कर किसानों को दे देगी? किसानों को देश अन्नदाता मानता है, पर उन्हें भी ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए कि क्या उनकी मांगें सही हैं। जब चुकाने का इरादा ही नहीं था तो लोन लिया क्यों था ? बेईमानी करने के लिए? इसके साथ ही किसान संगठन बार बार न्यूनतन समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन करते हैं। वे इस बार भी एमएसपी के लिए कानून बनाने समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली आकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। इनका कहना है कि स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुसार, एमएसपी लागू हो। अफसोस होता कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों की इस मांग का समर्थन करते हैं। स्वामीनाथन कमीशन ने 2006 में अपनी रिपोर्ट दी थी। तब डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केन्द्र में यूपीए सरकार थी।

मरने -मारने के अंदाज में किसान एक बार फिर सड़कों पर उतर आए हैं। चुनाव माहौल गरम होते ही वे दिल्ली को घेरने के इरादे पर डट जाते हैं। पंजाब से दिल्ली आ रहे किसान हरियाणा में पुलिस से जगह-जगह पर बिना किसी बात के भिड़ रहे हैं। किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च हिंसक हो रहा है और अराजकता पैदा कर रहा है। यह सारा देश दिन भर टेलीविजन पर देख रहा है। सरकार से बातचीत करके कोई हल निकालने को किसान नेता मानने को तैयार तक नहीं हैं। वे तो चाहते हैं कि उनकी हरेक मांग को सरकार मान जाए। याद रखें कि किसानों की कुछ मांगों को मानना लगभग असंभव सा है। किसान नेता कह रहे हैं कि उनके 24 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ हो जाएं । सरकारें किसानों के बहुत सारे लोन समय-समय पर माफ करती भी रहती हैं। पर सारे लोन माफ करना नामुमकिन ही है। क्या पैसा पेड़ों में लगा है जिसे सरकार तोड़ कर किसानों को दे देगी? किसानों को देश अन्नदाता मानता है, पर उन्हें भी ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए कि क्या उनकी मांगें सही हैं। जब चुकाने का इरादा ही नहीं था तो लोन लिया क्यों था ? बेईमानी करने के लिए? इसके साथ ही किसान संगठन बार बार न्यूनतन समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन करते हैं। वे इस बार भी एमएसपी के लिए कानून बनाने समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली आकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। इनका कहना है कि स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुसार, एमएसपी लागू हो। अफसोस होता कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों की इस मांग का समर्थन करते हैं। स्वामीनाथन कमीशन ने 2006 में अपनी रिपोर्ट दी थी। तब डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केन्द्र में यूपीए सरकार थी। यूपीए सरकार 2014 तक रही। सबको पता है कि उसके सर्वेसर्वा राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी ही थे। उन्होंने तब यूपीए सरकार पर दबाव डालकर स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों को क्यों नहीं लागू किया। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाएगा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे राहुल गांधी ने कहा है, देश में किसानों को जो मिलना चाहिए, वो उन्हें नहीं मिल रहा है। लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज किया जाता है कि केंद्र सरकार देश के किसान परिवारों एवं खेती की दशा-दिशा सुधारने के लिए हर साल तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करती है। इसमें उर्वरकों पर सब्सिडी के अतिरिक्त कृषि मंत्रालय की कई ऐसी योजनाएं हैं, जिनके जरिए किसानों के खाते में सीधे पैसे भेजे जाते हैं। जानकारों के अनुसार, केन्द्र सरकार केवल समग्र कृषि योजनाओं के माध्यम से दी जाने वाली सहायता राशि का अगर औसत आकलन किया जाए तो प्रत्येक किसान पर कृषि एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत हर साल लगभग 22 हजार रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। अब आंदोलनकारी किसान यह भी कह रहे हैं कि पराली जलाने पर उन पर कोई दंड ना हो। यानी कि प्रतिदिन इनकी नई-नई मांगें सामने आ रही हैं क पराली जलाने के कारण कितना वायु प्रदूषण फैलता है और उससे कितने लोग प्रभावित होते हैं, इससे किसान लगभग बेपरवाह हैं। पिछले साल नवंबर के महीने में इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट ने बहुत साफ कहा था कि पंजाब में धान की खेती जारी रखने से लंबे समय में विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। अदालत ने कहा था कि खेतों में आग रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। बेंच ने कहा था, 'जो लोग अदालत की सभी टिप्पणियों के बावजूद कानून का उल्लंघन करना जारी रखते हैं, उन्हें आर्थिक रूप से लाभ उठाने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? जिन लोगों की पहचान आग लगाने वाले के रूप में की गई है, उन्हें एमएसपी के तहत अपने उत्पाद बेचने की अनुमति भी नहीं दी जानी चाहिए।।' यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि कौन नहीं चाहता कि हवा की क्वालिटी बेहतर हो। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने दिखा दिया है कि कैसे पराली जलाने वालों पर लगाम लगाई जा सकती है। वहां योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर अभियान चला कर पराली जलाने पर रोक लगा दी। इसके लिए जागरुकता अभियान चलाया गया। सर्दियों में पराली जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण को लेकर योगी सरकार सजग रही। पर पंजाब के किसान अड़े हुए हैं कि वे तो पराली जलाएंगे ही। यानी वे सिर्फ अपने बारे में ही सोच रहे हैं। उन्हें पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार और खालिस्तानी तत्वों का खुलकर नैतिक और आर्थिक समर्थन मिल रहा है। खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू किसानों के विरोध प्रदर्शन में खालिस्तानी तत्वों से घुसपैठ करने का खुलेआम आग्रह किया है। सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल हो रहे अपने नए वीडियो में पन्नू ने किसानों की रैली में खालिस्तानी झंडे लहराने को कहा है। पन्नू ने कहा कि पंजाब के किसानों को दिल्ली से मांगा आज तक कुछ नहीं मिला। जमीनें आपकी, फसलें आपकी और सरकार हिंदुओं की दिल्ली से चल रही है। दिल्ली पर हमें कब्जा करना पड़ेगा। अब आप जान लें कि किसानों को कहां से खाद-पानी मिल रहा है। किसान आन्दोलन को खाद-पानी कहां से मिल रहा है ? आंदोलनकारी किसान 60 साल से अधिक उम्र के हरेक किसान को दस हजार रुपये मासिक पेंशन देने की भी मांग कर रहे हैं। इनकी यह मांग तब हो रही है जब केन्द्र सरकार के कर्मियों की भी पेंशन बीस साल पहले 2004 में बंद हो चुकी है। हालांकि सरकार किसानों को एक सम्मानजनक राशि पेंशन के रूप में फिर भी देती है। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना सितंबर 2019 में झारखंड की राजधानी रांची से शुरू की गई थी। इस योजना में किसानों को 60 साल की उम्र के बाद तीन हजार रुपये की पेंशन मिलती। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में किसान जितनी रकम का योगदान करते हैं, केंद्र सरकार भी उतनी ही रकम देती। दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले किसान इस स्कीम से जुड़ सकते हैं। पर दिल्ली की तरफ बढ़ रहे किसान सब किसानों को 60 साल की उम्र के बाद 10 हजार रुपये प्रति माह पेंशन देने की मांग कर रहे हैं। इस मांग को करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि क्या 10 हजार रुपये उन किसानों को भी मिलें जो लैंड क्रूजर और बाकी महंगी कारों में घूमते हैं। किसान की मृत्यु होने की स्थिति में उसकी पत्नी को 1,500 रुपये की मासिक पेंशन मिलती ही है । मैं देश के कई पत्रकारों को जानता हूं, जिन्हें मासिक 1200 रुपये पेंशन मिलती है। इनमें संपादक लेवल के पत्रकार भी शामिल हैं। मुझे कुछ दिन पहले भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के एक रिटायर जनरल मैनेजर बता रहे थे कि उन्हें 2600 रुपया पेंशन मिलती है। वे दिल्ली आईआईटी के एम-टेक हैं। कायदे से तो उन्हें भी किसानों की तरह से सड़कों पर उतर जाना चाहिए। पर सिर्फ लड़ने से बात नहीं बनती। समझदार इंसान जानता है कि सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं। इस बात को किसानों को समझना होगा। उन्हें यह भी समझना होगा कि वे बंदूक के दम पर सरकार पर दबाव नहीं डाल सकते। उस हालात में सरकार को झुकना मुश्किल ही नहीं असंभव होगा।

लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

सोनिया ने क्यों दिया रायबरेली को भावनात्मक संदेश ?

मैं अपने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कदम नहीं रखूंगी। यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो उन्होंने अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद व्यक्त की थी। यह एक मां और औरत की पीड़ा थी, क्योंकि राजीव को खोने के बाद सोनिया अकेली पड़ गई थीं। वह डरी और सहमी थीं, क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फिक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा की थी। इसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। वह राजनीति की वजह से पति और सास को खो चुकी थीं। इसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी। सोनिया के दृढ संकल्प ने उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंततः राजनीति में आना पड़ा। लंबे कालखंड के बाद सोनिया गांधी ने अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्मक चिट्ठी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद अब देखना यह होगा कि रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भाजपा का कब्जा हो जाएगा। सोनिया गांधी के इस फैसले पर भाजपा ने तंज कसा है। कांग्रेस ने इसे सोनिया गांधी का निजी फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के फैलाव से कांग्रेस का जनाधार सिकुड़ता जा रहा है है। सच यह है कि कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी को काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाईं। ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलग होना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा, यह कहना मुश्किल है। बावजूद इसके कांग्रेस खुद को गांधी परिवार की छत्रछाया से खुद को अलग नहीं कर पा रही। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। कमजोर होती कांग्रेस अपनी बहुचर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा चुकी है। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगी। सवाल उठता है क्या रायबरेली कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे। गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली मानी जाती रही है। मगर अब ऐसा लगता है कि गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह फिसल जाएगी। इसी के साथ गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। हालांकि अब शिगूफा छोड़ा जा रहा है कि प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनाव लड़ाया जाएगा। संभव है कि प्रियंका गांधी को अमेठी और राहुल को रायबरेली से मैदान में उतारा जाए। ऐसे में सवाल यह है कि राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़ देंगे। यह पक्का है कि अगर राहुल ऐसा करते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और कांग्रेस वहां कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे। सोनिया ने रायबरेली के लोगों के नाम लिखी चिट्ठी में अपने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि हालांकि मुझे आपकी सीधे सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मैं मन और प्राण से आपके साथ रहूंगी। रायबरेली की जनता के नाम सोनिया ने बहुत ही भावनात्मक लाइन लिखी है, ह्तुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं। उन्होंने लिखा है कि दिल्ली में मेरा परिवार अधूरा है वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। चिट्ठी में ससुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया है। सोनिया गांधी की इस भावनात्मक अपील का जनता कितना सम्मान करती है फिलहाल यह वक्त बताएगा। रायबरेली से मुंह मोड़ना गांधी परिवार की सबसे बड़ी भूल होगी। मगर इस चिट्ठी से ऐसा लगता है कि वे रायबरेली से चुनाव स्वयं भले न लड़ें, लेकिन गांधी परिवार से कोई न कोई इस विरासत को जरूर संभालेगा। रायबरेली से कांग्रेस हमेशा चुनाव जीतती आई है। 2004 से लेकर अब तक सोनिया गांधी ने रायबरेली का लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया है। इसके अलावा उनकी सास और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, शीला कौल, आरपी सिंह और सतीश शर्मा यहीं से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। सोनिया का राजनीति में आगमन मुश्किल दौर में हुआ। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में 1996 में कांग्रेस चुनाव हार गई। उस समय कांग्रेस को गांधी परिवार की जरूरत महसूस हुई। वरिष्ठ नेताओं के आग्रह पर आखिरकार न चाहते हुए भी पार्टी की कमान संभालने को राजी हो गईं। सोनिया ने 1997 में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की और 1998 में अध्यक्ष चुनी गई। 1999 उन्होंने बेल्लारी व अमेठी से चुनाव लड़ा और रिकार्ड मतों से विजयी हुईं।

Social Media Corner

सच के हक में...

पीएम विश्वकर्मा योजना से देशभर में लाखों लाभार्थी जुड़ रहे हैं। हरियाणा के हमारे विश्वकर्मा साथियों को भी इसका बहुत लाभ हुआ है। बीते 10 वर्षों में हरियाणा में कनेक्टिविटी से लेकर जनसुविधाओं तक का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

शोषितों और वंचितों के उत्थान के प्रति हमेशा सजग रहने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ₹भारत रत्न₹ जननायक कपूर्री ठाकुर जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

(सीएम चंपाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

साहब तक राशि देनी होगी,तभी आवास मिल सकेगा... अबुआ आवास देने के नाम पर बड़े पैमाने पर वसूली का मामला सदर प्रखंड से सामने आया है, जहां बिचौलियों के माध्यम से क्षेत्र से लगभग 5 लाख से अधिक राशि की उगाही हो चुकी है। 3 जनवरी को सदर प्रखंड की 11 पंचायत में 572 अबुआ आवास के लाभुकों की सूची जारी की गई थी, लेकिन साहब तक राशि न पहुंचने वालों का नाम, सदर बीडीओ द्वारा 6 फरवरी को सूची में संशोधन करके हटा दिया गया तथा नई सूची जारी कर दी गई। योजनाएं जनता के नाम पर लाई तो जाती हैं पर उसका पैसा सरकार द्वारा बैठाए गए बिचौलियों द्वारा ही गबन कर लिया जाता है और गरीब आदिवासी और बेबस जनता को बस ठगबंधन सरकार द्वारा ठगा जाता है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चुनावी बिसात पर विपक्षी गठबंधन का बिखराव

अगर नैतिकता के प्रति आग्रही न बनें, तो अपनी सरकार को चुनौती के इरादे के साथ बने 28 विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के अंतर्विरोधों के बीच ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की जैसी बिसात बिछायी है, वह राजनीतिक प्रबंधन की मिसाल है। अपनी सरकार की हैट्रिक में उन्हें जिन-जिन राज्यों में, जिन-जिन क्षत्रपों से मुश्किलें पेश आ सकती थीं, वहां ऐसी पेशबंदी की है कि चुनाव से पहले ही पासा पलटता दिख रहा है। बदलते परिदृश्य में, सात महीने पहले जोर-शोर के साथ बना इंडिया बिखराव के कगार पर है। सूत्रधार कहे गये नीतीश कुमार फिर एनडीए में लौट गये हैं, तो जयंत चौधरी के भी पाला बदल में औपचारिक घोषणा ही शेष है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है, तो आप ने भी पंजाब से दिल्ली तक कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया है। अस्सी सीटों वाला उत्तर प्रदेश, 40 सीटों वाला बिहार, 48 सीटों वाला महाराष्ट्र और 28 सीटों वाला कर्नाटक भाजपा के प्रमुख शक्ति स्रोतों में रहे हैं। इंडिया बनने के बाद चुनावी गणित गड़बड़ाता भी दिख रहा था। पर पिछले वर्ष के आखिर में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में कांगेस को जबरदस्त मात दे कर केंद्र में सरकार की ह्यहैट्रिकह्न का नारा देने के बाद से ही भाजपाई रणनीतिकार चुनावी बिसात बिछाने में जुटे हैं। चुनावी चुनौती पेश कर सकने वाले ह्यइंडियाह्न को तार-तार करने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा ने संयोजक न बनाये जाने पर नीतीश की निराशा को भांपा, लालू परिवार से उनके संशय को हवा दी, कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न दिया और एक-दूसरे के लिए बंद बताये जानेवाले खिड़की-दरवाजे सब खुल गये। बिहार का चुनावी समीकरण फिर भाजपा के पक्ष में झुक गया है। अलग चुनाव लड़ने की घोषणा करने वाली मायावती के मन में जो भी हो, उससे अंततः लाभ भाजपा को ही होगा। फिर भी सपा-कांग्रेस-रालोद मिलकर चुनौती दे सकते थे। इसलिए भाजपा ने उत्तर प्रदेश में भी इंडिया के अंतर्विरोधों का लाभ उठाया। रालोद को दी सात सीटों में से भी तीन पर सपा और एक पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारने का दबाव अखिलेश ने जयंत पर बनाया, जिसके बीच भाजपा ने अपनी बिसात की जगह बना ली। लगभग अखिलेश जितनी ही लोकसभा सीटें तथा उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार में हिस्सेदारी के वादे के अतिरिक्त, दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से भी नवाज दिया। अब कांग्रेस-सपा के लिए भाजपा को चुनौती दे पाना संभव नहीं होगा। बेशक 14 लोकसभा सीटों वाले झारखंड में भाजपा का दांव फिलहाल उलटा पड़ गया, पर 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी में विभाजन के बाद कांग्रेस में जारी सेंधमारी भी उसी चुनावी बिसात का हिस्सा है। पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा से शुरू यह सेंधमारी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर ही नहीं रुकेगी। शिवसेना और एनसीपी में विभाजन के बाद अचानक बड़े भाई वाली मुद्रा में आ गयी कांग्रेस अगर नहीं संभली, तो महाराष्ट्र में भी भाजपा को चुनावी समीकरण ठीक करने में अधिक मुश्किल नहीं आयेगी। पिछले वर्ष कर्नाटक की सत्ता गंवाने के बाद वहां भी भाजपा ने नये सिरे से चुनावी बिसात बिछायी है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के जनता दल सेक्युलर से गठबंधन के अतिरिक्त, बीएस येदियुरप्पा के बेटे बिजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार की घर वापसी हो गयी है। क्रमशः 13 और सात लोकसभा सीटों वाले पंजाब और दिल्ली में सत्तारूढ़ आप द्वारा अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा के पीछे भाजपा की भूमिका देखना शायद जल्दबाजी हो, पर कांग्रेस को लगने वाला हर झटका उसके लिए राहतकारी तो होता ही है।

वित्तीय अविश्वास

आर्थिक उदारीकरण के दौर में वित्तीय सेवाओं का सुगम और पारदर्शी होना एक बुनियादी जरूरत है। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को फास्टैग सेवा के लिए 30 अधिकृत बैंकों की सूची से हटाकर तमाम वित्तीय संस्थाओं को पारदर्शिता बरतने के लिए जो संदेश दिया है, वह स्वागत-योग्य है। किसी भी कंपनी को अपने नियामक के अनुरूप ही काम करना चाहिए, मगर ऐसा लगता है कि निशाने पर आए पीटीएम ने कहीं न कहीं कोताही बरती है और इसीलिए उसे कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। ध्यान देने की बात है कि अब पूरे देश में फास्टैग सुविधा की व्यवस्था हुई है, जिसका लाभ प्रतिदिन करोड़ों लोगों को होता है। देश भर में स्थित साढ़े आठ सौ से ज्यादा टोल गेट या टोल नाकों या टोल प्लाजा से जितने भी लोग गुजरते हैं, उन्हें नकदी रखने की मजबूरी से मुक्ति मिल चुकी है और ज्यादातर टोल गेट पर जेब टटोलने या वाहन से बाहर हाथ निकालने और खुदरा पैसों के लिए बहस करने की जरूरत नहीं रह गई है। यात्रा का आनंद बढ़ा है। हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि फास्टैग को सफल बनाने में पेटीएम की भी भूमिका रही है, पर अब जो समस्या खड़ी हुई है, उससे निपटने के लिए खुद इस कंपनी को बड़ी पहल करनी पड़ेगी। इस कंपनी के क्रिया-कलापों से भारतीय रिजर्व बैंक प्रसन्न नहीं है और उसने 31 जनवरी को पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर व्यावसायिक प्रतिबंध लगाए हैं। इस कंपनी को कहा गया है कि उसका बैंक 29 फरवरी के बाद कोई जमा स्वीकार न करे और कर्ज लेन-देन भी न करे। इस कंपनी को पहले ही चेत जाना चाहिए था, भारतीय केंद्रीय बैंक ने मार्च 2022 में ही उसके बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। भारतीय रिजर्व बैंक की मर्जी से ही देश में तमाम वित्तीय संस्थाओं को काम करना चाहिए और किसी भी संस्था को मनमानी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

45 ऑटोमोटिव ब्रांडों की भागीदारी के साथ ऑटोमोटिव दुनिया में नवीनतम नवाचारों, रुझानों और प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए वार्षिक 2024 कैनेडियन इंटरनेशनल ऑटो शो टोरंटो में शुरू हुआ।

आईबीबीआई ने समाधान प्रक्रिया सुव्यवस्थित, पारदर्शी बनाने मानदंडों में संशोधन किया

नई दिल्ली ।

भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड ने कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया मानदंडों में संशोधन किया है। इसमें समाधान के दौर से गुजर रही प्रत्येक रियल एस्टेट परियोजना के लिए अलग-अलग खाते रखना अनिवार्य बनाना शामिल है। इसके अलावा कर्जदाताओं की समिति समाधान योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक निगरानी समिति का गठन कर सकेगी। इन संशोधनों का मकसद समाधान प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। संशोधित मानदंडों के अनुसार पारदर्शिता बढ़ाने और मूल्यांकन से संबंधित मुद्दों पर विवाद को कम करने के लिए सीओसी (कर्जदाताओं की समिति) के सदस्यों को मूल्यांकन पद्धति समझाने का प्रावधान है। आईबीबीआई ने यह भी कहा कि प्रक्रिया में सूचित भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उचित मूल्य को सूचना ज्ञापन का हिस्सा बनाया जा सकता है। सीओसी को ऐसी जानकारी साझा न करने का निर्णय लेने की भी स्वतंत्रता होगी, जहां इस तरह का खुलासा समाधान के लिए फायदेमंद नहीं है। नियामक ने कहा कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के संबंध में सीओसी प्रत्येक परियोजना के लिए अलग समाधान योजना मांग सकती है।

मनरेगा योजना ने पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन अंतर कम किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

ग्रामीण, शहरी रोजगार और वेतन अंतर पर हाल ही में एक रिपोर्ट के अनुसार मनरेगा योजना ने पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन अंतर को कम किया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी नियमों के पालन में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में पाया गया कि रोजगार गारंटी कार्यक्रम के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में वेतन पाने वाले श्रमिकों और आकस्मिक श्रमिकों के बीच वेतन अंतर कम हुआ है। वित्त मंत्रालय ने ग्रामीण भारत की मजदूरी में एक चिंताजनक ट्रेंड देखा है। मुद्रास्फीति और ग्रामीण मासिक वेतन सूचकांक को देखकर उन्होंने पाया कि हाल के सालों में ग्रामीण मजदूरों की क्रय शक्ति कम हो रही है। यानी कि भले ही वेतन वही रहे, लोग कम चीजें खरीद रहे हैं क्योंकि कीमतें बढ़ रही हैं। इसे आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में हाइलाइट किया गया था, जिसमें अप्रैल से नवंबर 2022 तक उच्च मुद्रास्फीति के कारण वास्तविक ग्रामीण मजदूरी में गिरावट देखी गई थी। एक अध्ययन ने 58 देशों के आंकड़ों की जांच की और पाया कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोगों के पास नौकरियां हैं, लेकिन इन नौकरियों में अक्सर खतरा ज्यादा होता है क्योंकि खतरों को कवर करने के लिए श्रम सुरक्षा की कमी है। साथ ही कम भुगतान किया जाता है। अध्ययन में पाया गया कि शहरी श्रमिकों की तुलना में ग्रामीण श्रमिकों को प्रति घंटे लगभग 24 फीसदी कम भुगतान किया जाता है और इस अंतर का केवल आधा हिस्सा शिक्षा और नौकरी के अनुभव जैसे कारकों द्वारा समझाया जा सकता है। इस अंतर को दूर करने के लिए, न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करना और संस्थागत और नियामक उपायों के माध्यम से समान अवसरों को बढ़ावा देना ग्रामीण और शहरी श्रम बाजारों के बीच असमानताओं को कम करने में मदद कर सकता है।

हाइब्रिड कारों को भी बढ़ावा दिया जाए: भार्गव

नई दिल्ली ।

मारुति सुजूकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा है कि कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों के बीच चयन करने की जरूरत नहीं है और यदि सरकार अपना उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करना चाहती है, तो ये दोनों महत्त्वपूर्ण और पूरक भूमिका निभा सकती हैं। साल 2024 की अंतिम तिमाही में हाइब्रिड कारों की बिक्री इलेक्ट्रिक कारों की तुलना में अधिक रही है। भार्गव ने कहा कि इलेक्ट्रिक बनाम हाइब्रिड की बात कभी नहीं रही है। दोनों की स्पष्ट भूमिका है। हमें उम्मीद है कि साल 2030 तक इलेक्ट्रिक कार की पैठ लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। लेकिन 80 प्रतिशत कारें अभी भी तेल-गैस इंजन वाली होंगी। सरकार को इन तेल-गैस इंजन वाली कारों का बड़ा हिस्सा हाइब्रिड में बदलने का प्रयास करना चाहिए ताकि कुल कार्बन उत्सर्जन में कमी आए। लेकिन सरकार ने कभी भी देश में हाइब्रिड कारों को बढ़ावा नहीं दिया। इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगाए गए पांच प्रतिशत जीएसटी के बजाय तेल-गैस इंजन वाली कारों जैसी हाइब्रिड कारों पर 43 प्रतिशत जीएसटी कर लगाने की नीति रही है। हाइब्रिड कारें फेम-2 की सब्सिडी के लिए पात्र भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कार की कीमत अधिक हो जाती है, क्योंकि उस पर तेल-गैस इंजन वाले मॉडल की तरह कर लगाया जाता है, न कि किसी इलेक्ट्रिक वाहन की तरह। जब तक करों में कमी नहीं आती, तब तक यह अनुमान लगाना मुश्किल होगा कि साल 2030 तक तेल-गैस इंजन वाली कारों का कितना हिस्सा हाइब्रिड में स्थानांतरित हो सकता है।

क्रिप्टो करेंसी को मुद्रा नहीं माना जा सकता है: आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन ने कहा है कि क्रिप्टो करेंसी को मुद्रा नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं होता है। वासुदेवन ने यह बात भारतीय प्रबंध संस्थान-कोझिकोड में हाल ही में आयोजित एक परिचर्चा में कही। उन्होंने कहा कि आखिरकार निर्णय सरकार को यह लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए। आरबीआई ने बिटकॉइन जैसी नए जमाने की क्रिप्टो मुद्राओं को लेकर आलोचनात्मक रुख अपनाया हुआ है। उसका कहना है कि ये मुद्राएं वित्तीय प्रणालियों के लिए खतरा पैदा करती हैं। वर्तमान में बिटकॉइन को भारत में कोई कानूनी समर्थन नहीं है और निवेशकों को इसमें कारोबार से प्राप्त आय पर कर देना पड़ता है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई और कुछ अंतरराष्ट्रीय कार्ड प्रदाताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर वासुदेवन ने कहा कि स्व-नियमन वित्त-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा कर सकता है। इससे पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास भी कह चुके हैं कि क्रिप्टो करेंसी में निवेश बहुत जोखिम भरा है। उनका कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रिजर्व बैंक का स्टैंड नहीं बदलेगा। पिछले साल भी गवर्नर दास ने कहा था कि क्रिप्टो संपत्तियों पर आरबीआई प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जाएगी। आरबीआई ने क्रिप्टोकरेंसी से हमेशा सभी देशों की आर्थिक स्थिरता को गंभीर खतरा बताया है। इसलिए इसके खतरे को देखते हुए इस पर पहले लगाया गया प्रतिबंध हटाया नहीं जाएगा।

बंदरगाहों की दक्षता बढ़ाने सागर आकलन दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंदरगाहों की दक्षता बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने सागर आकलन दिशानिर्देश कर दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय बंदरगाह प्रदर्शन सूचकांक के तौर पर सागर आकलन दिशानिर्देश सभी भारतीय बंदरगाहों पर लागू होंगे। जहाजरानी मंत्रालय ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 में हुए समझौतों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए एक कार्य योजना भी बनाई है। बयान के मुताबिक भारतीय बंदरगाहों के प्रदर्शन की राष्ट्रीय मानक निर्धारण के लिए आयोजित बैठक में बंदरगाह प्रतिनिधियों ने सोनोवाल को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की प्रगति के बारे में बताया गया है। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के दौरान 8.35 लाख करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के साथ 360 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे और 1.68 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त निवेश-योग्य परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

एलआईसी को आयकर विभाग से 21,740 करोड़ का रिफंड आदेश मिला

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को वित्तीय साल 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2016-17, 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए रिफंड आदेश प्राप्त हुए थे। रिफंड की कुल राशि 25,464.46 करोड़ थी। इस संबंध में आयकर विभाग ने 15 फरवरी को 21,740.77 करोड़ रुपये जारी किए हैं। एलआईसी ने कहा कि कॉर्पोरेशन आयकर विभाग के साथ संतुलन का प्रयास कर रहा है। 31 दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए एलआईसी का कर प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) 26,913 करोड़ रुपये था। वर्तमान अवधि के लाभ में उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर विशेष सवृद्धि से संबंधित 21,461 करोड़ रुपये की शुद्ध कर राशि शामिल है, जो नॉन पार्ट सिपेटिंग) से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित की गई है। 31 दिसंबर 2022 को समाप्त समान नौ महीने की अवधि के लिए प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 22,970 करोड़ रुपये था, जिसकी तुलना नहीं की जा सकती। इसमें वित्तवर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर विशेष वृद्धि से संबंधित 4,542 करोड़ रुपये की शुद्ध कर राशि शामिल थी, जिसे 30 सितंबर 2022 को नॉन पार्टिसिपेटिंग से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित किया गया था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 617.23 अरब डॉलर रहा

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 9 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 5.24 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है जबकि इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.73 बिलियन डॉलर का उछाल देखने को मिला था। आरबीआई ने हाल ही में विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 622.469 बिलियन डॉलर रहा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक विदेशी करेंसी एसेट्स में भी भारी कमी आई है। विदेशी करेंसी एसेट्स 4.80 अरब डॉलर की कमी के साथ 546.52 बिलियन डॉलर पर आ गया है। आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में गिरावट देखने को मिली है। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 350 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 47.73 बिलियन डॉलर पर आ गया है। एसडीआर में भी गिरावट आई है और ये घटकर 55 मिलियन डॉलर घटकर 18.13 बिसियन डॉलर रहा है। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) में जमा रिजर्व में भी गिरावट आई है और ये 28 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 4.82 बिलियन डॉलर रहा है। 16 फरवरी 2024 को मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती देखने को मिली है। एक डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ 83.01 पर बंद हुआ है जो कि एक कारोबारी सत्र से पहले 83.05 रुपए पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से अधिक तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस और महिंद्रा एंड मे हिंद्रा में खरीदारी आने से निवेशकों को समर्थन मिलने से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे कारोबारी दिन साप्ताहिक आधार पर आधा फीसदी से अधिक तेजी दर्ज की गई और शेयर बाजार लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। हालों कि सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई लेकिन बाकी चार दिनों मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को बाजार में तेजी बरकरार रही। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 170.89 अंकों की गिरावट के साथ 71,424.60 पर खुला और 523.00 अंकों की गिरावट के साथ 71,072.49 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 55.21 अंक टूटकर 21,727.30 के स्तर पर खुला और 166.46 अंक टूटकर 21,616.05 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार से मिले-जुले संकेतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 317.10 अंकों की मजबूती के साथ 71,377.08 पर खुला और 482.70 अंकों की बढ़त के साथ 71,555.19 पर बंद हुआ। निफ्टी 60.41 अंक उछलकर 21,686.45 पर खुला और निफ्टी 127.21 अंक मजबूत होकर 21,743.25 के स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेसेक्स 733 अंक फिसलकर 71000 पर खुला और 277.98 अंकों की बढ़त के साथ 71,833.17 पर बंद हुआ। निफ्टी 173.41 अंक फिसलकर 21,569.85 पर खुला और 96.80 अंकों की मजबूती के साथ 21,840.05 पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता दिखा। ऐसे तो बाजार में कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर हुई पर कुछ समय बाद बाजार में बिकवाली आनी शुरू हो गई जिससे बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में पहुंच गए।

सेंसेक्स 53.16 अंक मजबूत होकर 71,896.42 पर खुला और 227.55 अंकों की बढ़त के साथ 72,050.38 पर बंद गया। निफ्टी 32.11 अंक मजबूत होकर 21,872.15 पर खुला और 70.71 अंक मजबूत होकर 21,910.75 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई है।

सेंसेक्स 306 अंकों की बढ़त के साथ 72,356 पर खुला और 376.26 (0.52 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 72,426.64 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 90 अंकों की बढ़त के साथ 22,000 पर खुला और 129.96 (0.59 फीसदी) अंक मजबूत होकर 22,040.70 पर पहुंचकर बंद हुआ।

किसान आंदोलन से उत्तरी राज्यों को प्रतिदिन 500 करोड़ का नुकसान: पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली ।

उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा कि किसान आंदोलन के लंबा चलने से उत्तरी राज्यों में भारी नुकसान होने की आशंका है और इससे प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होगा। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि लंबे समय तक चलने वाले आंदोलन से प्रतिदिन 500 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा और उत्तरी राज्यों मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के चौथी तिमाही के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग मंडल देश में सभी के कल्याण के लिए आम सहमति के साथ सरकार और किसानों दोनों से मुद्दों के शीघ्र समाधान की आशा करता है। किसानों का आंदोलन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के व्यवसायों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उत्पादन प्रक्रियाओं को निष्पादित करने और उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए ऐसी इकाइयों का कच्चा माल बड़े पैमाने पर अन्य राज्यों से खरीदा जाता है।

सबसे बड़ी मार पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के एमएसएमई पर पड़ेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की संयुक्त जीएसडीपी मौजूदा कीमतों पर 2022-23 में 27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इन राज्यों में लगभग 34 लाख एमएसएमई हैं जो अपने संबंधित कारखानों में लगभग 70 लाख लोगों को रोजगार देते हैं।

पेटीएम यूजर्स को 15 मार्च के बाद नहीं होगी परेशानी!

मुंबई ।

मुसीबतों का सामना कर रही पेटीएम ने अपने नोडल अकाउंट यानी मुख्य खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार देर शाम को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर 29 फरवरी के बाद रोक लगाने का फैसला किया था। हालांकि अब इसमें 15 दिन की मोहलत दी गई है लेकिन इस बीच पेटीएम ने अपने नोडल (मुख्य) खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम का नोडल अकाउंट एक मास्टर खाते की तरह है जिसमें उसके सभी ग्राहकों और व्यापारियों के लेनदेन का निपटान किया जाता है। कंपनी ने यह फैसला पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खातों में जमा एवं लेनदेन 15 मार्च के बाद रोकने के आरबीआई के निर्देशों के बाद उठाया है। पेटीएम अपनी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के पास अपने मुख्य खाते का संचालन करती रही है लेकिन आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के सुचारू संचालन को लेकर भी सवाल उठने लगे थे लेकिन वन97 कम्युनिकेशंस के मुख्य खाता हटाकर एक्सिस बैंक के पास ले जाने से स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। इस फैसले से 15 मार्च के बाद भी पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन की निरंतरता को अनुमति मिल जाएगी।

छोड़ी गई परियोजनाओं की लागत 15 ट्रिलियन पहुंची

नई दिल्ली । दिसंबर 2023 को समाप्त होने वाली चार तिमाहियों में छोड़े गए पूंजीगत खर्च प्रोजेक्ट की कीमत पूरे हुए प्रोजेक्ट से दोगुना से अे धिक हो गया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों से पता चलता है कि पूरी की गई परियोजनाएं कुल 6.9 ट्रिलियन रुपये की थीं, जबकि छोड़ी गई परियोजनाएं 15 ट्रिलियन रुपये की थीं। पूर्ण और छोड़ी गई परियोजनाओं के बीच 8.1 ट्रिलियन रुपये का यह अंतर निवेश चक्र में लगातार बना हुआ है। दिसंबर 2009 का सबसे पुराना डेटा बताता है कि पूरी हो चुकी परियोजनाओं का मूल्य छोड़ी गई परियोजनाओं की तुलना में थोड़ा कम था। छोड़ी गई परियोजनाओं में वे शामिल हैं जिन्हें छोड़ दिया गया है, बंद कर दिया गया है, रुकी हुई हैं, या जिनके बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। हाल के दिनों में, सरकार समर्थित छोड़ी गई परियोजनाओं का मूल्य प्राइवेट सेक्टर की तुलना में अधिक रहा है। यह प्राइवेट सेक्टर की कम गतिविधि के कारण हो सकता है या सरकार ने उन परियोजनाओं को छोड़ने का निर्णय लिया है जो ठीक नहीं थीं। दिसंबर 2023 को समाप्त चार तिमाहियों में, सरकार ने 8 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाएं छोड़ दीं, जबकि निजी क्षेत्र ने 7.1 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाएं छोड़ीं। दिसंबर 2023 में, छोड़ी गई परियोजनाएं 4.4 ट्रिलियन रुपये की थीं, जो दिसंबर 2019 में 2.5 ट्रिलियन रुपये थी। इसने छोड़ी गई बिजली परियोजनाओं को पीछे छोड़ दिया, जो महामारी से पहले दूसरी सबसे बड़ी कैटेगरी थी। दिसंबर 2019 से पहले छोड़ी गई बिजली परियोजनाएं कुल मिलाकर लगभग 5.3 ट्रिलियन रुपये थीं। दिसंबर 2019 में, सेवाओं की छोड़ी गई परियोजनाओं में सबसे बड़ी हिस्सेदारी 7.8 ट्रिलियन रुपये थी, जो तब से घटकर 4 ट्रिलियन रुपये हो गई है।

केंद्र सरकार ब्राजील से 20 हजार टन उड़द आयात करेगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने दाल की बढ़ती कीमतों पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्राजील से 20 हजार टन उड़द दाल आयात करने का फैसला किया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने ब्राजील से 3000 टन उड़द का आयात किया है और इस साल 20,000 टन और आयात किया जा सकता है। सिंह ने नई दिल्ली में ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन सम्मेलन के मौके पर कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारे 1.4 अरब उपभोक्ताओं के लिए देश में भोजन किफायती मूल्य पर उपलब्ध हो। चूंकि हम मुख्य रूप से शाकाहारी देश हैं और आय का स्तर बढ़ रहा है, फलियों के माध्यम से प्रोटीन की खपत भी बढ़ रही है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हम केवल म्यांमार पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें अपने जोखिम में विविधता लानी होगी और हम ब्राजील और अर्जेंटीना में इसका उत्पादन करने के बारे में सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत ने 3.1 मिलियन टन दालों का आयात किया था। उनमें से लगभग आधे दालें थीं, जिनमें से अधिकांश कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से थीं। भारत लगभग 28 टन दालों का उत्पादन करता है, जिससे यह दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन जाता है।

बचपन

बच्चों क्या तुमने कभी सोचा है कि पैराशूट कैसे उड़ता है और इसके पीछे विज्ञान का कौन-सा नियम काम करता है। इसलिए पैराशूट को लेकर यह जानना जरूरी है कि इसके लिए (हवा प्रतिरोध) एयर रेसिस्टेंस कितने मायने रखता है। आजकल स्कूल में छुट्टियां चल रही हैं । घर में बैठे-बैठे बोर होने की जरूरत नहीं है, चलो जरा ये एक्सपेरीमेंट कर लें-

पैराशूट बनाकर छुट्टियों को बनाओ खास

ऐसे बनाओ पैराशूट

स्क्वायर के आकार में प्लास्टिक बैग काटो। कोनों को इस तरह मोड़ो जिससे यह आठ भुजाओं वाला बन जाए। इसके सभी किनारों पर छोटा-सा छेद करो। सभी आठों छेद में एक ही आकार के तार डालो।

इसके बाद तार के सभी टुकड़ों से भार के तौर पर प्रयोग की जाने वाली वस्तु को बांध दो। कुर्सी का प्रयोग करो या फिर छत से नीचे तुम अपने पैराशूट को छोड़ दो और जांच करो कि रिजल्ट क्या आता है। ध्यान रखना कि अपने पैराशूट को जितनी धीमी गति से हो सके, नीचे गिराओ।

रिजल्ट

अनुमान है कि तुम्हारा पैराशूट आराम से धीरे-धीरे नीचे उतरेगा। यदि तुम्हारे वस्तु का वजन ठीक-ठाक हो। जब तुम पैराशूट को नीचे छोड़ते हो, तो वजनी वस्तु खुद-ब-खुद नीचे आ जाएगी और तार की मदद से यह बड़े एरिया में फैल जाएगा। इससे एयर रेसिस्टेंट पैदा होगा और वह धीरे-धीरे नीचे आएगा।जितना बड़ा एरिया होगा, उतना व्यापक एयर रेसिस्टेंस होगा और उतना ही धीरे यह नीचे आएगा।

सामग्री

सामग्री में कुछ खास नहीं प्लास्टिक बैग, कैंची, तार, भार के तौर पर छोटी वस्तु की जरूरत होगी।

अब गैजेट्स खरीदने में नो कंफ्यूजन

बच्चो जब आप गैजेट्स फ्रेंडली बन ही गए है तो इन्हें खरीदने में कैसा कनफयूजन। जब भी स्मार्टफोन, आईपैड, टैबलेट, लैपटॉप या डेस्कटॉप जैसे गैजट खरीदने मार्केट जाते हैं, तो कई बार कंफ्यूजन में पड़ ही जाते है। आपको समझ नही में नही आता कैसा गैजेट्स खरीदना चाहिए। आइये हम बताते है गैजेट्स खरीदने के कुछ टिप्स

अगर आपको डेस्कटॉप, नोटबुक, नेटबुक और टैबलेट में से किसी एक को चुनना है तो इसमें कन्फ्यूज्ड होकर ज्यादा दिमाग इस्तेमाल करने की आपको कोई जरूरत नहीं हैं।जब आपको इस तरह की कंप्यूटर डिवाइस खरीदनी हो, तो इस बात का ख्याल रखें कि इसका इस्तेमाल कैसे और कहां करना है। अगर आप ज्यादा कंप्यूटिंग करते हैं, तो आपके लिए डेस्कटॉप या फिर लैपटॉप बेहतर रहेगा, क्योंकि इसमें मेमोरी ज्यादा होती है।लेकिन अगर आप सिर्फ इंटरनेट यूज करने या फिर इंटरटेनमेंट और फेंटेसी के लिए खरीदना चाहते हैं, तो आपके लिए नेटबुक या टैबलेट सही रहेगा।

कहां इस्तेमाल करना है

कोई भी नया गैजेट खरीदने से पहले उसकी पोर्टेबिलिटी के बारे में जरूर सोचना चाहिए। खासकर कंप्यूटर के बारे में तो खासतौर पर ऐसा करना चाहिए। अगर आप सिर्फ पोर्टेबिलिटी पर ध्यान देते हैं, तो डेस्कटॉप ज्यादा हैवी और बड़ा लगने लगता है। ऐसे में, स्वाभाविक है कि आपका ध्यान लैपटॉप पर जाएगा। हां, इस बात का जरूर ध्यान रखा जाना चाहिए कि लैपटॉप आपकी जरूरत को पूरा कर रहा है या नहीं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि पोर्टेबिलिटी के चक्कर में आप डेस्कटॉप की बजाय टैबलेट खरीद कर चले आएं और आपका काम अधूरा रह जाए। ऐसे में आपको पोर्टेबिलिटी और अपनी जरूरत के बीच बैलेंस बनाना होगा।

क्या आपको जरूरत है

आप कोई नया गैजट खरीदने का मन बनाते हैं, तो पहले आपको एक बार जरूर सोच लेना चाहिए कि क्या आपको उसकी जरूरत है या नहीं। हो सकता है कि आपकी पुरानी डिवाइस को ही रिपेयर करने या अपग्रेड करने से आपकी जरूरत पूरी हो जाए। दरअसल ऐसा कई बार देखने मिलता है कि हम अपने पुराने गैजट्स को बिना सोचे-समझे रिटायर कर देते हैं, जबकि उसे थोड़ा रिफ्रेश करने की ही जरूरत होती है।

मल्टी फंक्शनल गैजट

क्याआपको एक साथ टैबलेट, नेटबुक और आईफोन की जरूरत है? शायद नहीं। जब आप एक साथ तीन या चार गैजट्स खरीदने की सोचते हैं , तो एक बार मल्टी फंक्शनल गैजेट के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए। हालांकि एक बार ऐसा जरूर लगता है कि आईफोन भला कैसे सारी जरूरतों को पूरा कर देगा। लेकिन ऐसे कन्फ्यूजन से दूर रहना चाहिए। आपका स्मार्टफोन स्मॉल कंप्यूटिंग की जरूरत को पूरा करने में सक्षम है और बड़े कामों के लिए तो बड़ा लैपटॉप आपके पास है ही।

सर्विस ऑप्शन

जब भी आप कोई नया सामान खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में जरूर सोचते हैं। इसी तरह से जब आप गैजेट खरीदते हैं तो उसकी मेंटनेंस के बारे में भी सोचते हैं। मान लीजिए आपने आईपॉड खरीदा और वह वह गलती से टूट गया तो आप क्या करेंगे ? इसलिए आपको सर्विस प्लान और इंश्योरेंस के बारे में जरूर सोचना चाहिए। यह आपके लिए ज्यादा सस्ता और बेहतर विकल्प होगा बजाय इसके कि आप रिपेयर और रिप्लेसमेंट के चक्कर में फंसें।

बीरबल की खिचड़ी

कहानी

सर्दियों की दोपहर थी, ठंड अपने पूरे शबाब पर थी। ऐसे में अकबर व बीरबल धूप का आनन्द लेते हुए महल के सामने चहलकदमी कर रहे थे। तभी एक पंडित फटे-पुराने कपड़े लपेटे उनके निकट आया।

''तुम क्या चाहते हो ?'' अकबर ने पूछा।

''हुजूर मेरी सहायता करें।'' पंडित नमस्कार करने की मुद्रा में हाथों को एकाकार करता हुआ बोला, ''मैं बहुत गरीब आदमी हूँ। काम करना चाहता हूँ, पर ढंग का काम मिलता ही नहीं। जो भी थोड़ा-बहुत कमाता हूं, वह भोजन को भी पूरा नहीं पड़ता। अब मुझे अपनी पुत्री के विवाह के लिए एक हजार सोने के सिक्कों की जरूरत है। मैं अपनी इकलौती पुत्री को दहेज देना चाहता हूँ। आभूषण के अलावा कपड़े और बरतन आदि भी देने होंगे। घर पर लोगों को बुलाकर दावत भी देनी होगी। इसके लिए भी आटा, घी, तेल, मसालों व सब्जियों इत्यादि की जरूरत होगी।''

''भई, जब तुम्हारे पास पैसा नहीं है, तो आभूषण देने की क्या जरूरत है ? जब तुम्हें खुद के खाने को लाले पड़े हैं, तो लोगों को बुलाकर दावत देने की क्यों सोच रहे हो ?'' बादशाह ने पंडित से पूछा''यह तो मेरे जीवन की एकमात्र इच्छा है, जहांपनाह।'' पंडित बोला, ''मैं बेशक एक गरीब पिता हूँ, पर मेरे भी अरमान हैं कि अपनी इकलौती पुत्री की शादी धूमधाम से करूँ यदि आप मुझे धन कमाने का अवसर प्रदान करेंगे तो मैं आपका आभारी रहूंगा। इस समय मुझे अपनी लड़की के विवाह हेतु धन की बहुत आवश्यकता है।''

अकबर बोले, ''ठीक है, हम तुम्हें मौका देंगे कि तुम एक हजार सोने के सिक्के कमा सको। राजमहल की झील के पानी में तुम्हें रात भर खड़ा रहना होगा। सूर्योदय के बाद ही तुम पानी से बाहर निकलोगे।'

बादशाह के शब्द सुनकर बीरबल चिंतित हो उठा। उसे लगा कि वे उस गरीब पंडित के साथ जरूरत से यादा कठोर हो रहे हैं। उसका मानना था कि घोर सर्दी की रात में रात भर ठंडे चिलचिलाते पानी में खड़ा रह पाना संभव ही नहीं है। बेचारा सर्दी से ठिठुरकर दम तोड़ देगा।

लेकिन पंडित प्रसन्न था। वह सैनिकों के साथ राजमहल की झील की ओर् बढ़ गया। थोड़ी ही देर बाद वह पानी में खड़ा था।

''यह पंडित तो ठंड के मारे मर जाएगा।''एक सैनिक ने बीरबल से कहा।

''मुझे क्या मालूम।'' बीरबल बोला, ''हो सकता है कि उसमें बर्दाश्त करने की शक्ति हो, पर मुझे लगता नहीं कि वह ऐसा कर पाएगा।''

लेकिन अगले दिन उन सभी की आशा के विपरीत वह पंडित हँसता-मुस्कुराता उनके सामने ठंडे पानी में खड़ा था। सूर्योदय हो चुका था। चेहरे पर विजय के भाव लिए वह पंडित झील के पानी से बाहर निकला।

''तुमने एक असंभव काम को संभव कैसे कर दिखाया ?''

बादशाह ने हैरानी से पूछा, ''यह बेहद कठिन काम था। तुम्हारी हिम्मत की दाद देनी होगी, हमें तो विश्वास ही नहीं हो रहा कि ऐसा भी हो सकता है। हमें बताओ कैसे किया तुमने यह सब ?''

''हुजूर ! इसमें रहस्य की कोई बात नहीं।'' पंडित बोला, ''मैंने सोच रखा था कि चाहे कुछ हो जाए, मुझे यह कर दिखाना है।''

''हम पूछ रहे हैं कि सारी रात ठंडे पानी में रह कर कैसे बिताई ?'' अकबर ने पूछा।

''मैं रातभर महल में जलती मोमबत्तियों की रोशनी को देखता रहा था।'' पंडित बोला।

''अच्छा तो यह बात है।'' अकबर बोले, ''तुम रात भर महल की रोशनियों से गर्मी लेते रहे। इसलिए तुम्हें ठंड महसूस नहीं हुई और रात तुमने आराम से गुजार दी। यह तो ईमानदारी न हुई, तुम ईनाम के हकदार नहीं हो। तुम अपने घर जा सकते हो।''

पंडित को विश्वास ही न हुआ कि वह जो सुन रहा है वह सच है।

यह सुनते ही पंडित को बेहद धक्का लगा। वह समझ नहीं पाया कि झील के ठंडे-ठिठुरा देने वाले पानी में रात भर खड़ा रहा और वहाँ से 100-125 गज दूर दिखने वाली रोशनी की गर्मी

उस तक कैसे पहुँच गई। उसे लगा कि बादशाह बहानेबाजी कर रहे हैं। उनके लिए यह कतई शोभा नहीं देता कि पंडित को ईनाम देने से इनकार करें।

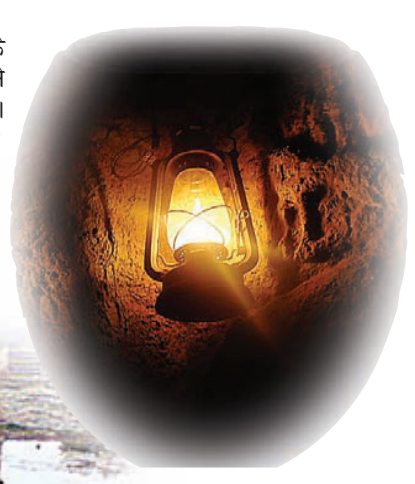

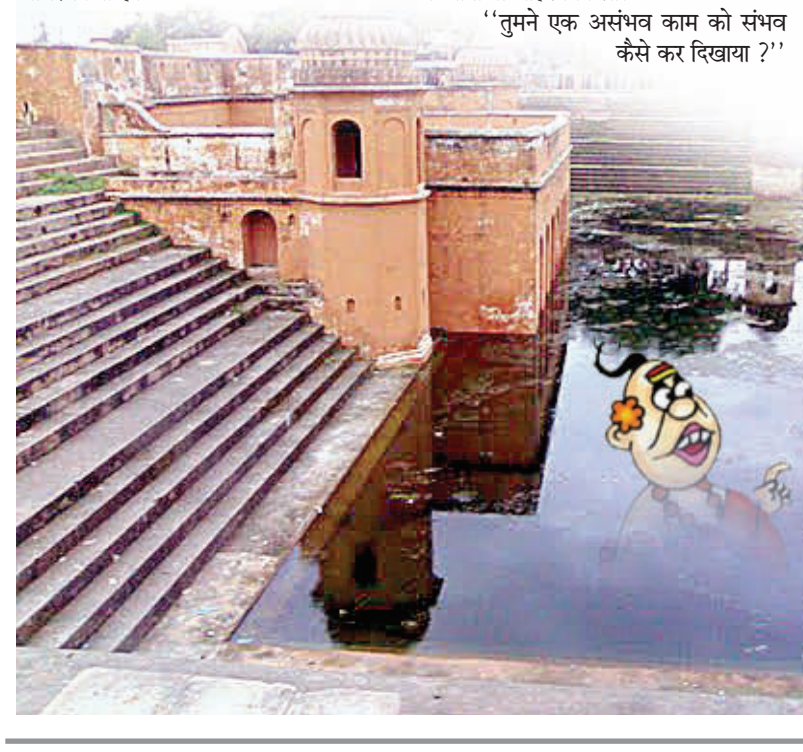

वहाँ मौजूद अन्य सभी लोग भी बादशाह के इस निर्णय से सहमत नहीं थे, लेकिन उनका विरोध करने की हिम्मत किसी में न थी।

इस बीच अकबर मुड़े और महल की ओर चल दिए। वहाँ मौजूद सैनिक असहाय खड़े एक-दूसरे का मुँह ताकते रह गए। वे उस पंडित के बारे में ही सोच रहे थे। अगले दिन बीरबल बादशाह के पास गया और बोला, ''मैं खिचड़ी बनाना सीख रहा हूँ, जहांपनाह। कल आप मेरे घर पर तशरीफ लाएं, मैं आपके लिए विशेष रूप से खिचड़ी तैयार करूँगा।''

अकबर बहुत खुश हुए कि चलो बीरबल ने उन्हें खाने पर बुलाया तो सही।

अगले दिन अकबर जा पहुँचे बीरबल के घर। उनके साथ अन्य दरबारी भी थे। बीरबल ने सभी को फूल भेंट करके उनका स्वागत किया और उसके नौकर उन पर इत्र छिड़क रहे थे। उन्हें एक बड़े कमरे में ले जाकर बैठा दिया गया, जहाँ नरम गद्दे व तकिये बिछे थे। बड़े-बड़े हाथ के पंखे नौकर झल रहे थे।

इस दौरान अकबर मुस्कराते रहे। वे खुश थे कि बीरबल उनकी इतनी आवभगत कर रहा है।

बादशाह ने बीरबल के बारे में एक नौकर से पूछा तो जवाब मिला कि बाहर बगीचे में हैं।

जब उन्हें बैठे-बैठे दो घंटे बीत गए तो वे सभी परेशान हो उठे। बीरबल के घर से उनके लिए एक गिलास पानी तक न आया था।

अकबर को भूख के साथ प्यास भी सता रही थी।

''बीरबल कहाँ हैं ?'' बादशाह ने दोबारा पूछ ही लिया।

''बाहर, बगीचे में हैं।'' एक नौकर ने सादर कहा।

''एक घंटा पहले जब मैंने पूछा था, तब भी तुमने यही जवाब दिया था।'' अकबर बोले, ''आखिर वह बगीचे में क्या कर रहा है ?''

''बेअदबी की माफी चाहता हूँ हुजूर !'' नौकर बोला, ''वे बगीचे में आपके लिए खिचड़ी बना रहे हैं।''

सुनकर अकबर का पारा चढ़ गया, लगे नौकरों पर चीखने-चिल्लाने।

''फिर से माफी चाहूंगा हुजूर !'' नौकर बोला, '' मैंने आपको सब सच बताया है। वह बगीचे में खिचड़ी ही बना रहे हैं।''

''हमें उसके पास लेकर चलो।'' बादशाह बोले।

नौकर बादशाह के साथ बगीचे की ओर बढ़ चला, अन्य दरबारी भी साथ थे।

वहाँ एक ऊंचे खजूर के नीचे आग जलाए बैठा था बीरबल। पास ही लकड़ियों का ढेर पड़ा था।

''कहां है तुम्हारी खिचड़ी ?'' अकबर ने पूछा।

बीरबल चुपचाप उठा और पेड़ के ऊँचे सिरे की ओर उंगली से इशारा कर दिया। वहाँ पेड़ पर एक बरतन लटका हुआ था।

अकबर व उनके साथ आए अन्य दरबारियों ने गर्दन उठा कर पेड़ की ओर ताका।

''यह सब क्या है ? कहते हुए बादशाह का आसमान छूता गुस्सा साफ प्रतीत होता रहा था, ''हम लोग यहाँ भूख से मरे जा रहे हैं और तुम पेड़ पर लटका यह बरतन हमें दिखा रहे हो।'

''गुस्ताखी माफ करें हुजूर !'' बीरबल बोला, ''आपको कुछ देर और इंतजार करना होगा। मैंने चावल, दाल, प्याज व लहसुन आदि सब इस बरतन में डाल दिया है। आप देख ही रहे हैं कि आग में भी मैं बराबर लकड़िया डालता जा रहा हूँ। लेकिन मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि खिचड़ी बनने में इतना समय क्यों लग रहा है।''

वहाँ मौजूद सभी को यह सुनकर ऐसा लगा जैसे बीरबल का दिमाग चल गया है।

''तुम पागल तो नहीं गए हो बीरबल।'' बादशाह बोले, ''बरतन और आग के बीच 10-15 गज का फासला है। इतनी ऊँचाई पर टंगे बरतन तक आंच भला कैसे पहुँचेगी ?''

''मैं तो समझ रहा था कि नीचे जल रही आग की आंच बरतन तक पहुँच रही है।'' बीरबल बोला।

''बेसिर-पैर की बातें मत करो।''

गुस्से में लगभग चिल्लाते हुए बोले अकबर।

''खता माफ हो हुजूर !'' बीरबल बोला, ''ठंडे पानी में रात भर खड़े पंडित तक यदि 100-125 गज दूर स्थित रोशनी गर्मी पहुँचा सकती है तो मैंने तो पेड़ के 10-15 गज नीचे ही आग सुलगा रखी है। वह भला बरतन तक क्योंकर नहीं पहुँचेगी।''

बादशाह समझ गए कि बीरबल ने कहाँ चोट की है।

''अब मैं समझा तुम्हारी बात।'' अकबर बोले, ''हमारी कोई मंशा नहीं थी कि उस पंड़ित के साथ अन्याय करें, हमें अपने किये पर पछतावा है। हम तुम्हें वचन देते हैं कि उस पंडित को दो हजार सोने के सिक्के देंगे। उसे हमारे पास भेजो। हम तुम्हारे आभारी हैं कि तुमने हमारी आँखें समय रहते खोल दीं।''

अब बीरबल प्रसन्न था कि पंडित को उसका ईनाम मिल जाएगा, वह भी दोगुना होकरदो हजार सोने के सिक्के।

बीरबर बोला, ''मेरे साथ घर के अंदर चलें हुजूर ! मैंने आपके खाने की पूरी व्यवस्था कर रखी है। अनेक लजीज पकवान आपका इंतजार कर रहे हैं। हाँ, खिचड़ी भी बनी है आपके लिए।''

यह सुनकर सभी ठहाका लगा कर हंस दिए और बीरबल के घर में प्रवेश कर गए।

कश्मीर में भारी वर्षा, हिमपात के आसार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और हिमपात के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने बताया कि प्रदेश में शनिवार रात से 21 फरवरी तक बारिश होते रहने की संभावना है। श्रीनगर स्थित मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने कहा कि 17 फरवरी को अपराह्न तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। वहीं आज देर रात तक ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तर, उत्तर-पश्चिमी, मध्य और दक्षिण कश्मीर के ऊपरी इलाकों में विभिन्न स्थानों पर रविवार को भारी बर्फबारी होने के आसार हैं। वहीं 19-20 फरवरी तक कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा, गांदरबल, बडगाम और अन्य जिलों के मैदानी और ऊपरी इलाकों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और भारी बर्फबारी होने की संभावना है। बारिश होने के कारण ऊपरी इलाकों और सिंथन दर्रे, मुगल रोड, साधना, राजदान दर्रे तथा ज़ोजिला जैसे महत्वपूर्ण दर्रों की सड़कें अस्थायी रूप से बंद हो सकती हैं। इस बीच, अधिकांश स्थानों पर रात का तापमान बढ़ गया और श्रीनगर में आज रात का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम और गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान क्रमशः 0.7 और शून्य से कम 1.2 दर्ज किया गया।

कश्मीर में आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों के एक संदिग्ध सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कुपवाड़ा के गैलिजू इलाके का निवासी आसिफ मुश्ताक वानी पिछले दो दिनों में इस जिले में गिरफ्तार किया गया आतंकवादियों का सहयोगी है। उसकी गिरफ्तारी शुक्रवार को बीएड कॉलेज ड्रगमुल्ला कुपवाड़ा के पास कुपवाड़ा पुलिस, सेना की 47 राष्ट्रीय राइफ (आरआर) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 162 बटालियन की संयुक्त तलाश अभियान के दौरान की गयी ।पुलिस ने कहा, ''तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त सुरक्षा बल के जवानों को देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, हालांकि कड़ी मेहनत के बाद उसे पकड़ लिया गया।' पकड़े आरोपी के पास चीन निर्मित एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन और छह पिस्तौल की गोलियां बरामद हुईं। आरोपी के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, गुरुवार को लालपोरा शेखपोरा के रफीक अहमद गनी के रूप में पहचाने गए आतंकवादियों के सहयोगी को कुपवाड़ा के गुंडिमाचेर ब्रिज पर बलों की एक संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था।

विरुधुनगर पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 9 की मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में करीब नौ लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। लोगों के मुताबिक, विस्फोट की तीव्रता इतनी जबरदस्त थी कि पटाखा फैक्ट्री के पास की चार इमारतें विस्फोट में नष्ट हो गईं। फैक्ट्री का मालिक विजय नाम का व्यक्ति था और यह शहर के वेम्बकोट्टई इलाके में स्थित थी। घटना के बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुर्घटना फैक्ट्री के रसायन मिश्रण कक्ष में हुई। इसके पहले पिछले साल राज्य के कृष्णागिरि में एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

न्यायालयों में बढ़ रहे मामले पर सीजेआई चंद्रचूड ने जताई चिंता

प्रयागराज । उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है। ऐसे में प्रदेश में उद्योग लगेंगे और इस लिहाज से न्यायिक क्षेत्र का विस्तार होना जरूरी है। उन्होंने न्यायालयों में बढ़ रहे मामले पर चिंता जताते हुए कहा, 'अधीनस्थ अदालतें जहां समस्याओं के समाधान की शुरुआत होती है, वहां पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय में बहुत सारे ऐसे मामले बढ़ रहे हैं जिन्हें अधीनस्थ अदालतों में ही निस्तारित कर दिया चाहिए। छोटे मामले में यहां से जमानत नहीं मिलने से लोग उच्चतम न्यायालय तक आ रहे हैं और वहां दबाव बढ़ रहा है।' सीजेआई ने शनिवार को यहां मध्यस्थता केंद्र (आर्बिट्रेशन सेंटर) का उद्घाटन किया और 'कोर्ट ऑफ उत्तर प्रदेश' पुस्तक का विमोचन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चंद्रचूड़ ने अधिवक्ताओं और विधि पेशे से संबद्ध अन्य लोगों से प्रौद्योगिकी से जुड़ने की अपील करते हुए कहा, 'मैं सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं से प्रौद्योगिकी से जुड़ने, टैबलेट और लैपटॉप पर कार्य करने के लिए कहता हूं और बहुत सारे लोग अब यह कर रहे हैं।' उन्होंने अधीनस्थ अदालतों में आ रही युवा पीढ़ी की चर्चा करते हुए कहा कि यह पीढ़ी अलग तरह से सोचती है और इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं आ रही हैं। वे यहां अपना भविष्य सुरक्षित समझती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बतौर मुख्य न्यायाधीश अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए चंद्रचूड़ ने कहा, 'मैं शहरी परिवेश में पला बढ़ा लेकिन भारत के दिल उत्तर प्रदेश में आकर बहुत कुछ सीखने, जानने को मिला। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुझे अलग तरह के वाद से सामना करना पड़ा।'

चेक बाउंस के मामले में फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी को 2 साल की जेल

जामनगर । चेक बाउंस होने के मामले बोलीवुड के जानेमाने फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जामनगर की कोर्ट ने चेक बाउंस के मामले में राजकुमार संतोषी को दो साल की सजा सुनाई है। इतना ही नहीं चेक के अमाउंट की दोगुनी रकम यानी रु. 2 करोड़ जमा करने का भी आदेश दिया है। घायल, घातक और दामिनी जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्माता राजकुमार संतोषी को जामनगर के एक व्यवसायी अशोकलाल ने रु. 1 करोड़ उधार दिए थे। बाद में राजकुमार संतोषी ने रु. 10-10 लाख चेक अशोकलाल को दिया था। लेकिन चेक जब बैंक में जमा किया गया तब राजकुमार संतोषी के खाते में अपर्याप्त राशि का उल्लेख करते हुए चेक रिटर्न हो गया। जिसके बाद अशोकलाल ने अपने के जरिए राजकुमार संतोषी को नोटिस भेजा। इसके बावजूद राजकुमार संतोषी ने अशोकलाल को उनकी रकम नहीं लौटाई। आखिरकार अशोकलाल ने वर्ष 2017 में जामनगर की कोर्ट में राजकुमार संतोषी के खिलाफ मुकद्दमा दायर कर दिया। करीब 7 साल चले मुकद्दमे के बाद आखिरकार जामनगर की कोर्ट ने चेक बाउंस होने के मामले में फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी को दो साल की सजा सुनाई है। साथ ही चेक अमाउंट की दोगुनी रकम यानी रु. 2 करोड़ भी जमा करने का राजकुमार संतोषी को आदेश दिया है।

कोटा में जेईई अभ्यर्थी की संदिग्ध मौत

- कुछ दिन पहले ही उसको जेईई में अच्छे अंक मिले थे

कोटा । कोटा में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) दे रहे एक छात्र की रहस्यमय हालात में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान जमशेदपुर निवासी परनीत (18) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि परनीत पिछले दो साल से कोटा के एक छात्रावास में रह रहा था। वह 12वीं कक्षा का छात्र था और जेईई की तैयारी कर रहा था। कुछ दिन पहले ही उसका जेईई का स्कोर आया था, जिसमें उसे अच्छे अंक मिले थे। शाम को वह हॉस्टल में अपने दोस्त के कमरे पर गया था। वहां उसके दोस्तों ने ऑनलाइन खाना ऑर्डर किया था। खाना खाने के बाद परनीत की तबीयत बिगड़ गई। उसने कुछ देर आराम किया और फिर अपने परिवार से बात की। जब उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो उनके दोस्त उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उनके दोस्तों ने उसके परिवार के सदस्यों और पुलिस को सूचित किया। परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगा। परनीत के पिता राजीव रंजन रॉय ने कहा ?कि मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। मैंने उसे बताया था कि कोटा में कई छात्र आत्महत्या करते हैं, इस पर उसने कहा था कि पापा, मैं जिंदगी में कभी भी आत्महत्या करने के बारे में सोच भी नहीं सकता। रॉय ने कहा कि मेरे बच्चे के जेईई में 98 फीसदी नंबर आए। नतीजे आने के बाद उसने कहा था, पापा आईआईटी-मुंबई ने कन्फर्म कर दिया है। हम इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं।

पिछला दशक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा हुआ : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में बीजेपी का 2 दिवसीय अधिवेशन शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में भाग लिया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि ये हम सब के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं। आज एक माहौल में हम एकत्र हुए हैं, जहां हमें पीछे भी जीत दिखी है और आगे भी जीत मिलेगी। आज हम सब के बीच में हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने देश को, पार्टी को, समाज को नेतृत्व प्रदान कर राजनीति में नया आयाम स्थापित किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि '7 दशक के भारतीय जनसंघ और भाजपा के इतिहास में हम लोगों ने हर कालखंड को देखा है' हमने आपातकाल और संघर्ष भी देखा, चुनाव में हारने और जीतने की प्रक्रिया भी देखी लेकिन हम सभी को बहुत खुशी है कि पिछला दशक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों से भरा हुआ है' देश के प्रधान सेवक, जो देश के प्रशासन के कामों में पूर्णतया व्यस्त रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्टी उनकी प्राथमिकता है और वे पार्टी के लिए हमेशा खड़े रहे हैं। पार्टी कैसे आगे बढ़ेगी, हम किस प्रकार से पार्टी को आगे बढ़ा सकते हैं, प्रधानमंत्री जी पल-पल इस बात की चिंता करते हैं। 7 दशक के जनसंघ और भाजपा के इतिहास में हमने हर कालखंड देखा है। हमने संघर्ष का काल देखा है, हमने उपेक्षा का काल देखा है, जमानत बचाने के लिए चुनाव लड़ने वाला काल देखा है, हमने आपातकाल देखा है, चुनाव में हारने और जीतने का काल भी देखा है।

द्वारका को बेट द्वारका को जोड़ता सिग्नेचर ब्रिज बनकर तैयार, 25 फरवरी को पीएम करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद। देश-विदेश से द्वारकाधीश के दर्शन करने आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। आगामी 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारका को बेट द्वारका से जोड़ने वाले सिग्नेचर ब्रिज का उदघाटन करेंगे। देवभूमि द्वारका जिला प्रशासन ब्रिज के कामकाज को अंतिम रूप देने की जोरदार तैयारियां कर रहा है। बता दें कि वर्ष 2016 में केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सिग्नेचर ब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2017 को सिग्नेचर ब्रिज का शिलान्यास किया था। देवभूमि द्वारका के ओखा से बेट द्वारका आवागमन के लिए अब तक समुद्र में बोट का उपयोग किया जाता था। लेकिन अब दर्शनार्थी वाहनों के जरिए ओखा से सीधे बेट द्वारका जा सकेंगे। ओखा और बेट द्वारका के बीच 900 करोड़ रुपए की लागत से सिग्नेचर ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। करीब ढाई किलोमीटर लंब इस ब्रिज से वाहन या पैदल चलकर बेट द्वारका पहुंचा जा सकेगा। सिग्नेचर ब्रिज शुरू होने से लोगों का समय बचेगा और बेट द्वारका में चीज-वस्तुएं भी सस्ती होंगी। 2320 मीटर लंबा ओखा-बेट द्वारका सिग्नेचर ब्रिज एक केबल-आधारित पुल है जो कच्छ की खाड़ी के पार बेट द्वारका और ओखा को जोड़ता है। पीएम नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन से द्वारका शहर को एक नया मुकाम मिलेगा7 इतना ही नहीं, द्वारका आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस पुल पर पर्यटकों के लिए 12 स्थानों पर व्यूइंग गैलरी बनाई गई हैं। यहां से उन्हें कच्छ की खाड़ी में नीला समुद्र दिखाई देता है।

राकेश टिकैत ने केंद्र को बताया पूंजीपतियों की सरकार, हरिद्वार से गाजीपुर तक प्रदर्शन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को किसानों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन में प्रवेश कर गया, किसान नेता राकेश टिकैत ने आज कहा कि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदर्शनकारी गाज़ीपुर सीमा की ओर जाएंगे और दिल्ली जाने के बजाय, वे अपने ट्रैक्टर सीमाओं की ओर राजमार्ग पर लगा देंगे। उन्होंने कार्यक्रम में आगे कहा कि अगर 21 फरवरी के मार्च के बाद मांगें पूरी हो गईं तो आंदोलन खत्म कर दिया जाएगा। शनिवार को मुजफ्फरनगर में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा आयोजित महापंचायत का फैसला सुनाते हुए टिकैत ने यह बात कही। इसके अलावा, किसान नेता ने महापंचायत के फैसले पर फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी 21 फरवरी को स्थानीय तहसीलों में ट्रैक्टर लेकर जाएंगे और 26 और 27 फरवरी को वे अपने ट्रैक्टर दिल्ली की सीमाओं की ओर राजमार्ग पर लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हम हरिद्वार से गाज़ीपुर बॉर्डर की ओर जाएंगे। हम दिल्ली नहीं जाएंगे लेकिन हाईवे पर ट्रैक्टर निकाल देंगे। हम किसान संयुक्त मोर्चा के साथ खड़े रहेंगे। साथ ही उन्होंने मोदी सरकार को कंपनी की सरकार बताया। मोदी सरकार पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि ये सरकार अगर अटल-आडवाणी की होती तो हमारी बात मानती, लेकिन ये सरकार पूंजीपतियों की सरकार है।

क्या है किसानों की मांग

चल रहे किसानों के विरोध के माध्यम से मौजूदा मांगों में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना, ऋण माफी, किसानों के खिलाफ मामलों को वापस लेना और आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन करना शामिल है। हालाँकि, किसान नेताओं ने कई अन्य माँगें भी रखी हैं, जैसे किसानों से संबंधित डब्ल्यूटीओ समझौते को रद्द करना, बिजली संशोधन विधेयक 2020 को रद्द करना, प्रदूषण कानूनों से किसानों को छूट रखना और बिजली के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाने का विरोध करना शामिल है। किसान यह भी चाहते हैं कि सरकार उनकी आय दोगुनी करने के वादे का सम्मान करे, उनकी शिकायत है कि पिछले कुछ वर्षों में खेती की लागत में वृद्धि हुई है जबकि आय स्थिर हो गई है, जिससे खेती घाटे का सौदा बन गई है।

हरियाणा-पंजाब की शंभू सीमा पर अंबाला के पास शुक्रवार को प्रदर्शनकारी किसानों के अवरोधक की तरफ बढ़ने की कोशिश के दौरान हरियाणा पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के दागे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून और ऋण माफी सहित अपनी मांगों के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के मकसद से किसानों के 'दिल्ली चलो' आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। इस आंदोलन के चौथे दिन शुक्रवार को ताजा टकराव देखने को मिला। गतिरोध के बीच केंद्रीय मंत्री और किसान नेता चौथे दौर की वार्ता के लिए 18 फरवरी को मिलेंगे। दोनों पक्षों के बीच 8, 12 और 15 फरवरी को भी मुलाकात हुई थी लेकिन सभी वार्ता बेनतीजा रही।

जयंत ने क्यों छोड़ा इंडिया गठबंधन... नीतिश ने बताया कारण

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में जबरदस्त उथल पुथल मची हुई है। कई बड़े नेता गठबंधन से जा चुके हैं, यूपी में जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल भी बीजेपी के साथ जा चुकी है। इसके बाद विपक्ष की लड़ाई कमजोर होती दिख रही है। जयंत के इंडिया गठबंधन से दूर होने पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार का बयान आया है। उन्होंने बताया कि आखिर जंयत क्यों इंडिया गठबंधन को छोड़कर गए हैं। सीएम नीतीश ने कहा कि, हमने बहुत कोशिश की थी, हम नाम भी नहीं दे रहे थे, हमने दूसरा नाम दिया था। तब वे लोग अपनी तरफ से नाम दे दिए। बहुत लोग नाराज हो रहे थे, लेकिन हमने कहा कोई नहीं.. अब चल रहा है.. इसतरह ही चल रहा है वहां तब वैसे भी खत्म हो गया था। उस समय हमने कह दिया था सारी बात बता दी थी। हम बिहार के हित में काम करते हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ विरोधी गठबंधन की नींव नीतीश कुमार ने रखी थी और सबसे पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने में उन्होंने ही प्रमुख भूमिका निभाई थी, लेकिन गठबंधन को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब नीतीश ही इससे अलग होकर फिर बीजेपी के पाले में चले गए। इसके बाद रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने भी एनडीए के साथ जाने की घोषणा कर दी है। जयंत के जाने से यूपी में सपा और इंडिया गठबंधन को करारा झटका लगा है। वहीं बीजेपी पश्चिमी यूपी में और मजबूत हो गई है। एक तरफ बीजेपी पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव में जुटी हुई है। वहीं इंडिया गठबंधन में अब तक सीटों को लेकर भी फैसला नहीं हो पाया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी अपने दम पर चुनाव लडने का ऐलान कर चुकी है।

भड़काऊ मौलाना सलमान अजहरी की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

अरवल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से चर्चा में चल रहे मुंबई के मौलाना मुफ्ती सलमान अज़हरी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अरवल्ली की मोडासा सेशन कोर्ट ने मौलाना को भड़काऊ भाषण के मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मोडासा सेशन कोर्ट में आज हुई सुनवाई में मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी पर फैसला लिया गया, हालांकि सुरक्षा कारणों से मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी को अहमदाबाद की साबरमती जेल भेजा जाएगा।

मौलाना सलमान अज़हरी ने दिसंबर 2023 में कच्छ और जूनागढ़ में भड़काऊ भाषण दिया था, इतना ही नहीं इससे पहले मौलाना ने अरवल्ली जिले के मुख्यालय मोडासा में भी भड़काऊ भाषण दिया था। इसके बाद उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी7 इस पूरे मामले में मौलाना सलमान अज़हरी को पांच दिन की रिमांड पर लिया गया। आज मोडासा सेशन कोर्ट ने आरोपी मौलाना को रिमांड पूरी होने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है, इसके बाद अब मौलाना को सुरक्षा कारणों से अहमदाबाद की साबरमती जेल भेजा जाएगा।

मुफ्ती मौलाना सलमान अज़हरी ने अरवल्ली जिले के मुख्यालय मोडासा में भड़काऊ भाषण दिया था, इस मामले में मौलाना के खिलाफ मोडासा में भड़काऊ भाषण और एट्रोसिटी के तहत अपराध दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि मौलाना सलमान अज़हरी को सुरक्षा कारणों से शामलाजी पुलिस स्टेशन में रखा गया था और आज उन्हें अदालत में पेश किया गया। कोर्ट के न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद अब मौलाना को अहमदाबाद की साबरमती जेल में रखा जाएगा।

संदेशखाली पहुंची ममता की टीम, भाजपा और कांग्रेस नेताओं को रोका गया

-बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम नाव से पहुंची

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण का मामला तूल पकड़ा दिख रहा है। इतना ही नहीं ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। वहीं भाजपा सासंदों की टीम और कांग्रेस नेताओं ने संदेशखाली जाने की कोशिश की, तब उन्हें रास्ते में ही रोका गया। पुलिस ने शांति व्यवस्था की बात कहकर उन्हें बाहर ही रोक दिया। वहीं पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम संदेशखाली पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह टीम नदी के रास्ते नाव से संदेशखाली के धमाखाली गांव पहुंची है।

बता दें कि संदेशखाली की महिलाओं का कहना है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथी कई सालों से उनका यौन शोषण करते थे। वे डरा धमकाकर उनकी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे। इतना ही नहीं परिवार के पुरुष सदस्यों की पिटाई करते थे। इस काम में उनका साथ बंगाल पुलिस भी देती थी। शाहजहां के खिलाफ संदेशखाली की महिलाएं सड़क पर उतर चुकी हैं। वहीं राज्य की ममता बनर्जी सरकार ने शांति में खलल पड़ने का हवाला देकर राजनीतिक दलों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

भाजपा ने 16 फरवरी को दो मंत्रियों और चार अन्य सांसदों की एक टीम को संदेशखाली भेजा था। हालांकि राज्य की पुलिस ने भाजपा के सांसदों को रास्ते में ही रोक दिया। टीम का कहना था कि वह जानना चाहती है कि आखिर संदेशखाली में क्या हुआ और वहां जाने से लोगों को रोका क्यों जा रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी संदेशखाली जाने की कोशिश कर रहे थे। तभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो गई। इसके बाद अधीर रंजन चौधरी धरने पर बैठ गए।

भाजपा टीम की संयोजक केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णआ देवी ने कहा, हम पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना चाहते थे लेकिन हमें रोक दिया गया। अगर पहले ही आरोपियों को गिरफ्तार किया गया होता, तब यह दिन नहीं देखना पड़ता। इसके बाद यह टीम राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मिलने चली गई।

अजीत का सियासी दर्द छलका, सुप्रिया पर निशाना साधा कहा-अगर शरद पवार का बेटा होता तो...?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का सियासी दर्द कम नहीं हो रहा है। वे राज्य में उपमुख्यमंत्री है लेकिन कहीं न कहीं सीने से सियासी जलन जरुर हो रही है। यही वजह है कि आए दिन अजीत अपनी पीड़ा व्यक्त करते नजर आते हैं। एक बार फिर अजीत ने अपने चाचा शरद पवार का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर वह 'वरिष्ठ' नेता के बेटे होते तो आसानी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष बन जाते। इस बयान पर शरद पवार के वफादार माने जाने वाले पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि अजित महाराष्ट्र की राजनीति में इतनी तेजी से नहीं उभर पाते अगर वह शरद पवार के भतीजे नहीं होते। अजित के इस बयान पर पलटवार करते हुए शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से जुड़े विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सवाल किया कि अजित ने बगावत शुरू करने के बजाय चुनाव के जरिए पार्टी अध्यक्ष बनने की कोशिश क्यों नहीं की। आव्हाड ने कहा,

'अगर अजित पवार शरद पवार के भतीजे नहीं होते, तो उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में इतनी जल्दी अवसर नहीं मिलते। यही कारण है कि अजित पवार 1991 में सांसद, 1993 में विधायक और फिर (राज्य) मंत्री बने।' उन्होंने कहा, '1999 से 2014 तक अजित पवार के पास सभी महत्वपूर्ण विभाग थे। अजित के कृत्यों ने पार्टी की छवि को खराब किया लेकिन शरद पवार ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह अजित से जुड़े थे।'

अजित पवार ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन पर शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी को 'चोरी' करने का आरोप लगाया गया, लेकिन निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया है और इस बात की पुष्टि की है कि अजित गुट ही असली एनसीपी है। उन्होंने अपने चाचा का नाम लिए बिना कहा, 'यदि मेरा जन्म वरिष्ठ नेता के घर हुआ होता तो मैं स्वाभाविक रूप से पार्टी का अध्यक्ष बन जाता, बल्कि पार्टी मेरे नियंत्रण में आ जाती। लेकिन, मैं आपके भाई के घर पैदा हुआ।' अजित ने कहा कि समूचा परिवार उनके खिलाफ है, लेकिन पाटी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'हमें निशाना बनाया गया। कहा गया कि हमने यह फैसला (बीजेपी से हाथ मिलाने का) सिर्फ अपने खिलाफ जांचों को रोकने के लिए लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे साथ जो लोग हैं, उनमें से हर कोई जांच का सामना कर रहा है?' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कभी मंत्री नहीं बने और इसलिए उन पर कभी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। अजित ने कहा, 'जब आप कभी मंत्री नहीं बने, तो आपके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कैसे लगेंगे?ज्मेरे पास राज्य की जिम्मेदारी थी। जो लोग काम करते हैं, उन पर आरोप लगना तय है। जो लोग काम नहीं करते, उनका पाक साफ रहना तय है।' गौरतलब है कि शरद पवार की बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने अभी तक कभी मंत्री पद नही संभाला है।अजित पवार ने दावा किया कि यदि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के लिए शरद पवार की पसंद को मान लिया होता तो उनकी सराहना हो रही होती। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं जब पार्टी का अध्यक्ष बन गया तो हमारे बारे मे कहा गया कि हम किसी भी काम के नही हैं।' अजित ने कहा कि वह बारामती से एक ऐसा उम्मीदवार खड़ा करेंगे, जिसने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा हो लेकिन उस व्यक्ति के पास पर्याप्त अनुभव वाले समर्थक होंगे। अजित पवार ने कहा कि लोगों को इस उम्मीदवार को यह मानकर वोट देना चाहिए जैसे कि वह स्वयं चुनाव में उतरे हो।

नवलनी की मौत, ब्रिटिश सरकार ने रूसी दूतावास को बुलाया

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि वह यह स्पष्ट करने के लिए रूसी दूतावास को बुला रही है कि वह विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत के लिए रूसी अधिकारियों को पूरी तरह से जिम्मेदार मानती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आर्कटिक दंड कॉलोनी में नवलनी की मौत की पूरी तरह से और पारदर्शी तरीके से जांच की जानी चाहिए। ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नवलनी की मौत के लिए जवाब देना चाहिए। हमें इसके लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराना चाहिए। विदेश मंत्री कैमरन ने म्यूनिख में कहा, क्योंकि मेरे मन में कोई संदेह नहीं है, यह व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ, न्याय के लिए, लोकतंत्र के लिए एक बहादुर सेनानी था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी नवलनी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें रूसी लोकतंत्र का सबसे उग्र वकील कहा। रूसी जेल सेवा ने कहा कि रूस के सबसे प्रमुख विपक्षी नेता नवलनी शुक्रवार को पोलर वुल्फ दंड कॉलोनी में टहलने के बाद गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई, जहां वह लंबी जेल की सजा काट रहे थे।

कच्चा तेल लेकर भारत जा रहे टैंकर पर लाल सागर में हमला

पनामा (ईएमएस)। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि कच्चा तेल लेकर भारत जा रहे पनामा के झंडे वाले एक टैंकर पर लाल सागर में एक मिसाइल से हमला हुआ। विदेश विभाग के अनुसार, यमन से लांच की गई मिसाइल ने एम/टी पोलक्स को इसके बंदरगाह की ओर मारा। इससे पहले यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) एजेंसी और ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे ने कहा था कि पनामा-ध्वजांकित टैंकर को यमन से दूर मोखा बंदरगाह के उत्तर-पश्चिम में 72 समुद्री मील (133 किमी) की दूरी पर टक्कर मार दी गई थी। एंब्रे ने कहा कि जहाज...कथित तौर पर मामूली क्षति हुई है। चालक दल के सुरक्षित होने की खबर है। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय नौवहन पर अराजक हमलों का एक और उदाहरण है, जो हौथिस को बंद करने के लिए कई संयुक्त और अंतरराष्ट्रीय बयानों के बाद भी जारी है। एम/टी पोलक्स 24 जनवरी को रूस के काला सागर बंदरगाह शहर नोवोरोस्सिएस्क से रवाना हुआ था और 28 फरवरी को उस भारत के पारादीप में छुट्टी मिलनी थी। इंडियन ऑयल कंपनी की पूर्वी ओडिशा राज्य के पारादीप में 300,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल रिफाइनरी है। जहाज का स्वामित्व ओशनफ्रंट मैरीटाइम कंपनी एसए के पास है और इसका प्रबंधन सी ट्रेड मरीन एसए द्वारा किया जाता है। उन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। एंब्रे ने कहा कि एम/टी पोलक्स के उत्तर-पूर्व में तीन समुद्री मील की दूरी पर एक अन्य जहाज को टैंकर से दूर, बंदरगाह की ओर रास्ता बदलते हुए देखा गया।

जापान ने नया एच3 रॉकेट का किया परीक्षण

टोक्यो। जापान ने शनिवार को नया फ्लैगशिप एच3 रॉकेट का परीक्षण किया। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) इसला लाइव फीड सोशल मीडिया में शेयर किया है। यान को शनिवार सुबह कागोशिमा के दक्षिण-पश्चिमी प्रान्त में तनेगाशिमा द्वीप पर तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से परीक्षण किया गया। इसके दूसरे चरण के पृथक्करण की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि पहले इसे गुरुवार को परीक्षण करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम की स्थिति के कारण इसे पुनर्निर्धारित किया गया था। इससे पहले मार्च 2023 में इसका परीक्षण विफल रहा था। उस समय रॉकेट के दूसरे चरण का इंजन प्रज्वलित होने में विफल रहा था।

अमेरिकी सेना ने 24.9 डॉलर ऑर्डर का ठेका दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा विभाग ने वर्जीनिया स्थित रक्षा, विमानन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं बायोमेडिकल अनुसंधान कंपनी लेइडोस को स्वचालित इंस्टालेशन एंट्री सिस्टम प्रदान करने के लिए लगभग 25 करोड़ डॉलर का ठेका दिया है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया, लेइडोस वर्जीनिया को ऑटोमेटेड इंस्टालेशन एंट्री सिस्टम के लिए 24.9 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है रक्षा विभाग ने कहा कि अनुबंध पर काम आठ फरवरी, 2030 की अनुमानित समाप्ति तिथि के साथ लगभग छह साल तक का है। रक्षा विभाग ने कहा कि अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के एबरडीन में आर्मी प्रोविंग ग्राउंड्स में स्थित आर्मी कॉन्ट्रैक्टिंग कमांड अनुबंध गतिविधि के रूप में परियोजना पर काम की देखरेख करेगी।

ब्रिटेन में हत्या के 30 साल पुराने मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा

लंदन। लंदन की एक अदालत ने एक महिला की हत्या के 30 साल पुराने मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। संदीप पटेल (51) को 1994 में लंदन के वेस्टमिंस्टर इलाके में मरीना कोप्पेल नामक महिला के फ्लैट पर उन्हें कम से कम 140 बार चाकू मारकर उनकी हत्या करने का दोषी पाया गया और शुक्रवार को शहर की ओल्ड बेली अदालत में सजा सुनाई गई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि उसकी फोरेंसिक टीम कोप्पेल की अंगूठी पर मिले पटेल के बाल की बारीकी से जांच कर उसे न्याय के कटघरे में ले आई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ऑपरेशनल फॉरेंसिक मैनेजर और पुराने हत्या मामलों की जांच के लिए फॉरेंसिक प्रमुख डेन चेस्टर ने कहा, 'फोरेंसिक वैज्ञानिकों, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों, फोरेंसिक मैनेजर और जांच टीम की कड़ी मेहनत से मरीना की हत्या की गुत्थी सुलझ पाई है।'

पाकिस्तान में प्रमुख तालिबान कमांडर सहित सात आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने शनिवार को एक प्रमुख तालिबान कमांडर समेत सात आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता ने कहा कि उसने प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान चलाए और सात संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गयी है। उन्होंने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक प्रमुख कमांडर हसनैन मोआविया को लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आतंकवादी प्रतिबंधित संगठनों - टीटीपी, अल-कायदा और लश्कर-ए-झांगवी से संबंधित थे। आतंकवादियों के पास से एक हथगोला, 3,048 ग्राम विस्फोटक, दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), छह डेटोनेटर और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों ने प्रांत में हमला करने की योजना बनाई थी और वे उन शहरों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहते थे। यहीं से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आतंकवादियों के खिलाफ सात मामले दर्ज किए हैं और उन्हें आगे की जांच के लिए अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया है।

जेल में बंद पूर्व थाई पीएम थाकसिन रविवार को होंगे रिहा

बैंकॉक, । थाई प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को 18 फरवरी को रिहा किया जाएगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्याय विभाग ने कहा कि 74 वर्षीय थाकसिन इस महीने पैरोल के लिए स्वीकृत 930 कैदियों में से एक हैं। वह पैरोल के पात्र हैं क्योंकि उनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है और वह गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। थाकसिन को 15 साल से अधिक का अपना निर्वासन समाप्त कर अगस्त 2023 में थाईलैंड लौटने पर हिरासत में ले लिया गया और कई आरोपों में आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई। हालाँकि, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण उन्हें जल्द ही बैंकॉक जेल से अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और तब से वह अस्पताल में ही हैं। पिछले सितंबर में थाई राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने थाकसिन के शाही क्षमादान के अनुरोध के बाद उनकी जेल की सजा को घटाकर एक साल कर दिया था।

बुडापेस्ट में देश के राष्ट्रपति कातालिन नोवाक और पूर्व न्याय मंत्री जुडिट वर्गा के इस्तीफे के बाद एक प्रदर्शन में भाग लेते लोग।

संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को लेकर भारत ने पांच देशों को सुनाई खरी-खरी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद को लेकर भारत ने फिर अपना पक्ष जोरदार तरीके से रखा है। यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमूलचूल परिवर्तन हों। इसके अलावा स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों का विस्तार करे। न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद सुधार के मुद्दे पर कंबोज ने अपनी मांग रखी। बता दें कि भारत सहित कई देश हैं, जो कि सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। हालांकि चीन जैसे देश में नहीं चाहते कि इसमें कोई सुधार हो। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही 5 स्थायी सदस्यों का ही संयुक्त राष्ट्र में दबदबा रहा है। इसमें चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। इसकारण कई बार ज्यादा देशों की बात को अनदेखा किया जाता है। इसी मामले को लेकर फिर भारत ने पांचों देशों को जमकर लताड़ा है। भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि इन पांच स्थायी देशों की वजह से बाकी 188 देशों की सहमति या असहमति को तवज्जो नहीं दिया जाता है। कंबोज ने कहा, समावेशी विश्व को ध्यान में रखते हुए अब सुधार बहुत जरूरी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि केवल अस्थायी सदस्यों के विस्तार करने से समस्या का हल नहीं निकलेगा। सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र में समान अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अब तक अन्याय होता रहा है। ऐसे में अब एशियाई और अफ्रीकी देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जगह देनी जरूरी हो गई है। जब तक कमजोर देशों को भी अपनी बात रखने और उनके विचार को महत्व नहीं दिया जाएगा तब तक सबके हित में फैसले नहीं हो सकते है।

संयुक्त अरब अमीरात और कतर के पड़ोसी देश ने भारत से क्यों लिया करोड़ों का गोबर?

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त अरब अमीरात और कतर दौरे ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। मुस्लिम देशों में भारत की ताकत बढ़ती जा रही है। ओमान हो या सऊदी अरब, कतर हो या ईरान सभी भारत के साथ बड़े-बड़े समझौते कर रहे हैं। लेकिन आपको एक और मुस्लिम देश कुवैत के बारे में बताते हैं। कुवैत कुछ समय से भारत के साथ ऐसा व्यापार कर रहा है जो आपको हैरान कर देगा। कुवैत भारत से लाखों किलों गोबर खरीद रहा है। भारत लगातार कुवैत को गोबर बेचे भी जा रहा है।

कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने खजूर की खेती में गाय के गोबर को बहुत फायदेमंद पाया है। खजूर की फसल पर इसके सकारात्मक असर दिखने पर गोबर की मांग बढ़ी। इसके बाद कुवैत ने भारत से गाय का गोबर आयात करने का फैसला किया है। इससे पहले वैश्विक खाद्य संकट के बीच कुवैत ने भारत से गेहूं भेजने का अनुरोध किया था। अब कुवैत ने अपने देश में खजूर की फसल को बढ़ाने के लिए भारत से लाखों किलो गोबर खरीदना शुरू कर दिया।

भारत में गोबर के उपले का इस्तेमाल ईंधन के रूप में किया जाता है। चीन और ब्रिटेन में बिजली और गैस बनाने में भी गोबर का इस्तेमाल होता है। हालांकि लंबे समय से गोबर का इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जाता रहा है। जिससे पैदावार पर बड़ा असर पड़ता है। भारत में लंबे समय से गोबर का इस्तेमाल गैस और ईंधन के तौर पर किया जा रहा है। भारत में लगभग 30 करोड़ मवेशी हैं। जिनसे हर रोज लगभग 30 लाख टन गोबर का उत्पादन होता है।

पाक चुनाव : पीएमएल-एन ने अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग को लेकर पीटीआई की आलोचना की

लाहौर। पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में कथित 'धांधली' के मामले में अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग को लेकर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी की आलोचना की है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने कहा, 'यह पाकिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ है।' पीएमएल-एन नेता मरियम औरंगजेब ने अमेरिका को आमंत्रित करने के लिए खान और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को आड़े हाथ लिया। खान ने बृहस्पतिवार को अमेरिका को भेजे विशेष संदेश में कहा कि उसे भूमिका निभानी चाहिए और पाकिस्तान के आम चुनाव में हुई 'धांधली' के बारे में चिंता व्यक्त करनी चाहिए। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की वेबसाइट पर शुक्रवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक मरियम ने पार्टी नेता अताउल्लाह तरार के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खान द्वारा अमेरिका को देश के चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रित करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं, हम गुलाम नहीं हैं! यह पाकिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ है।' 'द न्यूज इंटरनेशनल' के अनुसार, पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता ने आठ फरवरी के चुनावों में कथित धांधली के खिलाफ अमेरिकी मदद मांगने के लिए पीटीआई की आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि 'आपके अनुसार, अमेरिका ने साजिश रची थी और आपकी सरकार को उखाड़ फेंका था। पीटीआई ने अविश्वास प्रस्ताव के जरिए अमेरिका पर उसकी सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

फर्जीवाड़े में फंसे ट्रंप- कोर्ट ने ठोका 29 हजार करोड़ का जुर्माना

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। हाल ही में न्यूयॉर्क की एक अदालत के जज ऑर्थर एन्गोरोन ने धोखाधड़ी केस में ट्रम्प और उनकी कंपनियों पर लगभग 355 मिलियन डॉलर यानी 29.46 हजार करोड़ रुपये के दंड भुगतान करने का आदेश दिया है।अदालती आदेश में कहा गया है कि ट्रम्प को जुर्माने की उस राशि पर लाखों डॉलर का ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा अदालत ने डोनाल्ड ट्रम्प पर न्यूयॉर्क कॉरपोरेशन में किसी अधिकारी या निदेशक के रूप में कार्य करने पर भी रोक लगा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ट्रम्प राज्य में तीन साल के लिए दूसरी अन्य कानूनी संस्थाओं में भी कोई पद नहीं संभाल सकते हैं और साथ ही अपनी किसी भी रजिस्टर्ड कंपनी के लिए किसी भी वित्तीय संस्थान से लोन के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने ट्रम्प के दोनों बेटों, डोनाल्ड जूनियर और एरिक- जो 2017 से ही ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन का जिम्मा संभाल रहे हैं, पर भी जुर्माना लगाया है। दोनों बेटों को धोखाधड़ी से व्यक्तिगत लाभ अर्जित करने के आरोपों पर 4 मिलियन डॉलर यानी 33.19 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा कोर्ट ने इन दोनों को दो साल तक ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन में अधिकारी के रूप में काम करने पर भी रोक लगा दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प ने कर्जदाताओं को धोखा दिया है और अपनी कंपनियों की संपत्ति मूल्य को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। मैनहट्टन कोर्ट के 90 पन्नों के इस फैसले की वजह से डोनाल्ड ट्रम्प का रियल एस्टेट साम्राज्य खतरे में आ गया है। कोर्ट में इस केस की सुनवाई करीब तीन महीने से चल रही थी।

पाकिस्तान सेना का इमरान को प्रस्ताव, माफी मांगे और कहे अब दुबारा ऐसा नहीं होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में चुनाव के नतीजे आने के बाद करीब एक सप्ताह का वक्त बीच चुका है, लेकिन अभी सरकार का गठन नहीं हुआ है। एक ओर नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने शहबाज शरीफ को कुर्सी पर बिठाने की तैयारी कर ली है। वहीं पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने उमर अयूब को अपना पीएम कैंडिडेट घोषित किया है। इमरान की पार्टी को इस बार सिंबल नहीं मिला था। इसकारण पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन दिया था, जिसमें 93 ने जीत हासिल की है। यह सबसे बड़ा आंकड़ा है, जबकि दूसरे नंबर पर नवाज शरीफ की पार्टी है, जिसने 75 सीटों पर विजय हासिल कर सकी है।

तीसरे नंबर पर पीपीपी को 54 सीटें मिली हैं। चर्चा है कि सेना की सहमति से शहबाज को ही पीएम बनने का फैसला हुआ है। इसके लिए नवाज शरीफ भी राजी हो गए हैं। इसके लिए पीएमएल-एन और पीपीपी एकजुट हो रहे हैं। वहीं इमरान की पार्टी भी अपने दांव चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने इमरान से भी इसके लिए संपर्क किया था। उन्हें पीएम का पद इस शर्त पर ऑफर किया गया था कि वह 9 मई को हुई हिंसा को लेकर माफी मांग लें। इसके अलावा वादा करें कि सेना के खिलाफ अब कभी कोई घटना नहीं होगी और वह बयानबाजी भी नहीं करने वाले। हालांकि इस डील पर बात नहीं बन सकी है। पाकिस्तान के पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी नईम खालिद लोधी ने डील पर चर्चा होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी है कि सेना ने इमरान से इनडायरेक्ट बातचीत की थी। इमरान को सेना की ओर से भेजे संदेश में कहा गया था कि वह मानें की 9 मई की हिंसा की साजिश उन्होंने रची थी। इसके लिए माफी मांगें और कहें कि आगे से ऐसा नहीं होगा। लोधी ने कहा कि इस पर इमरान ने कहा कि मैं उन लोगों को हटा दूंगा, जिन पर हिंसा में शामिल रहने का आरोप है। उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। लेकिन यह बात मानने से इंकार कर दिया कि उस हिंसा में उनका कोई रोल था।

अमेरिका चुनाव: भारतवंशी के खिलाफ मैदान में उतरेंगी कमला हैरिस

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव अब और रोचक होते जा रहे हैं। यहां भारतवंशी कमला हेरिस के खिलाफ एक और भारतवंशी मैदान में हैं इसलिए यह मुकाबला और रोचक हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चार बार सांसद रह चुकीं तुलसी (42) साल 2020 में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं लेकिन रेस में काफी पीछे रह गई थीं। अमेरिकी संसद छोड़ने के बाद तुलसी ने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी भी छोड़ दी थी। इस दौरान उन्होंने खुद को रिपब्लिकन पार्टी के अधिक करीब होने की बात कही थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल की पूर्व सांसद तुलसी गबार्ड के संपर्क में बने हुए हैं। दोनों के बीच विदेश नीति और रक्षा मामलों सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन इन सबसे अधिक महत्वपूर्ण ये है कि तुलसी को

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का संभावित उम्मीदवार बनाया जा सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चार बार सांसद रह चुकीं तुलसी (42) साल 2020 में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं लेकिन रेस में काफी पीछे रह गई थीं। अमेरिकी संसद छोड़ने के बाद तुलसी ने 2022 में डेमोक्रेटिक पार्टी भी छोड़ दी थी।

इस दौरान उन्होंने खुद को रिपब्लिकन पार्टी के अधिक करीब होने की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और उनके शीर्ष सलाहकारों ने तुलसी से विदेश नीति के बारे में बात की थी। इस दौरान यह भी चर्चा की गई कि ट्रंप के दूसरे संभावित कार्यकाल में रक्षा विभाग को किस तरह चलाया जाना चाहिए। इससे पहले तुलसी ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में बताया था कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार बनने के लिए चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था कि मैं इस चर्चा के लिए तैयार हूं। जीवन में मेरा मिशन हमारे देश और अमेरिकी लोगों की सेवा करना है। इसके साथ ही ऐसा करने के लिए बेहतरीन तरीके खोजना है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ट्रंप ने पिछले साल भी निजी तौर पर तुलसी से मुलाकात की थी। अगर तुलसी गबार्ड को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाता है। इसका मतलब है कि उनका मुकाबला सीधे तौर पर एक और भारतवंशी कमला हैरिस से होगा। कमला हैरिस इस बार भी डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति चुनाव लड़ सकती हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय वार्ता में उठाया कनाडा का मुद्दा

बर्लिन। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। इसी बीच कनाडा में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर दोनों देशों में राजनयिक विवाद के बीच विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कनाडा की अपनी समकक्ष मेलानी जोली के साथ द्विपक्षीय संबंधों की मौजूदा स्थिति और वर्तमान वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने शुक्रवार को यहां जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर मुलाकात की। यह बैठक पिछले साल कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में कड़वाहट के बीच हुई है। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2024 के मौके पर कनाडा की अपनी समकक्ष विदेश मंत्री मेलानी जोली से मुलाकात की। हमारी बातचीत स्पष्ट रूप से हमारे द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति पर केंद्रित थी। वैश्विक स्थिति पर भी सार्थक चर्चा हुई। जोली ने भी 'एक्स' पर जयशंकर के साथ मुलाकात के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2024 में डॉक्टर एस.जयशंकर और मेरे बीच कनाडा-भारत संबंधों तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण समेत वर्तमान वैश्विक मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता को लेकर 18 सितंबर को कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव आ गया था।

जेल में बंद रुसी राष्ट्रपति विरोधी नेता की संदिग्ध मौत पर बाइडेन ने पुतिन को जिम्मेदार ठहराया

मास्को (एजेंसी)। रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कट्टर विरोधी एलेक्सी नवलनी की अचानक मौत हो गई है। वे रुस की जेल में सजा काट रहे थे। इस मामले में यमालो-नेनेट्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट प्रशासन ने आधिकारिक बयान में बताया कि शुक्रवार को जेल में चहलकदमी के बाद नवलनी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। नवलनी की मौत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर पुतिन को जिम्मेदार ठहराया है।अपने बयान में बाइडेन ने कहा, आप जानते हैं, दुनिया भर के लाखों लोगों की तरह मैं भी सचमुच एलेक्सी नवलनी की कथित मौत की खबर से आश्चर्यचकित नहीं हूं बल्कि गुस्से में हूं। वह पुतिन सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार और हिंसा तथा अन्य सभी बुरे कामों के खिलाफ बहादुरी से खड़े होकर लड़ रहे थे। जवाब में पुतिन ने उन्हें गिरफ्तार कर जहर दे दिया। उस पर मनगढ़ंत अपराधों के लिए मुकदमा चलाया। उन्हें आइसोलेशन में रखा गया था। लेकिन जेल में भी एलेक्सी सच्चाई की एक सशक्त आवाज थे।

एलेक्सी नवलनी की मौत के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराते हुए बाइडेन ने कहा, 2020 में जब उनकी हत्या का प्रयास हुआ था तो वह चाहते तो इसके बाद निर्वासन में सुरक्षित रूप से रह सकते थे, क्योंकि तब वह अपने देश में भी नहीं थे, लेकिन वह यह जानते हुए भी रूस लौट आए कि वहां या तो उन्हें कैद कर लिया जाएगा या उनकी हत्या हो सकती है। लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया क्योंकि वह अपने देश, रूस से प्यार करते थे और बहुत गहराई से विश्वास करते थे। उनकी मौत की खबर यदि सच है और मेरे पास इस पर विश्वास नहीं करने का कोई कारण नहीं है, तो रूसी अधिकारी अपनी कहानी खुद बताने जा रहे हैं। लेकिन कोई गलती न करें। नवलनी की मौत के लिए केवल पुतिन जिम्मेदार हैं।इससे पहले यमालो-नेनेट्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट प्रशासन ने आधिकारिक बयान में बताया कि शुक्रवार को जेल में चहलकदमी के बाद नवलनी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उन्होंने तबियत ठीक नहीं होने की जानकारी दी थी, जिसके बाद वे बेहोश हो गए थे। इसके बाद मेडिकल स्टाफ को बुलाया गया, लेकिन वह होश में नहीं आ पाए। हालांकि, अभी उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नवली को लेकर कई बार अफवाहें भी

सामने आती रही हैं। इससे पहले 2020 में उन्हें साइबेरिया में जहर देकर मारने की भी खबर सामने आई थी। हालांकि, रूसी सरकार ने उन्हें मारने की कोशिशों से इनकार किया था। सरकार का कहा था कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उन्हें नर्व एजेंट से जहर दिया गया था।

अमेरिका की महिलाओं ने आठवीं बार विश्व वाटर पोलो खिताब जीता

दोहा,

संयुक्त राज्य अमेरिका की महिला वाटर पोलो टीम ने शुक्रवार को विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल मैच में हंगरी को 8-7 से हराकर अपना आठवां विश्व खिताब हासिल किया। चौथे क्वार्टर में आगे बढ़ते हुए, फ़ाइनल 5-5 पर गतिरोध पर था। हालाँकि, अमेरिका ने राचेल फट्टल, मैगी स्टीफ़ेंस और रयान नेशुल के महत्वपूर्ण गोलों से रैली की, जिससे उन्हें 8-5 की बढ़त मिल गई। हंगरी की देर से वापसी के बावजूद, अमेरिका ने 8-7 के अंतिम स्कोर के साथ जीत सुनिश्चित की। यह जीत पिछले छह विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में संयुक्त राज्य अमेरिका के पांचवें खिताब का भी प्रतीक है, जिसने वाटर पोलो में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। इससे पहले दिन में स्पेन ने ग्रीस को 10-9 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

ज्योति ने स्वर्ण पदक के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

तेहरा।

ज्योति याराजी ने शनिवार को एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में 60 मीटर बाधा दौड़ में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता। याराजी ने फाइनल में आश्चर्यजनक रूप से 8.12 सेकंड का समय लेकर जीत की ओर कदम बढ़ाया। ज्योति याराजी अब 60 मीटर बाधा दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड छह बार तोड़ चुकी हैं। ज्योति ने पिछले साल 8.20 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था, फिर इसे चार बार हराकर 8.13 सेकंड में पूरा किया। ज्योति ने दिन की शुरुआत में अपनी गर्मी पर काबू पाते हुए 8.22 सेकंड का समय रिकॉर्ड किया। ज्योति ने प्रतियोगिता के अंतिम चरण में खुद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। इससे पहले, हरमिलन बैंस ने भी 1500 मीटर फाइनल में 4:29.55 के समय के साथ फिनिश लाइन पार करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। उनके शानदार प्रदर्शन ने ट्रैक पर भारत के प्रभुत्व की नींव रखी। भारत ने पिछले साल पहले ही बेहतर प्रदर्शन किया है, जब केवल ज्योति याराजी स्वर्ण पदक लेकर लौटीं, पहले दिन दो स्वर्ण पदक जीते। मैदानी स्पर्धाओं में शैली

सिंह और नयना जेम्स ने लंबी कूद के फाइनल में अपना कौशल दिखाया और सराहनीय प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पांचवां और छठा स्थान हासिल किया।

हालांकि पोडियम से पीछे रहने के बावजूद, उनके प्रयासों ने भारत की तालिका में मूल्यवान अंक जोड़े। अजय कुमार सरोज (1500 मीटर), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), धनवीर (शॉट पुट), और तेजस शिरसे (60 मीटर बाधा दौड़) शाम के सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट : भारत मजबूत स्थिति में

- यशस्वी जयसवाल का शतक, भारत की कुल बढ़त 322 रनों की

राजकोट ।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में 126 रन की बढ़त के बाद यशस्वी जायसवाल के शतक की बदौलत दो विकेट के नुकसान पर 196 रन बना लिए हैं और अब भारत ने कुल बढ़त 322 की कर ली है।

इस समय शुभमन गिल 66 और कुलदीप यादव 3 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। यशस्वी जयसवाल 104 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए, वहीं रजत पाटीदार दूसरी पारी में भी कुछ नहीं कर सके उन्होंने 10 गेंदों का सामना किया और अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट तथा टॉम हार्टने ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने टेस्ट के तीसरे दिन 207/2 के स्कोर के आगे खेलना शुरु किया और पूरी टीम 319 रन पर ढेर हो गया। अपनी पहली पारी इंग्लैंड की टीम 71.1 ओवर में 319 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से बेन डकेट ने 151 गेंदों पर 153 रन बनाए जिसमें 23 चौके और 2 छक्के शामिल थे। डकेट के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज इतना शानदार प्रदर्शन नहीं कर सका। उनके अलावा कप्तान बेन स्टोक्स ने 41 रन और ऑली पॉप ने 39 रन बनाये।

वहीं भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए। मोहम्मद सिराज के अलावा कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट झटके जबकि जसप्रीत बुमराह और रवि आश्विन को एक-एक विकेट मिला।

कुलदीप यादव (77 रन देकर दो विकेट) ने लय हासिल कर भारत को तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के पहले सत्र में दबदबा बनाने में मदद की जिससे इंग्लैंड की टीम शनिवार को लंच तक

पांच विकेट पर 290 रन बनाकर जूझ रही थी।

हालांकि, लंच के बाद जडेजा तो बेन स्टोक्स को जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच करवा भारत की मैच में मजबूत वापसी कर दी। इसके अलग ही ओवर की पहली गेंद पर बेन फॉक्स भी आउट हो गए। इंग्लैंड के 224 रन के स्कोर पर सिर्फ दो विकेट गिरे थे जिसके बाद अगले 95 रनों में पूरी टीम पेवलियन लौट गई।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने जम्मू-कश्मीर में बैट फैक्ट्री का किया दौरा

श्रीनगर। क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा शहर में एक क्रिकेट बैट निर्माण कारखाने का दौरा किया। पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ सचिन ने अनंतनाग जिले के अवंतीपोरा के चेरसू इलाके में एमजे क्रिकेट बैट निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया। फैक्ट्री का स्वामित्व दो भाइयों - मंजूर अहमद और जावेद अहमद के पास है, जो चेरसू क्षेत्र से हैं। सचिन ने प्रसिद्ध कश्मीर विलो बैट की निर्माण प्रक्रिया में विशेष रुचि दिखाई। चमगादड़ उच्च गुणवत्ता के माने जाते हैं जो अपनी कठोरता, टिकाऊपन और मजबूती के लिए जाने जाते हैं।

बेटे को टेस्ट कैप पहना देखकर माता-पिता हुए भावुक

आगरा । भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। भारत की पहली पारी 445 रन पर खत्म हो गई। फिलहाल इंग्लैंड की पहली पारी जारी है। टेस्ट सीरीज में आगरा के युवा विकेटकीपर और बल्लेबाज ध्रुव जुरैल ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया है। इधर, बेटा के टेस्ट कैप पहना देखकर उनके माता-पिता भी भावुक हो गए। पहली पारी में ध्रुव ने शानदार 46 रनों की पारी खेली। कई पूर्व क्रिकेटर उनके टेम्परामेंट की लगातार तारीफ कर रहे हैं। ध्रुव के पिता नेम सिंह जुरैल ने कहा कि उनके बेटे ने अच्छी पारी खेली है। उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनका बेटा टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करेगा। डेब्यू में खिलाड़ी नर्वस होते हैं, लेकिन मुझे दिखाई नहीं दिया कि ध्रुव नर्वस है। बड़ी खुशी है कि बेटा टेस्ट सीरीज में शामिल हुआ है। सुबह से ही वह उसकी लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे थे। मथुरा में बांके बिहारी के दरबार में भी पूजा करने गए थे। ध्रुव की मां रजनी ने बताया कि उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई। सुबह उठते ही पूजा अर्चना करने में जुट गई। बेटे को टीवी पर खेलता हुआ देखना उनका सपना था। जो आज पूरा हो गया। हालांकि वह ज्यादा देर तक टेस्ट मैच नहीं देख पाई क्योंकि बेटे को खेलते देख अलग सी घबराहट होती है कि कहीं आउट ना हो जाए। जब तक बेटा मैच खेलता रहा तब तक वह भगवान के सामने हाथ जोड़कर घर में ही पूजा करती रही।

मनोज तिवारी ने रणजी ट्रॉफी मैच के बाद सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

कोलकाता ।

पूर्व भारतीय और बंगाल क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बिहार के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। 2004 में बंगाल के लिए पदार्पण करने वाले तिवारी ने 48.56 की औसत से लगभग 10,000 प्रथम श्रेणी रन, 29 शतक और 45 अर्धशतक बनाए।

42.28 के औसत से उन्होंने 169 लिस्ट ए गेम्स में 5581 रन बनाए हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में तिवारी ने कहा, सभी को नमस्कार, तब... यह एक आखिरी पारी का समय है! संभवतः अपने प्रिय 22 गज की ओर लंबी सैर के लिए आखिरी बार। मुझे इसकी हर चीज याद आएगी! उन्होंने कहा, कई सालों तक मुझे प्रोत्साहित करने और प्यार करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। अगर आप सभी कल और परसों मेरे पसंदीदा ईडन गार्डन में बंगाल का उत्साह बढ़ाने आए तब अच्छा लगेगा। क्रिकेट का एक वफादार सेवक, आपका मनोज तिवारी।

2011 और 2012 में कुछ मौके मिलने से पहले, 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद तिवारी को तीन साल लंबा इंतजार करना पड़ा। दिसंबर 2011 में चेन्नई में, उन्होंने अपने 12 मैचों के एकदिवसीय करियर में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना एकमात्र शतक बनाया। 2014 में, फिर बाहर होने और कई चोटों से जूझने के बाद उन्हें बांग्लादेश में एक वनडे के लिए वापस बुलाया गया। उन्होंने अपनी अंतिम श्रृंखला उसी वर्ष जुलाई में जिम्बाब्वे में खेली। तिवारी आईपीएल में पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स (पूर्व में दिल्ली डेयरडेविल्स) और राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिए खेल चुके हैं। भारतीय क्रिकेट में तिवारी की यात्रा उतार-चढ़ाव के एक रोलरकोस्टर की तरह है, जो दुर्भाग्यपूर्ण असफलताओं से घिरे वादे के क्षणों से चिह्नित है।

बंगाल से आने वाले, घरेलू क्रिकेट में तिवारी के शुरुआती कारनामों ने ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से 2006-07 रणजी ट्रॉफी में उनके शानदार प्रदर्शन कर 99.50 की औसत से 796 रन बनाए और साथ ही कई रिकॉर्ड भी तोड़े।

यशस्वी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की ली जमकर खबर

नई दिल्ली ।

शानदार फॉर्म में चल रहे युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने तीसरे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। यशस्वी के दूसरी पारी में शानदार शतक की बदौलत भारतीय टीम बड़ी बढ़त की ओर अग्रसर है। पहली पारी में 10 रन बनाने वाले यशस्वी ने दूसरी पारी में 122 गेंदों पर 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से टेस्ट करियर का तीसरा शतक ठोंक दिया। यशस्वी इस समय बेजोड़ फॉर्म में हैं। दूसरे विकेट के लिए उन्होंने शुभमन गिल के साथ 100 से ज्यादा रन की साझेदारी की। जायसवाल का यह 29 पारियों में चौथा इंटरनेशनल शतक है। शतक से पहले उन्होंने शुरुआती 35 रन 73 गेंदों पर बनाए जबकि इसके बाद आखिरी 49 गेंदों पर 75 रन ठोक दिए।

इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर ढेर होने के बाद भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा 19 गेंदों पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। रोहित को पार्ट टाइम स्पिनर जो रूट ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। पहला विकेट 30 के स्कोर पर गिरने के बाद यशस्वी को शुभमन गिल का साथ मिला। दोनों ने मिलकर पारी को संभाला। एक ओर जहां यशस्वी ने आक्रामक रुख अख्तियार किया वहीं दूसरे छोर पर गिल एक एक रन लेकर अपने साथी को स्ट्राइक देते रहे। नतीजतन भारतीय टीम इस समय अच्छी स्थिति में पहुंच गई है। जायसवाल ने विशाखापत्तन में सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने पहली पारी में 209 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में वह 17 रन बनाकर आउट हुए थे। हैदराबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच भारत ने बेशक गंवा दिया हो लेकिन वहां भी यशस्वी ने पहली पारी में 80 रन बनाए थे वहीं दूसरी पारी में वह 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। इस टेस्ट मैच की पहली पारी में मेहमान टीम की ओर से ओपनर बेन डकेट ने 153 रन की पारी खेली। साल 2000 के बाद भारत में टेस्ट मैचों में यह किसी बल्लेबाज का सबसे तेज 150 रन की पारी है।डकेट ने 151 गेंदों में यह पारी खेली।

दोहरा शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बनी अनाबेल

पर्थ ।

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड ने महिला टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक लगा दिया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन 248 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। इसके पहले सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की ही केरेन रोल्टन के नाम था, जिन्होंने 2001 में लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 306 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया था। 22 साल की अनाबेल 256 गेंद में 210 रन बनाकर आउट हुईं। उनके दोहरे शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी 9 विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित की जो महिला टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 76 रन पर ढेर हुई थी। दूसरी पारी में भी द.अफ्रीका ने दिन का खेल खत्म होने तक 67 रन पर 3 विकेट गंवा दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी के आधार पर 432 रन से पिछड़ रहा है। अनाबेल हालांकि एलिस पैरी के 2017 में बनाए नाबाद 213 के ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने से चार रन से चूक गईं। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी अनाबेल ने शुरुआती 35 गेंद में सिर्फ 7 रन बनाए लेकिन लय में आने के बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर 27 चौके और 2 छक्के मारे। महिला टेस्ट क्रिकेट में अनाबेल से बड़ी व्यक्तिगत पारियां पाकिस्तान की किरण बलूच (242), भारत की मिताली राज (214) और एलिस ने ही खेली हैं। अनाबेल साथ ही दोहरा शतक जड़ने वाली ऑस्ट्रेलिया की सबसे युवा खिलाड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे युवा बल्लेबाजी बनीं। वह दोहरा शतक जड़ने वाली दुनिया की 9वीं बल्लेबाज हैं।

गुजरात जायंट्स ने जर्सी का अनावरण किया

सीजन 2 के लिए तैयारी शुरू की

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में शुरू होने वाले डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन से पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाले गुजरात जायंट्स ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जर्सी का अनावरण करने की तैयारी शुरु कर दी है। गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर और मेंटर मिताली राज समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने शाम को प्रशिक्षण से पहले टीम को नई जर्सी प्रदान की। द जाइंट्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलियाई रन-मशीन बेथ मूनी करेंगी, जबकि भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा उप-कप्तान होंगी। इस सीजन के डब्ल्यूपीएल की तैयारी में, नारंगी रंग की टीम ने बेंगलुरु के गार्डन सिटी में बड़े उत्साह के साथ प्रशिक्षण शुरू किया, और जैसे-जैसे वे अपने पहले गेम के करीब पहुंच रहे हैं, कड़ी मेहनत कर रहे हैं। गुजरात जायंट्स 25 फरवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। जबकि माइकल क्लिंगर मुख्य कोच हैं और मिताली राज मेंटर और सलाहकार हैं, भारत के सबसे प्रसिद्ध स्पिनरों में से एक नूशिन अल खादीर इस सीज़न में टीम के लिए बॉलिंग कोच हैं।

मुख्य कोच क्लिंगर ने कहा, यह डब्ल्यूपीएल का एक नया सत्र हैं, हम इस लेकर उत्साहित हैं। लेकिन हमें अपने प्रशंसकों के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। हमारे पास अपने खिलाड़ियों के लिए कुछ योजनाएं हैं, और सभी के लिए भूमिकाएं भी अच्छी तरह से परिभाषित हैं, हमें उम्मीद है कि खिलाड़ी हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ संस्करण बने। यहां देखने के लिए बहुत कुछ है, और टीम आगामी सीजन को लेकर उत्साहित है, और एक बार चीजें शुरू होने पर हम अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हैं। मिताली ने कहा, डब्ल्यूपीएल

महिला क्रिकेट के लिए बड़ा मंच है, और टीम अपने शुरुआती गेम के लिए जो भी आवश्यक हो, टीम का समर्थन करने के मामले में जबरदस्त रही है। हमारे पास एक अच्छी तरह से संतुलित टीम है जिसमें बहुत सारे युवा और वरिष्ठ खिलाड़ी हैं और साथ में, हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तत्पर रहते हैं।

जब आउट होने के बाद फिर से बल्लेबाजी करने उतरे रहाणे

मुंबई । असम और मुंबई के बीच चल रहे रणजी मैच के दौरान अजिंक्य रहाणे को उनके 16 साल के क्रिकेट करियर में पहली बार फील्डिंग में बाधा पहुंचाने के लिए आउट किया गया। हालांकि थोड़ी देर बाद असम की टीम के अपील के वापस लेने पर रहाणे ने फिर से बल्लेबाजी शुरु की।एक समय पर मुंबई की टीम चार विकेट के नुकसान पर 102 रन बनाकर खेल रही थी और रहाणे का निजी स्कोर 18 रनों का था। इसके बाद उन्होंने एक गेंद को मिड ऑन की तरफ ड्राइव करते हुए सिंगल लेने का प्रयास किया, लेकिन उनके पार्टनर शिवम दुबे ने मना कर दिया। रहाणे काफी आगे आ चुके थे और असम के कप्तान डेनिश दास ने गेंद को उठा कर कीपर की तरफ थ्रो कर दी। लेकिन रहाणे को जाकर लग गई, जो क्रीज में वापस आने का प्रयास कर रहे थे। इसके बाद असम के सभी खिलाड़ियों ने फील्डिंग में बाधा पहुंचाने के लिए आउट की अपील की और फील्ड अंपायर के द्वारा अपील को स्वीकार भी कर लिया गया। इस फैसले के ठीक बाद अंपायर ने टी ब्रेक की भी घोषणा कर दी। असम के पहली पारी में 84 रनों के जवाब में मुंबई के पांच बल्लेबाज मात्र 105 रन पर ही आउट हो चुके थे। हालांकि असम ने टी ब्रेक के दौरान अपील वापस लेने का फैसला लेकर अंपायरों को बता दिया। नियमों के अनुसार अगली गेंद फेंकने से पहले आउट करने की अपील को वापस लेना पड़ता है और बल्लेबाज तब ही फिर से बल्लेबाजी करने वापस आ सकते हैं, जब अंपायर इस स्वीकार कर लें। फलस्वरूप 20 मिनट के बाद रहाणे मैदान पर बल्लेबाजी करने आए। हालांकि रहाणे जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और मात्र चार रन जोड़कर 22 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। रहाणे जब बल्लेबाजी करने आए थे, तब मुंबई की टीम 60 के स्कोर पर चार विकेट गंवा कर खेल रही थी। इसके बाद रहाणे ने शिवम दुबे के साथ मिलकर एक अर्धशतकीय साझेदारी की।

रहाणे का यह रणजी सीज़न अब तक निराशाजनक रहा है और उन्होंने आठ पारियों में 16.00 की औसत से सिर्फ़ 112 रन बनाए हैं।

काइल जैमीसन को लगा बड़ा झटका, एक साल नहीं खेल पाएंगे क्रिकेट

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन लगभग एक साल के लिए बाहर हो गए हैं। खबर है कि उनकी पीठ में एक और स्ट्रेस फैक्चर आ गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के बाद स्कैन में उसी स्थान पर एक नई चोट दिखाई दी, जहां पिछले साल जैमीसन का ऑपरेशन किया गया था। चोट की प्रकृति का मतलब है कि उन्हें आगे की सर्जरी नहीं करानी पड़ेगी लेकिन चोट को ठीक होने का सबसे अच्छा मौका देने के लिए आराम और पुनर्वास की अवधि की आवश्यकता होगी। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को जैमिसन के लिए बहुत बुरा लगा। उन्होंने कहा, हम सभी ने देखा है कि जैमिसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए कितनी मेहनत की है और उनके लिए इस तरह का झटका मिलना बहुत कठिन समय है। सकारात्मक पक्ष पर हम जानते हैं कि वह न्यूजीलैंड के लिए क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए कितना दृढ़ है और हम आगे पुनर्वास पथ पर पूरी तरह से उसके साथ रहेंगे। उनका संकल्प कम नहीं हुआ है। वहीं जेमिसन ने अपने एक बयान में कहा कि हालांकि यह खबर कठिन थी, लेकिन खेल में वापसी करने का उनका दृढ़ संकल्प डगमगाया नहीं। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि एक क्रिकेटर के रूप में चोटें जीवन का हिस्सा हैं और इस उम्र में मुझे उम्मीद है कि मेरे पास अभी भी खेलने के कई दिन बाकी हैं। जैमिसन ने कहा, पिछले कुछ दिन मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं लेकिन मैं अपने साथी, परिवार, टीम के साथियों, सहयोगी स्टाफ और चिकित्सा पेशेवरों से मिले समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं।

फिल्में भूल सकते हैं, लेकिन गाने हमेशा याद रखेंगे: शिल्पा शेट्टी

बालीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का कहना है कि फैंस शायद मेरी फिल्में भूल सकते हैं, लेकिन मेरे गाने हमेशा याद रहे हैं। फिल्मों में गानों के साथ-साथ अपने निभाए किरदारों के यादगार होने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मुझे खुशी है कि लोग ऐसा महसूस करते हैं।

1993 में बाजीगर से डेब्यू करने वाली शिल्पा ने कहा, मुझे लगता है कि 90 के दशक की फिल्में गोल्ड थीं। आप फिल्मों को भूल सकते हैं, हो सकता है कि मेरी फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर अच्छी नहीं रही, लेकिन मेरे गाने हमेशा अच्छा परफॉर्म करते हैं। हो सकता है कि आपको मेरे द्वारा निभाए गए किरदार का नाम याद न हो, लेकिन आपको मेरे गाने के नाम जरुर याद होंगे। मैंगलोर में जन्मी स्टार अपने करियर का श्रेय म्यूजिक को देती हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं म्यूजिक को सारा श्रेय देती हूं क्योंकि हमारे बहुत सारे करियर इसी के आधार पर बने हैं। मैंने सभी म्यूजिक कंपनियों के साथ फिल्में की, क्योंकि उन्होंने मुझे लकी पाया और मैं भी इस बात पर जोर देती हूं कि म्यूजिक कितना जरुरी है। एक्ट्रेस का मानना है कि फिल्मों को हिट बनाने में म्यूजिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिल्पा ने कहा, आज के समय में म्यूजिक लुप्त हो गया है और मुझे लगता है कि सभी बड़ी फिल्मों में अगर म्यूजिक अच्छा नहीं है तो यह व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य फिल्म नहीं है। जब म्यूजिक होता है तो जनता और बच्चे उससे जुड़ जाते हैं। जब आप जनता और बच्चों से जुड़ते हैं तो आप एक नई सफलता हासिल कर लेते हैं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में, शिल्पा एक मजबूत इरादों वाली पुलिसकर्मी तारा शेट्टी की भूमिका में हैं। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं। बता दें कि मैं आई हूं यूपी बिहार लूटने, आइला रे से लेकर जीने के इशारे और शट अप एंड बाउंस तक, शिल्पा शेट्टी ने कई आइकोनिक सॉन्ग दिए हैं, जो आज भी लोगों के बीच हिट हैं।

ऋतिक ने लगाया कमर पर बेल्ट, लिया बैसाखी का सहारा

सोशल मीडिया पर अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक ऐसी तस्वीर शेयर की है, जिसमें ऋतिक कमर पर बैल्ट लगाए नजर आ रहे हैं। वह बैसाखी के सहारे खड़े नजर आ रहे हैं। ऋतिक ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा- शुभ दोपहर। आपमें से कितने लोगों को कभी बैसाखी या व्हीलचेयर पर रहने की जरूरत पड़ी और इससे आपको कैसा महसूस हुआ? मुझे याद है कि मेरे दादाजी ने हवाई अड्डे पर व्हीलचेयर पर बैठने से इनकार कर दिया था क्योंकि यह उनकी खुद की मजबूत मानसिक छवि के साथ मेल नहीं खाता था। मुझे याद है मैंने कहा था, लेकिन डेडा, यह सिर्फ एक चोट है और इसका आपकी उम्र से कोई लेना-देना नहीं है! यह चोट को ठीक करने में मदद करेगा और उसे और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाएगा! यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ कि अंदर के डर और शर्मिंदगी को छिपाने के लिए उन्हें कितना मजबूत होने की जरूरत थी। मैं इसका अर्थ नहीं समझ सका।मुझे असहाय महसूस कराया। मैंने तर्क दिया कि एज फैक्टर इसकी वजह नहीं है क्योंकि उन्हें चोट के कारण व्हीलचेयर की आवश्यकता है, न कि बुढ़ापे की वजह से। उन्होंने इनकार कर दिया और अजनबियों (जिन्हें वास्तव में परवाह नहीं थी) के लिए मजबूत छवि प्रदर्शित की। इससे उनका दर्द बढ़ गया और उपचार में देरी हुई। ऋतिक रोशन आगे कहते हैं- उस तरह की कंडीशनिंग में निश्चित रूप से योग्यता है, यह एक गुण है। यह एक सैनिक की मानसिकता है। मेरे पिता भी उसी कंडीशनिंग से आते हैं। मेरा मानना है कि सच्ची ताकत आराम, संयम और पूरी तरह से जागरूक होना है कि कुछ भी नहीं, न बैसाखी, न व्हीलचेयर, न कोई अक्षमता या भेद्यता - और निश्चित रूप से कोई भी बैठने की स्थिति उस विशाल की छवि को कम या बदल नहीं सकती है जो आप अंदर से हैं। पुरुष मजबूत हैं, लेकिन अगर आप कहते हैं कि सैनिकों को बैसाखियों की कभी जरूरत नहीं होती और जब चिकित्सकीय रूप से पड़ती भी है तो उन्हें मना कर देना चाहिए, सिर्फ मजबूत होने का भ्रम बरकरार रखने के लिए, फिर मैं बस यही सोचता हूं कि इज्जत इतना हावी हो गई है कि यह सीधे-सीधे मूर्खता की सीमा पर पहुंच गई है।

प्रभास की फिल्म स्पिरिट में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

ब्लॉकबस्टर फिल्म सलार देने वाले अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। वहीं रश्मिका मंदाना भी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं। बता दें कि गत वर्ष 900 करोड़ से ज्यादा कमाई देने वाली एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि अभिनेता और निर्देशक का यह मिलन बॉक्स ऑफिस पर एक और एक हजार करोड़ी फिल्म देने की तैयारी में है। वांगा के निर्देशक इन दिनों तीन फिल्मों पर काम कर रहे हैं। उनमें से एक फिल्म एनिमल का सीक्वल एनिमल पार्क है, जिसमें वे एक बार फिर से रणबीर कपूर के साथ काम करेंगे, दूसरी फिल्म स्पिरिट है, जिसमें प्रभास हैं और तीसरी अनाम फिल्म के लिए उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ हाथ मिलाया है। ताजा समाचारों के अनुसार प्रभास अभिनीत स्पिरिट में एनिमल फेम रश्मिका मंदाना की एंट्री हो गई है। इसका बजट 'एनिमल' से चार गुना ज्यादा 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। संदीप रेड्डी वांगा बड़े स्केल पर 'स्पिरिट' को बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। 'एनिमल' के बाद वो किसी भी तरह का रिस्क लेने को तैयार नहीं हैं। इसी बीच रश्मिका मंदाना की फिल्म में एंट्री की खबर सामने आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है। ये पहली बार होगा, जब प्रभास और रश्मिका मंदाना बड़े पर्दे पर साथ काम करते नजर आएंगे। 'स्पिरिट' को लेकर अब तक रश्मिका मंदाना, प्रभास या फिर निर्देशक की तरफ से कोई ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन प्रभास के अपोजिट में दो नामों की काफी वक्त से चर्चा थीं। रश्मिका के अलावा दूसरा नाम कियारा आडवाणी का है।

बड़ी फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं अनुष्का सेन

साल 2024 में बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने उभरते करियर की सबसे एक्साइटिंग सफर के लिए तैयार हो रही हैं। पिछले साल बेहद बिजी रहने और 2024 की शुरुआत के साथ अब उनके फैन्स एक्साइटेड है यह जानने के लिए कि वो नेक्स्ट क्या करने वाली है।

हालांकि इससे जुड़ी डिटेल्स अब भी सामने नहीं आई है लेकिन खबर है कि वह किसी बड़ी फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं और जल्द ही सभी को हैरान करने वाली हैं। जबकि उनके कोरियन प्रोजेक्ट एशिया का प्रशंसकों और दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, लगता है कि वह किसी और चीज़ की भी शूटिंग कर रही हैं जिसकी खबर किसी को नहीं है। मानो उनके पास इस साल के लिए कुछ सबसे बड़े सरप्राइजेज हैं और इसके बारे में और अधिक जानने के लिए उत्साहित हैं। बता दें, एक अलग ग्लोबल स्टार होने के नाते अनुष्का को कोरिया के मानद राजदूत के रूप में भी नियुक्त किया गया हैं। साथ ही क्लाइमेट चेंज पर यूएन सीओपी28 इवेंट में परफॉर्म वाली टैलेंटेड और यंग अनुष्का को नए साल के लिए कोरिया में ट्रेडिशनल बेल रिंगिंग सेरेमनी के लिए भी आमंत्रित किया गया था। बता दें कि अनुष्का सेन एक बेहद टैलेंटेड और ग्लोबली पॉपुलर एक्ट्रेस हैं जिन्होंने दुनिया भर में अपना जादू बिखेरा है। उन्होंने सिर्फ 21 साल की उम्र में खुद को भारत की एक अलग ग्लोबल स्टार के रूप में पेश किया हैं। अनुष्का सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैन्स अपनी लाइफ अपडेट्स देती रहती हैं।

अरुण गोविल भी बन सकते है रामायण का हिस्सा

बालीवुड के फिल्म डायरेक्टर नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को इस फिल्म में 'दशरथ' के किरदार के लिए अप्रोच किया गया था, लेकिन अब तस्वीर फिर से बदल गई है। जानकारी के अनुसार रामानंद सागर के टीवी सीरियल 'रामायण' में 'राम' की भूमिका निभा चुके अरुण गोविल भी अब फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो 'दशरथ' का किरदार अब अमिताभ के बजाय अरुण गोविल निभाने वाले हैं।हाल ही अरुण एक्ट्रेस यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' के ट्रेलर में पीएम नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आए थे। अरुण पिछले महीने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी शामिल हुए थे। उनके साथ 'रामायण' में 'सीता माता' की भूमिका निभाने वालीं दीपिका चिखलिया और 'लक्ष्मण' बने सुनील लहरी भी थे। बता दें कि इस फिल्म की की चर्चाएं जोरों पर हैं। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं।

फूलवाले का किरदार निभाया नेहा हरसोरा ने

अपकमिंग धारावाहिक उड़ने की आशा में सैली का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने इसमें एक फूलवाले का किरदार निभाया है, जिसके लिए उन्होंने फूलों की माला बनाना सीखा। एक्ट्रेस ने इस शो के लिए की गई तैयारियों के बारे में खुलकर बात की। कंवर ढिल्लों (सचिन) और नेहा हरसोरा (सैली) अभिनीत उड़ने की आशा सचिन और सैली की प्रेम गाथा और रिश्तों और समीकरणों की जटिलताओं को दर्शाती है। सचिन एक टैक्सी ड्राइवर है, जबकि सैली ने एक फूलवाले का किरदार निभाया है। नेहा ने अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए कहा, मेरा किरदार सैली एक मेहनती लड़की है जो अपने परिवार का समर्थन करने के लिए हर काम लगन से करती है। उसका परिवार उसकी प्राथमिकता है, साथ ही उसकी दुनिया भी है। सैली अपने पति में कुछ गुण चाहती है, लेकिन उसकी किस्मत में सचिन है जो उसके सपनों के आदमी के विपरीत है। भूमिका को लेकर नेहा ने कहा कि उन्होंने मराठी भाषा पर काम किया और फूलों की माला बनाना सीखा, क्योंकि सैली एक फूल विक्रेता हैं। उन्होंने कहा, यह एक अलग अनुभव है और मैं इस शो का हिस्सा बनकर बेहद आभारी और धन्य हूं। मराठी पृष्ठभूमि पर आधारित उड़ने की आशा एक पत्नी की भावनात्मक उतार-चढ़ाव भरी यात्रा को दर्शाएगी और कैसे वह अपने पति को एक जिम्मेदार व्यक्ति में बदल देती है।

रजनीकांत की लाल सलाम,कमाए सिर्फ 14 करोड़

सुपर स्टार रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम ने मात्र 14 करोड रुपए कमाए हैं। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हर बढ़ते दिन के साथ बुरा हाल होता जा रहा है। ओपनिंग डे के बाद से किसी भी दिन फिल्म ने कुछ खास कमाई नहीं की है। रजनीकांत के हिसाब से पहले दिन भी फिल्म ने अच्छी कमाई नहीं की थी। अब फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो गए हैं और इसके लिए 15 करोड़ का कलेक्शन करना भी मुश्किल हो रहा है। फिल्म का छठे दिन का कलेक्शन सामने आ गया है और हर दिन ये कमाई घटती जा रही है। लाल सलाम को रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या ने निर्देशित किया है। लंबे समय के बाद ऐश्वर्या ने डायरेक्शन में वापसी की है। जिसकी वजह से फैंस को उम्मीद थी कि उनकी ये फिल्म लोगों को इंप्रेस करने में खरी उतर पाएगी, मगर ऐसा हो नहीं पाया है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक लाल सलाम ने छठे दिन 1.19 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस डाटा में आंकड़े थोड़े ऊपर-नीचे हो सकते हैं। लाल सलाम ने पहले दिन 3.55 करोड़, दूसरे दिन 3.25 करोड़, तीसरे दिन 3.15 करोड़, चौथे दिन 1.55, पांचवें दिन 1.45 करोड़ का कलेक्शन किया था। जिसके बाद टोटल कलेक्शन 14.14 करोड़ हो गया है। लाल सलाम वीकडे में 1.50 करोड़ से ज्यादा की कमाई नहीं कर रही है। वीकेंड पर ये कमाई थोड़ी बढ़ सकती है लेकिन इसकी उम्मीद भी काफी कम है। लाल सलाम के बजट की बात करें तो ये फिल्म 80-90 करोड़ में बनी है। फिल्म कलेक्शन से अपनी लागत का आधा भी नहीं नकाल पाई है। मेकर्स को इस फिल्म से काफी नुकसान होने वाला है। रिपोर्ट्स की माने तो इस फिल्म के बजट का लगभग 50 प्रतिशत तो रजनीकांत की फीस है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म के लिए करीब 40 करोड़ फीस ली है। लाल सलाम की बात करें तो ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है जिसमें विष्णु विशाल और विक्रांत लीड रोल में नजर आए हैं।

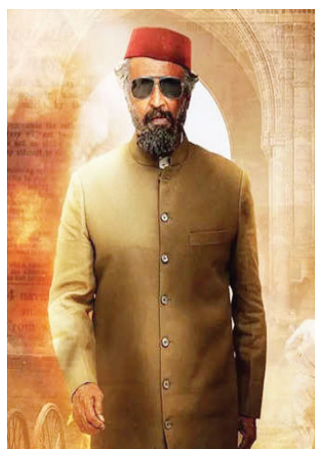

प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी ऐ वतन मेरे वतन

बालीवुड फिल्म ऐ वतन मेरे वतन आगामी 21 मार्च को डिजिटल रूप से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म में मुख्य अभिनेत्री सारा अली खान की आवाज थी, जिसमें वह उषा बनकर एक गुप्त रेडियो के माध्यम से ब्रिटिश राज के खिलाफ देश को एकजुट होने का जोशपूर्ण आग्रह करती नजर आ रही है।

धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की यह फिल्म करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित है। कन्नन अय्यर द्वारा निर्देशित यह फिल्म दरब फारूकी और अय्यर द्वारा लिखी गई है। इसमें सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओनील और आनंद तिवारी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इमरान हाशमी इसमें एक विशेष भूमिका में हैं। ऐ वतन मेरे वतन एक साहसी युवा लड़की के नेतृत्व में एक भूमिगत रेडियो स्टेशन के बारे में दिलचस्प कहानी बताती है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल दी। स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता की उल्लेखनीय यात्रा से प्रेरणा लेते हुए यह फिल्म प्रसिद्ध और गुमनाम दोनों नायकों को श्रद्धांजलि देती है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारत के युवाओं की बहादुरी, देशभक्ति, बलिदान और दृढ़ता को भी दर्शाती है। ओरिजिनल्स इंडिया और साउथ ईस्ट एशिया प्राइम वीडियो की प्रमुख अपर्णा पुरोहित ने कहा, फिल्?म ऐ वतन मेरे वतन सिर्फ एक फिल्म से कहीं अधिक है। यह उन असंख्य अदम्य नायकों को श्रद्धांजलि है, जिनके बलिदान ने भारत की स्वतंत्रता की राह को परिभाषित किया। कहानी ने हमारे साथ गहरा जुड़ाव पैदा किया और हमें सहज रूप से इसे जीवन में लाने की जरूरत महसूस हुई।

यह फिल्म धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन है और इसका निर्माण करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने किया है। धर्माटिक एंटरटेनमेंट के करण जौहर ने कहा, 'दशकों से रेडियो जनता का मनोरंजन करने के एक माध्यम के रूप में विकसित हुआ है, जो बात का प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐ वतन मेरे वतन देश को एकजुट करने और हर भारतीय के दिल में आग भड़काने और भारत छोड़ो आंदोलन को और बढ़ावा देने में रेडियो द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाता है। ऐ वतन मेरे वतन का निर्माण एक सपना रहा है और मैं प्राइम के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। धर्माटिक एंटरटेनमेंट के अपूर्व मेहता ने कहा, फिल्म साहस, बलिदान, लचीलेपन और अपने देश के प्रति अटूट समर्पण की एक दिलचस्प कहानी है और जिसे हम दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। धर्माटिक एंटरटेनमेंट के सोमेन मिश्रा ने कहा, 'ऐ वतन मेरे वतन, मेरे लिए, सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक भावना है। विश्व रेडियो दिवस पर प्राइम वीडियो ने अपनी मूल फिल्म ऐ वतन मेरे वतन के विश्वव्यापी प्रीमियर की घोषणा की, जिसका प्रीमियर 21 मार्च को होगा